♦आश्विन शुक्ल पक्ष 06 विक्रम संवत 2079 ♦ रांची, शनिवार 01 अक्टूबर 2022 ♦ वर्ष-23 अंक-238 पृष्ठ-12, मूल्य ₹1.50

ईश्वर में हमारा विश्वास

राष्ट्रीय नवीन मेल

सत्यमेव जयते

शारदीय नवरात्र

रांची एवं डालटनगंज (मेदिनीनगर) से एक साथ प्रकाशित

www.rastriyanaveenmail.com

षष्टम : कात्यायनी

नवरात्रि का छठा दिन मां कात्यायनी की उपासना का दिन होता है। इनके पूजन से अद्भुत शक्ति का संचार होता है व दुश्मनों का संहार करने में ये सक्षम बनाती हैं। मां कात्यायनी का स्वरूप अत्यंत चमकीला और भास्वर है। इनकी चार भुजाएं हैं। माताजी की दाहिनी तरफ का ऊपरवाला हाथ अभयमुद्रा में तथा नीचेवाला वरमुद्रा में है। बायीं तरफ के ऊपरवाले हाथ में तलवार और नीचेवाले हाथ में कमल-पुष्प सुशोभित है। इनका वाहन सिंह है।

चन्द्रहासोज्ज्वलकरा शार्दूलवरवाहन।
कात्यायनी शुभं दद्याद्देवी
दानवघातिनी।।

मां दुर्गा की छठी शक्ति को कात्यायनी के रूप में जाना जाता है। कात्यायन ऋषि की पुत्री के रूप में जन्म लेने के कारण उनके इस स्वरूप का नाम कात्यायनी पड़ा। इस दिन साधक का मन 'आज्ञा' चक्र में स्थित होता है। योग साधना में इस आज्ञा चक्र का अत्यंत महत्त्वपूर्ण स्थान है। इस चक्र में स्थित मनवाला साधक मां कात्यायनी के चरणों में अपना सर्वस्व निवेदित कर देता है। परिपूर्ण आत्मदान करनेवाले ऐसे भक्तों को सहज भाव से मां के दर्शन प्राप्त हो जाते हैं। मां कात्यायनी अमोघ फलदायिनी हैं। भगवान कृष्ण को पति के रूप में पाने के लिए ब्रज की गोपियों ने इन्हीं की पूजा कालिन्दी-यमुना के तट पर की थी। यह ब्रजमंडल की अधिष्ठात्री देवी के रूप में प्रतिष्ठित हैं। मां कात्यायनी की भक्ति और उपासना द्वारा मनुष्य को बड़ी सरलता से अर्थ, धर्म, काम, मोक्ष; चारों फलों की प्राप्ति हो जाती है।

प्यारा सजा तेरा द्वार भवानी....

सीएम ने पूजा पंडाल का किया अनावरण

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सपरिवार शुक्रवार को विभिन्न दुर्गा पूजा पंडाल का उद्घाटन किया और मां का आशीर्वाद लिया। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने धर्मपत्नी कल्पना सोरेन संग आरआर स्पोर्टिंग क्लब, रातू रोड और पंच मंदिर दुर्गा पूजा समिति, हरमू के दुर्गा पूजा पंडाल में मां दुर्गा के दरबार में मत्था टेका और राज्य तथा राज्यवासियों की उन्नति, खुशहाली, सुख-समृद्धि और शांति की कामना की। आरआर स्पोर्टिंग क्लब के पूजा पंडाल में मुख्यमंत्री के साथ राज्यसभा सांसद महुआ माजी ने भी मां के दर्शन किये। वहीं, पंच मंदिर दुर्गा पूजा पंडाल के परिसर में कलाकारों ने झारखंड की पारंपरिक नृत्य छऊ की प्रस्तुति देकर सभी का मन मोह लिया ।

21वीं सदी के भारत को देश के शहरों से मिलनेवाली है नयी गति : पीएम मोदी

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात दौरे पर पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि देश में ऐसे नये शहरों का निर्माण किया जा रहा है जो ग्लोबल बिजनेस डिमांड (वैश्विक व्यापार मांग) के अनुरूप हों। इसके साथ ही पुराने शहरों में सुधार और उनके विस्तार पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। गांधीनगर-अहमदाबाद की तर्ज पर देश में नगरद्वय विकसित किये जाने पर जोर देते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि 21वीं सदी के भारत को देश के शहरों से नयी गति मिलनेवाली है। तेज विकास के लिए गति को महत्वपूर्ण कारक करार देते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि निर्बाध संपर्क के साथ ही परिवहन तंत्र आधुनिक भी होने चाहिए। गांधीनगर-मुंबई के बीच वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन के नये और उन्नत संस्करण को हरी झंडी दिखाने और अहमदाबाद मेट्रो रेल परियोजना के पहले चरण के उद्घाटन के बाद यहां आयोजित एक कार्यक्रम को मोदी संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि 21वीं सदी के भारत को देश के शहरों से नयी गति मिलनेवाली है। बदलते हुए समय और बदलती हुई जरूरतों के साथ अपने शहरों को भी निरंतर आधुनिक बनाना जरूरी है। शहर में परिवहन का तंत्र आधुनिक हो, निर्बाध संपर्क हो और यातायात का एक साधन दूसरे को सहयोग करे, ये किया जाना आवश्यक है।

उन्होंने आगे कहा कि पुराने शहरों में सुधार और उनके विस्तार पर ध्यान केंद्रित करने के साथ-साथ ऐसे नये शहरों को भी तैयार किया जा रहा है, जो ग्लोबल बिजनेस डिमांड के अनुसार हों। गिफ्ट सिटी भी इस प्रकार के प्लग एंड प्ले सुविधाओं वाले शहरों का बहुत उत्तम उदाहरण है। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत गति को जरूरी मानता है और इसे तेज विकास की गारंटी भी मानता है तथा गति को लेकर यह आग्रह आज गतिशक्ति नेशनल मास्टर प्लान में भी दिखता है, नेशनल लॉजिस्टिक्स पॉलिसी में भी दिखता है और रेलवे की गति को बढ़ाने के अभियान में भी स्पष्ट होता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि नगरद्वय कैसे विकसित किये जाते हैं, इसका बेहतर उदाहरण गांधीनगर और अहमदाबाद हैं। उन्होंने कहा कि गुजरात में ऐसे नगरद्वय के निर्माण की बुनियाद रखी जा रही है। उन्होंने कहा कि नगरद्वय के रूप में न्यूयॉर्क-न्यू जर्सी की अक्सर चर्चा होती है, ऐसे में भारत कैसे पीछे रह सकता है। उन्होंने कहा कि हमारे पास नगरद्वय के रूप में गांधीनगर-अहमदाबाद का मॉडल है। प्रधानमंत्री ने कहा कि अहमदाबाद और मुंबई के बीच शुरू हुई वंदे भारत ट्रेन देश के दो बड़े शहरों के बीच सफर को आरामदायक भी बनायेगी और दूरी को भी आठ घंटे से घटा कर साढ़े पांच घंटे कर देगी।

पीएम मोदी बोले -

- देश में ऐसे नये शहरों का निर्माण किया जा रहा है जो ग्लोबल बिजनेस डिमांड के हों अनुरूप
- पुराने शहरों में सुधार और उनके विस्तार पर केंद्रित किया जा रहा है ध्यान

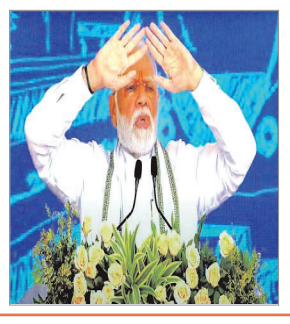

एंबुलेंस को रास्ता देने के लिए रुका पीएम का काफिला

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को गुजरात को गांधीनगर-मुंबई के बीच वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन के साथ ही अहमदाबाद मेट्रो रेल परियोजना के पहले चरण का उद्घाटन किया। पीएम मोदी अहमदाबाद से जनसभा को संबोधित कर वापस लौट रहे थे। इसी दौरान पीएम मोदी ने एक एम्बुलेंस को रास्ता देने के लिए अपना काफिला रोक दिया, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। एम्बुलेंस को रास्ता देने के लिए पीएम मोदी ने गाड़ियों के काफिले को सड़क के एक साइड कर लिया। जब एम्बुलेंस आगे निकल गयी तक पीएम मोदी का काफिला आगे बढ़ा।

50 हजार रिश्वत लेते पलामू के सिविल सर्जन गिरफ्तार

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू जिले के मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी (सिविल सर्जन) डॉ. जॉन एफ कैनेडी को शुक्रवार को 50 हजार रुपये की रिश्वत लेते भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के विशेष दस्ते ने रंगेहाथ गिरफ्तार कर लिया। सिविल सर्जन बकाया राशि एक लाख सैंतालिस हजार (1,47,000) के भुगतान के एवज में पचास हजार रुपये ले रहे थे। इस मामले में बिहार के औरंगाबाद के गोल्डन कुमार ने ब्यूरो दफ्तर में लिखित शिकायत की थी। उन्होंने ब्यूरो को बताया था कि, उनका 'रशियन हेल्थ केयर प्राइवेट लिमिटेड' नाम से एक चिकित्सा संस्थान है, यह पलामू जिला स्वास्थ्य समिति में गत छह मई से निर्बंधित है। इस एजेंसी ने सरकारी अस्पतालों में एमओयू (समझौता) के तहत परिवार नियोजन के कार्य किये थे, जिसके उक्त राशि का भुगतान किया जाना था। इस राशि को प्राप्त करने के लिए उन्होंने जिला कार्य प्रबंधक (डीपीएम) दीपक कुमार गुप्ता से

संपर्क किया तो, उसने इसे बताया कि भुगतान तभी होगा, जब सिविल सर्जन को एक लाख रुपये दोगे। पिछले 16 सितम्बर को कुमार सिविल सर्जन डॉ. कैनेडी से मुलाकात किया तो इसे सिविल सर्जन ने कहा कि, तुम रुपये दे दो तुम्हारे संस्थान को अगली बार भी सेवा विस्तार दे दिया जायेगा। इस रिश्वतखोरी के बारे में उन्होंने ब्यूरो को जानकारी दी, जिसे दर्ज कर मामले का सत्यापन किया गया और शुक्रवार को अपने निजी आवास पर कैनेडी ने घूस की राशि ली, योजनानुसार उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। बाद ▸▸शेष पृष्ठ 11 पर

टी-20 क्रिकेट मैच के लिए पंद्रह डीएसपी की रांची में तैनाती

रांची। भारत बनाम दक्षिण अफ्रीका टी-20 मैच में विधि-व्यवस्था बनाये रखने के लिए पंद्रह डीएसपी की प्रतिनियुक्ति रांची जिला में की गयी है। जैप-सात के डीएसपी राजकुमार मेहता, पीटीसी डीएसपी हीरालाल रवि, स्पेशल ब्रांच डीएसपी कुमार वेंकटेश्वर रमण, जैप-पांच डीएसपी अशोक कुमार सिंह, जैप-आठ डीएसपी दीपक कुमार, जैप-10 डीएसपी आशुतोष कुमार सत्यम, जगुआर डीएसपी कौशर अली, ज्ञानरंजन, एससीआरबी डीएसपी अनुदीप सिंह, आईआरबी-3 डीएसपी राम समद, जैप-2 डीएसपी मनोज कुमार महतो, सीआईडी डीएसपी रंजीत लकड़ा, जैप-10 डीएसपी तारामणि बाखला, सुमन गिरी नाग, आईआरबी-9 डीएसपी संजय कुमार को रांची जिला बल में प्रतिनियुक्त किया गया है। सभी की प्रतिनियुक्ति सात से 10 अक्टूबर तक रांची जिला बल में रहेगी। राज्य पुलिस मुख्यालय के आईजी मानवाधिकार ने इस संबंध में आदेश जारी किया है।

कांग्रेस अध्यक्ष के लिए खड़गे सहित तीन उम्मीदवारों ने किया नामांकन

नयी दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष पद के चुनाव के लिए नामांकन पत्र भरने के आखिरी दिन राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे सहित तीन उम्मीदवारों ने अपने नामांकन पत्र दाखिल किये। कांग्रेस चुनाव विभाग के प्रभारी महासचिव मधुसूदन मिस्त्री ने शुक्रवार को नामांकन पत्र दाखिल किये जाने के बाद यह जानकारी देते हुए बताया कि कांग्रेस अध्यक्ष के लिए श्री खड़गे के अलावा कांग्रेस के लोकसभा सदस्य शशि थरूर और झारखंड से केएन त्रिपाठी शामिल हैं। उन्होंने बताया कि नामांकन के लिए कुल 20 सेट दाखिल किये गये हैं जिनमें से श्री खड़गे की तरफ से नामांकन पत्रों के 14 सेट जमा कराये गये हैं। श्री थरूर की ओर से पांच सेट और केएन त्रिपाठी की ओर से एक पर्चा जमा कराया गया है। कांग्रेस चुनाव विभाग के प्रभारी ने कहा कि तीनों उम्मीदवारों में से कोई भी पार्टी का आधिकारिक उम्मीदवार नहीं है। उनका कहना था कि यदि कोई व्यक्ति दावा करता है कि उन्हें कांग्रेस अध्यक्ष ▸▸शेष पृष्ठ 11 पर

- कांग्रेस अध्यक्ष के लिए खड़गे के अलावा शशि थरूर और झारखंड से केएन त्रिपाठी ने किया है नामांकन

सीएम से भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा स्थापित करने की मांग

रांची। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से शुक्रवार को भगवान बिरसा मुंडा स्मारक समिति, चकला, ओरमांझी, रांची के प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। उन्होंने मुख्यमंत्री से भगवान बिरसा जैविक उद्यान, ओरमांझी में धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा स्थापित करने और उनकी जीवनी तथा वीरता-शौर्य गाथा को दर्शाने की व्यवस्था करने की दिशा में पहल करने का आग्रह किया। इस मौके पर उन्होंने मुख्यमंत्री को भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा सप्रेम भेंट की। प्रतिनिधिमंडल में समिति के मुख्य संरक्षक और जनजातीय परामर्शदात्री परिषद के सदस्य जमाल मुंडा, संरक्षक काशीनाथ पाहन, अध्यक्ष वीणा मुंडा, सचिव अशोक कुमार मुंडा, उप सचिव दीपक मुंडा, कोषाध्यक्ष सुरेंद्र उरांव और विष्णु मुंडा शामिल थे।

11 को रांची में भ्रष्टाचार विरोधी प्रतिनिधि सम्मेलन

नवीन मेल संवाददाता

रांची। जमशेदपुर पूर्वी से निर्दलीय विधायक सरयू राय ने कहा है कि राज्य में संस्थागत तरीके से भ्रष्टाचार को अंजाम दिया गया है। मनरेगा घोटाला हो या अवैध खनन से जुड़ा घोटाला ईडी ने जो चार्जशीट दी है, उससे स्पष्ट है कि इस मामले में पिछली सरकार के मुखिया भी शामिल हैं। शुक्रवार को सरयू राय ने रांची स्थित आवास में भ्रष्टाचार विरोधी प्रतिनिधि सम्मेलन की तैयारियों को लेकर प्रेसवार्ता की। इस दौरान उन्होंने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि वर्तमान में ईडी के घोटाले में जिन किरदारों का नाम उजागर हो रहा है, वह सारे किरदार पूर्ववर्ती सरकार के ही हैं, जिसे इस सरकार ने अपनाया। भ्रष्टाचार के मामले में भाजपा या झामुमो कोई भी अछूती नहीं है। हेमंत सोरेन के खिलाफ कोई जांच होगी तो यह रघुवर दास तक पहुंचेगी। ऐसे में दोनों नेताओं को सफाई देनी चाहिए। सरयू राय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी कहते हैं कि न खाऊंगा न खाने दूंगा, इसे अमल में लाने की जरूरत है। सरयू राय ने कहा कि झारखंड में साल 2012 से राजनीतिक-प्रशासनिक भ्रष्टाचार बढ़ा है। राज्य में पहली बार जब बाबूलाल मरांडी की सरकार बनी थी, तब भ्रष्टाचार का संदर्भ ऐसा नहीं था। लेकिन ईडी ने अब जो चार्जशीट दी है, उसे देखना चाहिए। इस भ्रष्टाचार में सबकी भागीदारी है। सरयू राय ने कहा कि झामुमो ▸▸शेष पृष्ठ 11 पर

- संस्थागत भ्रष्टाचार के सारे किरदार पुराने झामुमो-भाजपा कोई इससे अछूती नहीं : सरयू राय

शराब का राजस्व लगातार दे रहा झटके, सितम्बर महीने में भी न्यूनतम लक्ष्य से काफी पीछे

नवीन मेल संवाददाता

रांची। राज्य की सरकार को शराब का कारोबार लगातार झटके दे रहा। एक सितम्बर से 26 सितम्बर तक शराब के खुदरा दुकानों में बिक्री का लक्ष्य पूरा नहीं हो पाने पर राज्य सरकार के उत्पाद विभाग के संयुक्त उत्पाद आयुक्त गजेंद्र सिंह ने पत्र लिखकर आपत्ति जतायी है। शराब की खुदरा दुकानों को संभालने वाली सभी प्लेसमेंट एजेंसी को लिखा गया है कि सितम्बर महीनें की विभिन्न जिलों के खुदरा उत्पाद दुकानों में मदिरा के उठाव और बिक्री की समीक्षा की गयी, लेकिन यह संतोषजनक नहीं पाया गया। प्लेसमेंट एजेंसियों को लिखा गया है कि मिनिमन गारंटी रेवेन्यू के लिए मदिरा की बिक्री करना एजेंसियों का कर्तव्य है, ताकि राजस्व मिले। विभाग ने आदेश जारी किया है कि खुदरा उत्पाद दुकानों में जो शराब का उठावा हुआ है, उसका शत-प्रतिशत बिक्री हो। राजस्व लक्ष्य के विरूद्ध बिक्री नहीं होने पर दंडात्मक कार्रवाई की बात कही गयी है।

- सभी प्लेसमेंट एजेंसी व सहायक उत्पाद आयुक्त को विभाग ने लिखा पत्र
- 1 से 26 सितम्बर की बिक्री व राजस्व की समीक्षा

सारे पॉपुलर ब्रांड उपलब्ध कराये जायें : राज्य में शराब दुकानों में बीयर व शराब के कई पॉपुलर ब्रांड नहीं मिलने की शिकायतें भी विभाग को मिली हैं। संयुक्त उत्पाद आयुक्त ने थोक विक्रेता लाइसेंसधारियों को आदेश दिया है कि राजस्व की प्राप्ति के लिए सभी पॉपुलर ब्रांड व बीयर की उपलब्धता खुदरा उत्पाद दुकानों में करायें। संयुक्त आयुक्त के पत्र के मुताबिक, रांची, धनबाद और पलामू जिले में पॉपुलर ब्रांड की शराब उपलब्ध नहीं है। थोक लाइसेंसधारियों के चार गोदामों में भी पॉपुलर ब्रांड की अनुपलब्धता पर सवाल उठाया गया है।

जिले जो शराब के कारोबार देने में पिछड़े

राज्य के 11 जिलों में शराब बिक्री का लक्ष्य पूरा नहीं हो पाया है। रांची जिला में मिनिमम गारंटी रेवेन्यू के विरूद्ध महज 58.38 प्रतिशत मदिरा की बिक्री हुई है, वहीं सिमडेगा में 56.66, गुमला में 79.02, गढ़वा में 78.18,लातेहार में 78.29, पलामू में 58.52, जामताड़ा में 65.74, पाकुड़ में 70.68, देवघर में 76.54, पश्चिमी सिंहभूम में 74.07 और कोडरमा में 74.43 प्रतिशत की बिक्री हुई है।

स्पेशल ऑडिट कराये सरकार : बाबूलाल मरांडी

राज्य में शराब के राजस्व पर पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने ट्वीट कर कहा है कि माह बीतने में चार दिन शेष बचा था तो दारू रेवेन्यू का टार्गेट साठ प्रतिशत भी पूरा नहीं होने पर झारखंड का दारू विभाग हांफ रहा है। बाबूलाल मरांडी ने मुख्यमंत्री को चेतावनी भरे लहजे में कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन इससे पहले की आपके किये का दिल्ली जैसा भांडा फूटे स्पेशल ऑडिट करा जन सामान्य को जानकारी दीजिये। वर्ना एक और घोटाला आपके नाम होगा।

बारामूला में सुरक्षाबलों को मिली बड़ी सफलता

मुठभेड़ में जैश-ए-मोहम्मद के दो आतंकी ढ़ेर

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के बारामूला जिले में शुक्रवार को सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच हुई मुठभेड़ में जैश-ए-मोहम्मद के दो आतंकवादी मारे गये। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि शुक्रवार तड़के शोपियां और बारामूला जिलों में सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ शुरू हो गयी थी। अधिकारी ने बताया कि सुरक्षा बलों ने दक्षिण कश्मीर के शोपियां के चित्रगाम इलाके और उत्तरी कश्मीर में बारामूला के येदिपुरा इलाके में घेराबंदी कर तलाश अभियान शुरू किया था जिसके बाद मुठभेड़ शुरू हुई। उन्होंने बताया कि बारामूला में मुठभेड़ के दौरान दो आतंकवादी मारे गये। कश्मीर के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एडीजीपी) विजय कुमार ने ट्वीट किया कि एक और आतंकवादी मारा गया (कुल दो मारे जा चुके हैं। ये दोनों आतंकवादी जैश से नाता रखते थे। तलाश अभियान अब भी जारी है।

न्यूज गैलरी

जरेया में पति व पत्नी ने किया नशा, पत्नी की मौत, पति को पुलिस ने लिया हिरासत में

नामकुम। नामकुम थाना क्षेत्र के मारीडीह टोली जरेया गांव में शराबी पति व पत्नी शराब पीने के बाद पत्नी वरांगी देवी (54) हुई मौत। वहीं घटना के बाद पति काली मुण्डा उर्फ सोमा मुण्डा (58) को पुलिस ने लिया हिरासत लेकर कर रही पुछताछ। घटना के गुरूवार के देर शाम है को अपने ही घर में पति काली मुण्डा व पत्नी एक साथ शराब पीने के बाद काली मुण्डा अपने मामा राणा सिंह व चाचा बोयर मुण्डा के साथ पूजा करने निकल गया था। जब वह जब करीब रात्रि के 8बजे घर पहुंचा तो देखार की उसकी पत्नी लेटी हुई है, उसकी पैखाना किये है, और उसकी मौत हो चुकि थी। मौके पर पुलिस ने शव को अपने कब्जे लेकर पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेजवा दिया। थानेदार सुनील कुमार तिवारी ने बताया कि वरांगी काली मुण्डा की दुसरी पत्नी थी,दोनो साथ में ही रहते थे। काली और वरांगी ने गुरूवार शाम साथ में शराब पिए जिसके बाद काली अपने मामा और चाचा के साथ पूजा करने जरया चला गया। लौटा तो देखा की वरांगी मुंह के बल गिरी हुई है, जांच करने पर पता चला कि उसकी मौत हो गयी है। स्थानीय लोागें ने बताया कि वरांगी और काली बहुत शराब पीते थे। संभवत: अत्याधिक शराब पीने से ही उसकी मौत हो गयी। पुलिस मामले की जांच कर रही है। वहीं काली दो शादी किये हुए दोनों से दोनों से बच्चे है, वही दोनों पत्नी अलग-अलग रहती थी।

उपप्रमुख ने दिव्यांग को ट्राई साईकिल दी

नामकुम। सिदरौल पंचायत के सिदरौल गांव में शुक्रवार को दिव्यांग मारिया कुजूर को सीआरसी नामकुम के द्वारा ट्राई साईकिल दी गयी। उपप्रमुख वीणा कुमारी ने मारिया को ट्राई साईकिल सौंपा और उसे हरसंभव मदद का भरोसा दिलाया। मौके पर उपप्रमुख वीणा ने बताया कि सरकार द्वारा बडे पैमाने पर जरूरतमंदो के लिए योजनाएं चलायी जा रही है। जरूरत है सिर्फ लाभुकों को उन योजनाओं तक लाने का। मौके पर समाजसेवी प्रदीप लकडा, प्रतिनिधि धर्मवीर सिंह, सावित्रि देवी सहित सीडीपीओ आफिसर उपस्थित थे।

शहीद की पुण्यतिथि पर फुटबॉल मैच आयोजित

नामकुम। शहीद फ्रांसिस होरो की पुण्यतिथि लाली स्थित शहीद की प्रतिमा स्थल में मनाई गई। इस दौरान शहीद की पत्नी अनस्तिया होरो, प्रमुख आशा कच्छप, मुखिया जिरेन टोपनो,पडहा अध्यक्ष प्रदीप तिर्की, सुरेंद्र महतो आदि ने माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। पुण्यतिथि के अवसर पर फुटबॉल टूर्नामेंट मैच का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता के दौरान विजेता पिरीडीह, उपविजेता बानपुर एवं तीसरे स्थान पर रही जामून टोली की टीम को अतिथियों ने पुरस्कृत किया।

उग्रवादी हिंसा में मारे गए 2 लोगों के विधवा को मिला एक-एक लाख रुपए का चेक

अमरेश कुमार सिंह का आश्रित इकलौता पुत्र नौकरी के लिए अब तक दर-दर भटक रहा है

नवीन मेल संवाददाता

लापुंग। उग्रवादी हिंसा में मारे गए तपकरा निवासी अमरेश कुमार सिंह तथा बेलटोली सकरपुर के सुकरा उरांव की आश्रित विधवा क्रमशः शकुंतला देवी और जसिन्ता लकड़ा को अंचलाधिकारी अविनाश पूर्णेन्दु और विधायक प्रतिनिधि सह वरिष्ठ कांग्रेसी नेता मजकूर आलम सिद्दीकी ने एक - एक लाख रुपए का चेक प्रदान किया। उल्लेखनीय है कि 30 मार्च 2007 को पीएलएफआई के कमांडर करमा उरांव ने अमरेश कुमार सिंह की हत्या कर दी थी। वहीं पीएलएफआई के उग्रवादियों ने 2018 में सुकरा उरांव की हत्या कर दी थी। वहीं बारिश में घर के गिरने से आपदा प्रबंधन के तहत मालगो पंचायत के रायटोली की

जितनी मुंडाईन तथा ककरिया पंचायत के खटंगा निवासी सुभाष खलखो को 3200 - 3200 का चेक प्रदान किया। इस मौके पर अंचलाधिकारी अविनाश पूर्णेन्दु ने कहा कि उग्रवादी हिंसा में मारे गए लोगों के आश्रित परिवार के प्रति तथा प्राकृतिक आपदा से प्रभावित लोगों के मुआवजा के लिए सरकार पूरी तरह गंभीर है। वहीं विधायक प्रतिनिधि मजकूर आलम सिद्दीकी ने कहा कि मांडर की विधायक शिल्पी नेहा तिर्की पूरे मांडर विधानसभा क्षेत्र में पूरे मेहनत और लगन के साथ लोगों की सेवा में जुटी हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस झारखंड मुक्ति मोर्चा और राष्ट्रीय जनता दल का गठबंधन सरकार गरीब गुरबा से लेकर हर तबके के लोगों के विकास के लिए कार्य कर रही है। इस मौके पर सुदामा महली, खिरोद कुमार मेहता सहित कई लोग मौजूद थे। वहीं दूसरी ओर उग्रवादी हिंसा में मारे गए अमरेश कुमार सिंह का परिवार नौकरी के लिए दर-दर भटक रहा। उनके पुत्र सत्यम कुमार सिंह ने बताया कि उनके पिता की हत्या 30 मार्च 2007 को पीएलएफआई उग्रवादियों ने कर दी थी। घर में उनकी बूढ़ी दादी, बीमार मां और छोटी बहन है बड़ी बहन की शादी हो गई है। वह अपने माता-पिता का इकलौता पुत्र है । उन्होंने बताया कि उग्रवादी हिंसा में मारे गए लोगों के आश्रित को सरकारी नौकरी मिलती है।

बिजली बिल के नाम पर करीब 56 हजार रुपए की ठगी, प्राथमिकी दर्ज

नवीन मेल संवाददाता

रांची। बरियातू थाना क्षेत्र के तेतर टोली निवासी श्री प्रकाश से बिजली बिल के नाम पर उनसे करीब 56 हजार रुपए की ठगी कर ली है। साइबर ठगों ने इस वारदात को बीते 27 सितंबर को अंजाम दिया है। इस संबंध श्री प्रकाश ने बरियातू थाने में प्राथमिकी दर्ज करायी है। श्री प्रकाश ने पुलिस को बताया कि उनके बीते 27 सिंतबर को उनके मोबाइल के व्हाट्सएप पर एक मैसेज आया। जिसमें यह लिखा था कि बकाया बिजली बिल का भुगतान करें। अन्यथा उनके घर की बिजली काट दी जाएगी। मैसेज पढ़ने के बाद उन्होंने दिए गए नंबर पर फोन किया। ठग ने उन्हें बताया कि उनका बिजली बिल अपडेट नहीं है। तब ठग ने उनसे क्वीक स्पोर्ट एप डाउनलोड करने को कहा। डाउनलोड करने के बाद ठग ने उन्हें कुछ प्रोसेस बताया। प्रोसेस पूरा करने के बाद उनके खाते से 25 हजार, 29 हजार और 15 सौ रुपए तीन बार में कट गए। इस बात की जानकारी उन्हें तब हुई जब उनके मोबाइल पर राशि निकासी का मैसेज आया। इसके बाद श्री प्रकाश ने बैंक में अपना खाता बंद करवाया। फिर सीधे बरियातू थाना पहुंचकर मामला दर्ज कराया। दर्ज प्राथमिकी के आधार पर पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

राजभाषा का अर्थ है राज की भाषा, राज-काज की भाषा : डॉ. जंग बहादूर सिंह

नवीन मेल संवाददाता

नामकुम। भारतीय प्राकृतिक राल एवं गोंद संस्थान नामकुम में हिन्दी दिवस समारोह का आयोजन किया गया। समरोह के अवसर पर संस्थान में राजभाषा अधिनियम के अनुपालन एवं कार्यालय कार्य में राजभाषा हिन्दी के प्रयोग में वृद्धि के लिए 1 सितंबर से 30 सितंबर तक हिन्दी चेतना मास के रूप में पालन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रांची विश्वविद्यालय के विभागाध्यक्ष-हिन्दी विभाग (सेवानिवृत) डॉ जंग बहादुर पाण्डेय ने कहा कि भारत ही एकमात्र ऐसा देश है जो राजभाषा दिवस मनाता है, विश्व में कोई और देश अपना राजभाषा दिवस नहीं मनाता है, बल्कि अपनी भाषा में पुरे वर्ष कार्य करता है। हिन्दी राजभाषा के रूप में केवल संवैधानिक भाषा बनकर हीं रह गई है। राजभाषा का अर्थ है राज की भाषा, राज-काज की भाषा। राजभाषा संवैधानिक पद है, हिन्दी को देश की व्यावहारिक भाषा बनाने की आवश्यकता है। संस्थान के निदेशक डॉ केवल कृष्ण शर्मा ने अपने स्वागत भाषण में कहा कि हिन्दी चेतना मास के अन्तर्गत हिन्दी दिवस समारोह का आयोजन किया गया है। संस्थान में लम्बे

समय से राजभाषा हिन्दी का प्रयोग होता रहा है। हमारे यहाँ कार्यालय कार्य के साथ-साथ वैज्ञानिक साहित्य में भी हिन्दी का अच्छा प्रयोग हो रहा है। संस्थान द्वारा नियमित अंतराल पर हिन्दी/द्विभाषी पुस्तिकाएं, पत्रक इत्यादि प्रकाशित होते रहते हैं। इस दौरान हिन्दी चेतना मास की अवधि में दिनांक- 08-09 सितम्बर 2022 को हिन्दी टिप्पण, प्रारूप लेखन, निबंध, हिन्दी गीत गायन, हिन्दी प्रश्नो×री, पर्याय एवं विपरीतार्थक शब्द प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जिनके विजेताओं को कार्यक्रम में सम्मानित किया गया एवं प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि द्वारा लाक्षा के नविनतम संस्करण लाक्षा-2022 का विमोचन किया गया। इसके साथ ही समारोह में लाक्षा-2021 में उत्कृष्ठ आलेख का पुरस्कार भी प्रदान किया गया। श्री विनोद कुमार, प्रभारी अधिकारी, राजभाषा प्रकोष्ठ ने राजभाषा प्रतिवेदन प्रस्तुत किया।

सिल्ली मुरी आसपास के क्षेत्रों में दुर्गा पूजा को लेकर पंडालों का निर्माण जोरों पर

सिल्ली। सिल्ली मुरी आसपास के क्षेत्रों में दुर्गा पूजा को लेकर पंडालों का निर्माण जोरों पर किया जा रहा है वही मूर्तिकार मां दुर्गा माता की मूर्ति का अंतिम रूप तैयार करने में लगे हुए हैं। और सिल्ली में मेन रोड राधिका मैदान बुंडू चौक मुरी रेलवे कॉलोनी ए टाइप बी टाइप रेलवे मार्केट छोटा मुरी बडा मुरी दुर्गा पंडाल लगाम दुर्गा पंडाल हिंडालको क्लोवनी आदि जगहों पर मां दुर्गा का प्रतिमा स्थापित किया गया है साथ ही साथ पंडालों का भव्य रूप दिया जा रहा है। कई पंडालों का प्रारूप बंगाल के कारीगर अनाडा आदा पुरुलिया रघुनाथपुर आदि कारीगरों के द्वारा पंडालों में अंतिम प्रारूप देने में लगे हुए हैं।

सरोजिनी लकड़ा ने झारखंड खेलकूद एवं युवाकार्य निदेशालय सह कार्यकारी निदेशक का लिया पदभार

नवीन मेल संवाददाता

रांची। अपर पुलिस अधीक्षक (संचार एवं तकनीकी सेवाएं) सरोजिनी लकड़ा ने निदेशक, खेलकूद एवं युवाकार्य निदेशालय- सह- कार्यकारी निदेशक, झारखंड खेल प्राधिकरण का प्रभार ग्रहण कर लिया है। श्रीमती लकड़ा ने पदभार ग्रहण करने के बाद सभी पदाधिकारियों और कर्मचारियों से परिचय प्राप्त किया इसके बाद निदेशालय एवं झारखंड खेल प्राधिकरण के सभी प्रकार की गतिविधियों से कराते हुए कार्ययोजना का विस्तृत प्रतिवेदन, कार्यक्षेत्र, खेल आयोजन, खेल कैलेंडर, खेल गतिविधियों आदि पर चर्चा की गयी। श्रीमती लकड़ा ने खेल को प्रगति पथ पर अग्रसर करने के लिए एकजुट होकर कार्य करने की प्रेरणा भी दी। श्रीमती लकड़ा ने सभी खिलाड़ियों के

उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए विभाग की ओर मुहैया होनेवाले खेल गतिविधियों के खेल सामग्री, आवासन तथा कैश अवार्ड एवं स्कॉलरशिप से संबंधित जानकारी प्राप्त की। इस अवसर पर खेलकूद एवं युवा कार्य निदेशालय से देवशरण दास, प्रशाखा पदाधिकारी, झारखंड खेल प्राधिकरण से प्रमोद शरण विशेष कार्यपदाधिकारी, देवेंद्र कुमार, खेल परामर्शी, अभिषेक नंद, छटकु उरांव, राष्ट्रीय खिलाड़ी, शंकर पाल, स्टेडियम मैनेजर, प्रदीप मिर्धा, कुश कुमार साहू एवं जिला खेल पदाधिकारी कार्यालय के कर्मचारी मुकेश कुमार एवं अन्य उपस्थित थे। बधाई देने वालों में पदभार ग्रहण करने पर वुशु संघ के चंचल भट्टाचार्य, उदय साहू, झारखंड एथलेटिक्स संघ के शशांक सिंह, योग फेडरेशन ऑफ इंडिया के महासचिव संजय कुमार झा सहित झारखंड खेल विभाग के पदाधिकारी व कर्मचारी, विभिन्न खेल संघों के पदाधिकारी शामिल हैं।

आरयू में पद्मश्री डॉ. राम दयाल मुंडा की पुण्यतिथि मनायी गयी

डॉ रामदयाल मुंडा झारखंडी चेतना के अग्रदूत थे : नलय

नवीन मेल संवाददाता

रांची। शुक्रवार को रांची विश्वविद्यालय के जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा संकाय में पद्मश्री डॉ. राम दयाल मुंडा की पुण्यतिथि मनायी गयी। मौके पर सभी ने पद्मश्री डॉ. राम दयाल मुंडा की तस्वीर पर पुष्पांजलि देकर अपनी श्रद्धा अर्पित की। कार्यक्रम का संचालन प्राध्यापक करम सिंह मुण्डा ने किया। अध्यक्षता करते हुए मुंडारी विभाग के विभागाध्यक्ष नलय राय ने कहा कि डॉ. रामदयाल मुंडा झारखंडी चेतना के अग्रदूत थे। वे झारखंड ही नहीं बल्कि पूरे देश के एक प्रमुख विराट, बौद्धिक और सांस्कृतिक शख्सियत थे। उन्होंने आदिवासी और मूलवासियों के अधिकारों के लिये देश के विभिन्न प्रांतों से लेकर संयुक्त राष्ट्र संघ जैसे अंतरराष्ट्रीय मंचों तक आवाज उठाने का काम कियाकिया था। साथ ही दुनिया के आदिवासी समुदायों को संगठित भी किया और

झारखंड में जमीनी सांस्कृतिक आंदोलनों को नेतृत्व प्रदान किया। डॉ. मुण्डा को अपने अंतिम समय तक झारखंड और झारखंडियों की चिंता रही। उन्होंने कहा कि डॉ. मुंडा राजनीतिक क्षेत्र में काफी सक्रिय रहे फिर भी उनका जीवन पूर्ण रूप से सामाजिक एवं सांस्कृतिक ही रहा। झारखंड की आदिवासी संस्कृति, लोकगीत, नृत्य एवं साहित्य को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने में पद्मश्री डॉ. रामदयाल मुंडा की अहम भूमिका रही। प्राध्यापक किशोर सुरीन ने कहा कि पद्मश्री डॉ. राम दयाल मुंडा का कोई जोड़ नहीं हो सकता है। डॉ मुण्डा एक विराट व्यक्तित्व के धनी व्यक्ति थे। उन्होंने कहा कि वे सहज प्रवाह के साथ तकरीबन उन्नीस भाषाओं के ज्ञाता थे। विभिन्न विषयों का गहन अध्ययन था। उनका थाह पाना मुश्किल है। समग्र रूप से मनुष्य के सम्पूर्ण विकास की सोच रखने वाले पद्मश्री डॉ. मुंडा ने 'जे नाची, से बाँची' का मूलमंत्र हम आदिवासी व सदानों को दिया। हमें एक सूत्र में बांधने का काम किया। प्राध्यापक डॉ. बीरेन्द्र कुमार महतो ने कहा कि डॉ. मुंडा पूरी दुनिया को झारखंडी संस्कृति से अवगत कराया। डॉ. रामदयाल मुंडा ने झारखंडी समाज में आत्मगौरव और चेतना भरने का काम किया। उनके उद्देश्यों को हमें आत्मसात करने की आवश्यकता है। प्राध्यापक डॉ. रीझू नायक ने कहा कि बहुआयामी व्यक्तित्व के धनी पद्मश्री डॉ राम दयाल मुंडा के जीवन का हमें अनुसरण करना चाहिये।

आकाशीय बिजली गिरने से एक महिला की मौत, दो गंभीर रूप से घायल

मांडर थाना को सूचना मिलने के बाद पुलिस ने मृतक का पंचनामा कर शव को पोस्मार्टम के लिए रांची रिम्स भेज दिया।

नवीन मेल संवाददाता

मांडर। मांडर प्रखंड अंतर्गत बरगड़ी गांव में शुक्रवार को हुए वज्रपात से एक महिला की मौत और 2 महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। बताया गया कि बरगड़ी गांव के मुनवा देवी पति घूरना अहीर, आशा देवी पति पंचू अहीर और कैशमत गांव से कुछ दूर अपने खेत पर काम कर रही थी,तभी अचानक आकाशीय बिजली गिरने से आशा देवी की मौत हो गई। वहीं दो महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। स्थानीय लोगों के सहयोग से घायलों को रातु मादी हॉस्पिटल में इलाज कराने के लिए ले जाया गया। घायल महिला की स्थिति गंभीर बताई जा रही है। मांडर थाना को सूचना मिलने के बाद पुलिस ने मृतक का पंचनामा कर शव को पोस्मार्टम के लिए रांची रिम्स भेज दिया। वहीं चान्हो प्रखंड स्थित तरंगा निवासी शमशु खान के गाय की बज्रपात की चपेट में आने से मौत हो गई।शमशु खान का जीविका का मुख्य आधार गाय ही थी। वह और उसके परिवार का गाय के दूध बेचकर ही गुजारा चलता था, गाय का इस हादसे में शिकार हो जाने से उसके परिवार पर मुसीबतों का पहाड़ टूट पड़ा है।

पुलिस अधीक्षक का कार्यालय, हजारीबाग

सर्वसाधारण के लिये सूचना

गिद्दी थाना काण्ड संख्या-57/2022, दिनांक-20.06.2022, धारा-315/317 भा0द0वि0 के आलोक में एक अज्ञात मृत नवजात बालिका शिशु दिनांक-20.06.2022 को समय 11:30 बजे ग्राम-पोटममोढ़ा, थाना-गिद्दी, जिला-हजारीबाग स्थित बन्द पड़े हुए नव-उत्क्रमित प्राथमिकी विधालय के कमरे से एक नवजात मृत बालिका शिशु का शव बरामद किया गया। अनुसंधान के क्रम में उक्त मृत बालिका शिशु का शव दिखाकर पहचान कराने का काफी प्रयास किया गया किन्तु कोई लाभदायक शुत्र नही मिला।

अतः इस सबंध में यदि किसी प्रकार की सूचना हो तो थाना प्रभारी गिद्दी /अनुमण्डल पुलिस पदाधिकारी, बड़कागांव, हजारीबाग के कार्यालय के निम्नाकिंत फोन नम्बर पर सम्पर्क कर इसकी सूचना दें।

सम्पर्क सूत्रः-
अनु0पु0पदा0 बड़कागांव, हजारीबाग :- 9430113311
थाना प्रभारी गिद्दी, हजारीबाग :- 7004355083

पुलिस अधीक्षक,
हजारीबाग

PR 279090 Police(22-23).D

कार्यालय : जिला मत्स्य पदाधिकारी, रामगढ़

आवश्यक सूचना

एतद् द्वारा रामगढ़ जिला के मत्स्यकृशकों को सूचित किया जाता है कि विभागीय राज्यादेश सं0 16, दिनांक 01.08.2022 के द्वारा मत्स्य प्रसार, अनुसंधान एवं प्रशिक्षण योजना के अन्तर्गत निम्नांकित कार्यक्रमों का लाभ लेने हेतु आवेदन आमंत्रित किये जाते है।

क्र0	कार्यक्रम का नाम	लक्ष्य	इकाई लागत (रू0)	अनुदान	कोटि
1	निजी क्षेत्र में महाझींगा पालन	2 ए0	1,60,000 प्रति एकड़	राशि 1,28,000 80 प्रतिशत	(SC, ST एवं सभी कोटि के महिलाये हेतु)
				राशि 1,12,000 70 प्रतिशत	सामान्य

शर्तें :-
1. आवेदक के पास एक एकड़ का निजी सदाबहार तालाब होना आवश्यक है।
2. आवेदक प्रशिक्षित होना चाहिए।
3. लाभुक अपना अंशदान लगाने में सक्षम हो।

आवेदन का प्रपत्र जिला मत्स्य कार्यालय, रामगढ़ में निः शुल्क उपलब्ध है। पूर्ण रूप से भरे हुए आवेदन जमा करने की अन्तिम तिथि 18.10.2022 है।

जिला मत्स्य पदाधिकारी, रामगढ़

PR 279020 Fish(22-23)D

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय भवन निर्माण विभाग
भवन प्रमंडल संख्या-1, राँची

अति अल्पकालीन निविदा/कोटेशन आमंत्रण सूचना-27/2022-23

1. विज्ञापनदाता का नाम एवं पता : कार्यपालक अभियंता, भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमंडल सँख्या-1,राँची।
2. परिमाण विपत्र बिक्री करने की तिथि एवं समय : दिनांक 11.10.2022 को 1.00 (एक) बजे अपराहन् तक।
3. निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय : दिनांक 12.10.2022 को 3.00(तीन) बजे अपराहन् तक।
4. निविदा खोलने की तिथि एवं समय : दिनांक 12.10.2022 को 3.30(साढ़े तीन) बजे अपराहन।
5. परिमाण विपत्र बिक्री का स्थान : मुख्य अभियंता, भवन निर्माण विभाग, राँची, अधीक्षण अभियंता, भवन निर्माण विभाग, छोटानागपुर अंचल, राँची एवं नगर नियंत्रण कक्ष, राँची।
6. निविदा प्राप्ति का स्थान : नगर नियंत्रण कक्ष राँची।
7. निविदा खोलने का स्थान : अधोहस्ताक्षरी का कार्यालय।
8. कार्यों का विवरण :

क्र०	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	कार्य समाप्ति की तिथि
1	Renovation of B type Quarter No-9/16 (16 Set) at New Police Line, Kanke Road Ranchi	398300.00	8000.00	750.00	One Month
2	Renovation of A type Quarter No-4/12 (B-Block) at Hinoo Ranchi	309650.00	6200.00	750.00	One Month
3	Renovation of B type Quarter No-1 & 2 at Rajendra Chowk at Doranda Ranchi	539750.00	10800.00	1250.00	One Month
4	Renovation of Office of the Superintending Engineer, Minor Irrigation Department in the Campus of Nepal House at Doranda Ranchi	1781700.00	35700.00	5000.00	Two Months
5	Renovation of C type Quarter No-58 (One Unit) at Ratu Road Ranchi	522800.00	10500.00	1250.00	One Month
6	Renovation of C type Quarter No-4, Block No-3 at Audrey House, Ranchi	482600.00	9700.00	750.00	One Month
7	Renovation of B type Quarter No-13/56 Set at Doranda, Ranchi	357000.00	7200.00	750.00	One Month
8	Construction of Septic Tank, Two No's Toilet, Shed and Renovation of Main Building Painting work, roof treatment, Laying of Parking tiles and other miscellaneous work at Executive Engineer Residence (PHED), (Occupied by Hon'ble MLA Sri Randhir Kumar Singh) Hinoo, Ranchi	4126500.00	82600.00	5000.00	Three Months
9	Renovation of Roof Treatment Shed, Main Building Quarter Surface and Boundary wall in Texture in Residence No.-1 at Booty Road, Ranchi	4956600.00	99200.00	5000.00	Three Months
10	Renovation of B type Quarter No-01 (One Unit) at New Nagra Toli, Ranchi	398950.00	8000.00	750.00	One Month
11	Renovation of C type Quarter No-99 (One Unit) at New Nagra Toli Ranchi	595500.00	12000.00	1250.00	One Month
12	Renovation of PS to Commissioner Bungalow (Old) at Dindayal Nagar, Booty Road, Ranchi	1817300.00	36400.00	5000.00	Two Months
13	Renovation of Main Building Officer's Flat No-9 (Old) at Dindayal Nagar, Booty Road Ranchi	1018700.00	20400.00	2500.00	Two Months
14	Renovation of B type Quarter No B-16/16 at Hinoo Ranchi (High Court Pool)	690400.00	13900.00	1250.00	One Month
15	Renovation of Barrack, Staff Room, Boundary wall, Water-Proofing work, Construction of Paver-Block Pathway and laying Parking tiles in the Campus of Deputy Minister Residence No.-2 at Booty Road, Morabadi, Ranchi	1733250.00	34700.00	5000.00	Two Months
16	Renovation of C type Quarter No-81 (One Unit) at New Nagra Toli Ranchi	592150.00	11900.00	1250.00	One Month
17	Renovation of B-5, 10 Set Police Line at Kanke Raod, Ranchi	199950.00	4000.00	500.00	One Month
18	Construction of Visitor Gazebo and Fountain in the Campus of Residence No. 01 Booty Road Ranchi	1683300.00	33700.00	5000.00	Two Month

नोट :- निविदा की शर्तें www.jharkhand.gov.in एवं कार्यालय के सूचना पट पर देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता भवन निर्माण विभाग
भवन प्रमण्ल संख्या-1, राँची।

PR 279112 Building(22-23)D

न्यूज गैलरी

मथुरा महतो ने अपने पिता को याद कर उनके आदर्शों पर चलने का लिया संकल्प

रांची। टुंडी के विधायक सह झारखंड विधानसभा में सत्तारूढ़ दल के सचेतक मथुरा प्रसाद महतो ने शुक्रवार को अपने पिता ऋषिकेश महतो की 23 वीं पुण्यतिथि मनायी। उन्होंने सबसे पहले पर अपने पिता की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। साथ ही साथ ही उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया। मोराबादी बूटी रोड अंतर्गत दीनदयाल नगर स्थित आवास पर आयोजित इस पुण्यतिथि समारोह में झारखंड आंदोलनकारी पुष्कर महतो, अनीता देवी केशरी, अजीत प्रजापति, सुनील चक्रवर्ती, आनंद मोहन तिवारी, मनोज सोनी, हेमंत कुमार महतो, झाबु लाल महतो, दिवाकर महतो, राजीव कुमार, एस एन सिन्हा, ओमप्रकाश महतो, दीपक महतो, राजीव रंजन कुमार, मिंटू सिंह, डॉ नितीश पांडे, सुषमा गोप एवं भोलानाथ मांझी सहित कई लोगों ने श्रद्धा सुमन अर्पित किए।

बीएयू में अवकाश प्राप्ति पर कर्मियों की विदाई

रांची। बिरसा कृषि विश्वविद्यालय के सहायक आफताब मोहसिन लगभग 34 वर्षों की सेवा के बाद शुक्रवार 30 सितंबर को रिटायर हो गए। उन्होंने फरवरी 1988 में अनुसंधान निदेशालय में सहायक के रूप में अपने करियर की शुरूआत की थी। सहायक रहते हुए वह पिछले कुछ अरसे से प्रशाखा पदाधिकारी, क्रय पदाधिकारी और नियंत्रक का अतिरिक्त प्रभार भी देख रहे थे। प्रशासन निदेशालय में कार्यरत पशुचिकित्सा संकाय के पत्राचार सह लेखा लिपिक अंबिका सिंह, कृषि संकाय की चतुर्थवर्गीय कर्मी सीता देवी और बागवानी विभाग के माली बलवा महतो ने भी शुक्रवार को अवकाश ग्रहण किया। कर्मियों की सेवानिवृत्ति पर संबंधित कार्यालयों में विदाई समारोह आयोजित कर उनके गुणों की चर्चा की गई और स्वस्थ दीघार्युष्य की कामना की गई।

प्रसिद्ध प्रसार वैज्ञानिक डॉ. चंद्रिका प्रसाद नहीं रहे

रांची। प्रसिद्ध कृषि वैज्ञानिक और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के भूतपूर्व उप महानिदेशक (कृषि प्रसार) डॉ चंद्रिका प्रसाद का 29 सितंबर को निधन हो गया। वह रांची कृषि महाविद्यालय के प्रथम बैच के छात्र रहे थे और प्रथम पीढ़ी के प्रसार वैज्ञानिक माने जाते थे जिन्होंने प्रसार शिक्षा के विषय वस्तु के संवर्धन में महत्वपूर्ण योगदान दिया। वह राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान एवं प्रबंधन अकादमी (नार्म), हैदराबाद के निदेशक भी रहे। देश में कृषि विज्ञान केंद्रों के विस्तार में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही। महिला कृषकों की दशा सुधारने हेतु रणनीतियां बनाने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही। वर्ष 1989 में उन्होंने महिला कृषकों का अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया जिसके पश्चात महिला कृषकों पर अनुसंधान कार्य में तेजी आई। इसकी परिणति आईसीएआर के सेंट्रल इंस्टीट्यूट फॉर विमेन इन एग्रीकल्चर के रूप में सामने आई। उनके निधन पर बृहस्पतिवार को बिरसा कृषि विश्वविद्यालय में प्रसार शिक्षा निदेशक डॉ जगरनाथ उरांव की अध्यक्षता में एक शोक सभा का आयोजन किया गया, जिसमें विश्वविद्यालय के वरिष्ठ पदाधिकारियों एवं वैज्ञानिकों ने उनकी वैज्ञानिक दक्षता, प्रशासनिक क्षमता और मानवीय गुणों की चर्चा की।

भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा स्थापित करने की मांग

रांची । मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से शुक्रवार को भगवान बिरसा मुंडा स्मारक समिति, चकला, ओरमांझी, रांची के प्रतिनिधि मंडल ने मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा । उन्होंने मुख्यमंत्री से भगवान बिरसा जैविक उद्यान ,ओरमांझी में धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा स्थापित करने और उनकी जीवनी तथा वीरता-शौर्य गाथा को दशार्ने की व्यवस्था करने की दिशा में पहल करने का आग्रह किया। इस मौके पर उन्होंने मुख्यमंत्री को भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा सप्रेम भेंट की ।प्रतिनिधिमंडल में समिति के मुख्य संरक्षक और जनजातीय परामर्शदात्री परिषद के सदस्य जमाल मुंडा, संरक्षक काशीनाथ पाहन, अध्यक्ष वीणा मुंडा, सचिव अशोक कुमार मुंडा, उप सचिव दीपक मुंडा, कोषाध्यक्ष सुरेंद्र उरांव और विष्णु मुंडा शामिल थे।

रिंग रोड दलादली चौक स्थित मां दुर्गा का पंडाल सज-धजकर तैयार

सप्तमी को सांसद व विधायक करेंगे अनावरण

नवीन मेल संवाददाता

रांची। शहर के रातू इलाके स्थित दलादली चौक में मां दुर्गा का पंडाल सज-धज कर पूरी तरह तैयार है। पंडाल का अनावरण रविवार को सप्तमी के मौके पर किया जायेगा। इसके बाद मां दुर्गा के भक्त पूजा पंडाल का भ्रमण कर मां का आशीर्वाद ले सकेंगे। दलादली चौक पूजा समिति के द्वारा इस बार माता का भव्य और आकर्षक पंडाल का निर्माण कराया गया है। पिछले दो वर्षों से कोरोना के कारण पूजा बेहद सादगी से मनाया गया था। इस बार माता के भक्तों में जबरदस्त उत्साह है। पूजा समिति के सचिव अभिषेक मिश्रा ने कहा कि मां दुर्गा का भव्य और आकर्षक पंडाल बन कर तैयार है। पूजा समिति द्वारा इस बार माता के भक्तों के लिए भव्य पंडाल बनाया गया है। पंडाल देख भक्त रोमांचित हो उठेंगे। वहीं, मौके पर मौजूद राष्ट्र बचाओ आंदोलन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुनील कुमार सिंह ने कहा कि हम आपसी सौहार्द और भाईचारे के साथ पर्व-त्योहार मनाते हैं। लेकिन कुछ असमाजिक तत्व के लोग लगातार इसमें व्यवधान डालने का कुत्सित प्रयास करते हैं। जिस तरह से पिछले दिनों शहर के मेन रोड स्थित हनुमान मंदिर में तोड़-फोड़ की घटना हुई है वह काफी निंदनीय और कहीं से भी क्षमायोग्य नहीं है। हम उसकी घोर निंदा करते हैं और प्रशासन से मांग करते हैं कि दोषियों पर सख्त से सख्त कार्रवाई करे। मौके पर पूजा समिति के अध्यक्ष जनार्दन ओझा, उप सचिव बीरेंद्र सिंह, कोषाध्यक्ष सत्येंद्र शर्मा, रामाशिष शर्मा, रामबाबू शर्मा, रंजीत सिंह, मुन्ना ओझा,उदय सिंह, रामवृक्ष यादव, रितेश सिंह, गौतम राय, राजनंदन सिन्हा, मंतोष कुमार, निरंजन भगत सहित अन्य उपस्थित थे। पंडाल निर्माण में पूजा समिति के सभी सदस्यों का सराहनीय योगदान रहा है।

महिला स्वयं सेवक भी विभिन्न पूजा पंडालों में रहेंगी तैनात

रांची। रांची में सफल दुर्गा पूजा के आयोजन के लिए रांची जिला युवा दुर्गा पूजा सुरक्षा समिति की तैयारी पूरी पूजा से पूर्व समिति की अंतिम बैठक शुक्रवार को हरमु रोड स्थित सत्य अमर लोक के पूजा पंडाल में की गयी। बैठक में समिति के स्वयं सेवकों को अंतिम दिशा निर्देश देते हुए उन्हे सेवा हेतु परिचय पत्र का वितरण किया गया, साथ हीं किस पूजा पंडाल में कितने स्वयं सेवक और कौन-कौन सेवा के लिए उपस्थित रहेंगे उनकी जिम्मेदारी तय की गयी बैठक में समिति के संयोजक निशांत यादव ने कहा की इस वर्ष समिति द्वारा सेवा हेतु युवाओं के साथ साथ महिला टोली का भी गठन किया गया है। जो महिलाओं की सुरक्षा और उन्हे पूजा घूमने के दौरान किसी तरह की परेशानी न हो ये सुनिश्चित करेंगी। उन्होंने यह भी बताया की विगत कुछ दिनों से समिति के पदाधिकारियों विभिन्न पूजा पंडालों का भ्रमण कर किस पूजा पंडाल में किस तरह से सुरक्षा सुनिश्चित की जाए उसका जायजा लिया है । समिति के संरक्षक मुनचुन राय जी सहित जिला दुर्गापूजा समिति से समिति के संचालन में पुरा सहयोग मिल रहा है । कुछ दिन पूर्व बकरी बाजार के पूजा स्थल में प्रशासनिक बैठक में रांची प्रशासन ने भी आश्वस्त किया है की वह समिति से तालमेल बैठाकर सहयोग करेंगे। आज बैठक में मुख्य रूप से समिति के सुनील साहू, अशोक पांडेय, पूनम सिंह, बिट्टू दिव्य परमार, मनीष केसरी, प्रहलाद भगत, दीपक गुप्ता, अमित वर्मा, आशीष शर्मा, सुनील वर्णवाल, रवि अग्रवाल, अमित अग्रवाल, सुधीर यादव सहित बड़ी संख्या में युवा और महिलाएं उपस्थित रहीं।

नवरात्र के 9 दिनों में हम संवेदनशील होने का ताप और साधना करते हैं

चेतना और श्रेष्ठ समृद्ध भावना मिलकर मनुष्य को संवेदनशील बनाता है: संजय सर्राफ

नवीन मेल संवाददाता

रांची। राष्ट्रीय सनातन एकता मंच एवं पवित्रम गोसेवा परिवार के प्रांतीय प्रवक्ता संजय सर्राफ ने कहा है कि चेतना तथा भावना का संयुक्त स्वरूप को संवेदना कहा जाता है। जीवंत एवं जागरूक, ग्रहण करने की क्षमता और अनुभूति का मिश्रण यदि व्यक्तित्व में समावेश हो तो वह व्यक्ति चैतन्य के श्रेणी में आता है वैसे तो प्राणी मात्र को सृष्टिकर्ता ने भावनाएं प्रदान की है। जैसे कोई भी मादा जानवर अपने शिशु के लिए भावुक होती है और नर जानवर सुरक्षा देने का कार्य करता है। उनका यह कार्य ईश्वर प्रदत्त भावनाओं के वशीभूत ही होता है। परंतु मनुष्य में अकूत भावनाएं ईश्वर ने प्रदान की है। नकारात्मक भाव और सकारात्मक भाव से हम या तो सकारात्मक कार्य करते हैं या फिर नकारात्मक कार्य करते हैं। जब भावनाएं सकारात्मक हो और उदारता की श्रेष्ठ भावना अंतस में कार्यरत हो तो व्यक्ति भावना से समृद्ध रहता है। चेतना और श्रेष्ठ समृद्ध भावना मिलकर मनुष्य को संवेदनशील बनाता है। संवेदना का अर्थ इस प्रकार समझा जा सकता है कि किसी के दुख में दुखी हो जाना और किसी के सुख में खुश हो जाना। दूसरे के अनुभूति का ध्यान रखने वाला व्यक्ति संवेदनशील व्यक्ति कहलाता है। जब हम अध्यात्मिक दृष्टि से अपने-अपने आराध्य से प्रार्थना, याचना और आराधना करते हैं तो वास्तव में उनकी संवेदना का आकांक्षी होते हैं। क्योंकि पराशक्ति अति संवेदनशील होती है और अपने उपासक की अनुभूति को अनुभव करती है और उनकी संवेदना वरदान एवं आशीर्वाद के रूप में प्राप्त होता है। जीवन के किसी भी क्षेत्र में सफलता और उसके स्थायीत्व का अनुपात हमारी संवेदना के समानुपात है। नवरात्रि के 9 दिनों में हम संवेदनशील होने का तप और साधना करते हैं और उसका प्रतिफल हमें आशीर्वाद के रूप में प्राप्त होता है।

समेकित बाल संरक्षण सेवाओं के लिए सोशल वर्कर, काउंसलर की होगी नियुक्ति

नवीन मेल संवाददाता

रांची। रांची जिला प्रशासन (बाल संरक्षण शाखा) समेकित बाल संरक्षण योजना के तहत विभिन्न पदों पर नियुक्ति करेगा। रांची जिले में संचालित सम्प्रेक्षण गृह के लिए एक भंडारपाल सह लेखापाल रखा जाना है। कामर्स के साथ ग्रेजुएशन कर चुके कैंडिडेट इसके लिए आवेदन कर सकते हैं। साथ ही उसे कंप्यूटर (हिंदी एवं अंग्रेजी) में भी जानकार होना चाहिए। चयनित को हर माह 15123 रुपये दिए जाएंगे। इसके अलावा जिले में किशोर न्याय अधिनियम 2015 के प्रावधानों का बेहतर तरीके से क्रियान्वयन के लिए एक- एक सामाजिक कार्यकर्ता (महिला), परामर्शदाता और आंकड़ा विश्लेषक नियुक्त किया जायेगा। इन तीनों पदों के लिए आयु सीमा 30-45 वर्ष तक तय की गयी है। इसके लिए बाल कल्याण या बाल संरक्षण के क्षेत्र में 2 सालों का अनुभव मांगा गया है। सोशल वर्क, साइकोलॉजी, सोशियोलाजी में पीजी, स्नातक की डिग्री भी होनी चाहिए। इन पदों के लिए 15 अक्टूबर 2022 तक आवेदन किया जा सकता है। विहित प्रपत्र में आवेदन रजिस्टर्ड या स्पीड पोस्ट के माध्यम से जरुरी डाक्यूमेंट्स के साथ रांची समाहरणालय भवन (ब्लॉक बी), कमरा संख्या 111 स्थित जिला बाल संरक्षण इकाई के पते पर भेजना होगा।

पोक्सो एक्ट कार्यान्वयन को लेकर कार्यक्रम का आयोजन

रांची। पोक्सो एक्ट के प्रभावी रूप से कार्यान्वयन को लेकर शुक्रवार को यूनिसेफ के तत्वावधान में सिविल कोर्ट के सभागार में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें पोक्सो कानून के कार्यान्वयन में चुनौतियों पर चर्चा की गई। इस दौरान यौन शोषण की शिकार बच्ची के उत्पीड़न को कम करने के लिए विभिन्न हितधारकों के बीच समन्वय बढ़ाने के लिए कार्य योजना विकसित करने पर जोर दिया गया। सहायक व्यक्तियों की बेहतर समझ और सहायक व्यक्तियों के प्रभावी कामकाज के लिए आवश्यक सहयोग प्रदान की बात कही गई।

नेहरू युवा केंद्र ,रांची द्वारा स्वच्छ अमृत महोत्सव मारवाड़ी महाविद्यालय में मनाया गया

नवीन मेल संवाददाता

रांची। शुक्रवार को मारवाड़ी महाविद्यालय प्रांगण में नेहरू युवा केन्द्र , रांची (युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय ,भारत सरकार) द्वारा स्वच्छ अमृत महोत्सव के अवसर पर साफ सफाई अभियान चलाया गया। जिसमें सहयोगी के रूप में एलुमनाई एसोसिएशन मारवाडी कॉलेज एवं एनएसएस इकाई रहे। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में मारवाड़ी कॉलेज के प्रोफेसर इंचार्ज डॉ. आरआर शर्मा रहे। कार्यक्रम का संचालन एलुमनाई अध्यक्ष गौरव अग्रवाल व अनुभव चकवर्ती ने किया। आरआर शर्मा ने कहा हमें आने आसपास सफाई रखनी चाहिए, जिससे तन और मन दोनों स्वस्थ रहेगा। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से डॉ. उमेश कुमार, डॉ. संतोष रजवार, डॉ. राकेश, डॉ. कृष्कान्त, डॉ. अमित, डॉ. अंकित, शुभम मंत्री, राहुल तिवारी तथा एन एसएस स्वयं सेवक सिद्धांत, स्वाति चौधरी, सौरभ सोनी, सौरवद्वीप उपस्थित रहे।

डॉ. अबरार ने प्राचार्य का पद संभाला

पूर्व प्राचार्य प्रो. एसके झा की हुई विदाई

रांची। डॉ. अबरार अहमद ने शुक्रवार को जेएन कॉलेज, धुर्वा के प्राचार्य के रूप में पदभार संभाला। इस अवसर पर बोलते हुए डॉ. अबरार ने कहा कि मेरी पहली प्राथमिकता महाविद्यालय का नैक मूल्यांकन कराना है साथ हीं उन्होंने ये भी कहा कि नई ऊर्जा के साथ कार्य संस्कृति को और विकसित करना होगा। उन्होंने कहा कि छात्र, शिक्षक एवं शिक्षकेत्तर कर्मचारियों के साथ टीम भावना स्थापित करना मेरे लिए बड़ी प्राथमिकता होगी। इस अवसर पर डॉ. मो. रिजवान, डॉ. सत्यनारायण उरांव, डॉ. राजेश कुमार, डॉ. हर्षमति शिंकू, प्रो. सैयद आलम, कुमारी उषा, प्रभात रंजन तिवारी, डॉ. इंदू, तपन कुमार और प्रतिभा कुमारी विशेष रूप से उपस्थित थे।

आरयू: सभी स्नातकोत्तर विभागों को अब मिलेगी 2 लाख की आकस्मिक निधि

रांची। रांची विश्वविद्यालय के सभी संकाय के सभी स्नातकोत्तर विभागों को दो लाख की आकस्मिक निधि प्रति वर्ष मिलेगी। अब तक विभागीय आकस्मिक निधि मात्र 48,000 रुपये वार्षिक ही थी। शुक्रवार को कुलपति डॉ अजीत कुमार सिन्हा की अध्यक्षता में विश्वविद्यालय वित्त समिति की बैठक हुई, जिसमें इस प्रस्ताव पर मुहर लगी। कुलपति ने कहा कि जिन विभागों को पीएचडी वायवा के लिए जो कुछ राशि दी गई है, उन्हें उतनी राशि घटाकर शेष राशि का भुगतान किया जाएगा। इसके अलावा पीएचडी वायवा परीक्षा के लिए सभी विभागों को दो लाख की राशि प्रतिवर्ष मिलेगी। पूर्व में विभागों को इस मद में 50,000 रुपये ही मिलते थे, नतीजतन बाह्य परीक्षक के आने-जाने व अन्य खर्चे शोधार्थियों को ही वहन करना पड़ता था।

बुनियादी शिक्षा अभियान का किया गया शुभारंभ

अभियान के तहत रांची जिला में 350 विद्यालय चयनित

चयनित विद्यालयों में 100 दिवसीय कार्यक्रम का होगा आयोजन, बुनियादी शिक्षा, बाल संसद, पुस्तकालय, विद्यालय प्रबंधन समिति के महत्त्व एवं भूमिका पर किया जायेगा कार्य।

नवीन मेल संवाददाता

रांची। आकांक्षी जिला रांची में शिक्षा के ढांचे को मजबूत करने को लेकर बुनियादी शिक्षा अभियान का शुक्रवार को शुभारंभ किया गया। उप विकास आयुक्त, रांची विशाल सागर ने डीडीसी सभागार में आयोजित कार्यक्रम में इसका शुभारंभ किया। इस दौरान जिला योजना पदाधिकारी, जिला शिक्षा पदाधिकारी, जिला शिक्षा अधीक्षक एवं अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे। झारखंड एजुकेशन प्रोजेक्ट रांची के सहयोग से पिरामल फाउंडेशन द्वारा चलाये जानेवाले इस अभियान के अंतर्गत रांची जिला के कुल 18 प्रखंडों में 350 विद्यालयों का चयन किया गया है। चयनित विद्यालयों में 100 दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा। जिसमें बुनियादी शिक्षा, बाल संसद, पुस्तकालय, विद्यालय प्रबंधन समिति के महत्त्व एवं भूमिका पर कार्य किया जाना है। अभियान के तहत जिला के 45 हजार बच्चों को लाभ पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है।कार्यक्रम का संचालन पिरामल फाउंडेशन के प्रोगाम प्रबंधक श्री राजू कुमार एवं मोहम्मद अफसर द्वारा किया गया। साथ में गांधी फेलो कृति, निधि, निखिल और समीर मौजूद रहे।

केंद्रीय भूमि जल बोर्ड में हिंदी पखवाड़ा में हुई कई प्रतियोगिताएं

रांची। केंद्रीय भूमि जल बोर्ड, जल संसाधन नदी विकास एवं गंगा संरक्षण मंत्रालय, भारत सरकार प्रभाग पांच एवं राज्य एकक कार्यालय के संयुक्त तत्वावधान में शुक्रवार को हिंदी पखवाड़ा कार्यक्रम संपन्न हो गया। दिनांक 14 सितंबर से लेकर 30 सितंबर तक चले इस कार्यक्रम में विभिन्न प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया। समापन के अवसर पर राज्य एकक कार्यालय के प्रभारी अधिकारी आर के शुक्ला ने कहा कि हिंदी आज वैश्विक भाषा बनती जा रही है। उन्होंने अपनी स्वरचित कविता के माध्यम से कहा कि- आओ हम लें शपथ, बने यह विश्व की भाषा, हम सब की यही अभिलाषा। मौके पर कार्यालय प्रधान और डॉ सुधांशु शेखर ने भी विचार रखे। हिंदी पखवाड़ा के अंतर्गत निबंध लेखन, नोटिंग ड्राफ्टिंग, कविता पाठ, प्रतियोगिता सहित अन्य कई प्रतियोगिता आयोजित की गई।

जीती जागती चैतन्य देवियां का मानव पर आधारित पंडाल में दिखी अनुपम झलकियां

5 युगों का दर्शन कराया गया जो सृष्टि की कहानी को दर्शाता है

नवीन मेल संवाददाता

रांची। ब्रह्माकुमारीज के पंडाल में शुक्रवार को जीती जागती चैतन्य देवियों पर आधारित पंडाल लोगों को लुभा रहा है। इस युग में एटोमिक बम के प्रयोग से जब दुनिया खत्म हो रही है, तब उस समय दुर्गा देवियों के रूप में ब्रह्माकुमारियां प्रकट होंगी। मूर्ति की जगह जीती जागती युवतियां देवी बनी हैं। कार्यक्रम का उद्घाटन दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। दीप प्रज्ज्वलित करने के पश्चात आशा लकड़ा, महापौर, रांची नगर निगम एवं अन्य विशिष्ट अतिथियों में संजय सिंह (निदेशक, कला, संस्कृति एवं खेल), गोवर्धन गाड़ोदियां (अध्यक्ष, अखिल भारतीय मारवाड़ी सम्मेलन) नंदकिशोर पाटोदिया (अध्यक्ष, अग्रवाल सभा), व्यवसायी सुबोध मिश्रा, अधिवक्ता विजय पांडेय, सुदर्शन मिश्र तथा नरेश प्रसाद सहित अन्य लोग उपस्थित थें। महापौर आशा लकड़ा ने कहा कि अपने-आपको पूरी तरह जानने के लिए यह भी जानना जरूरी है कि यह सृष्टि एक विराट नाटक है। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय, हरमू रोड द्वारा रातू रोड चांदमल जैन विद्यालय के सामने प्रदर्शित पंडाल में 5 युगों का दर्शन एवं जीती-जागती दुर्गा झांकी का ऑडियो विजुअल संगीत नृत्य के साथ आयोजन किया गया है। पंडाल में निम्नरूपेण झलकियां दिखाया गया है। सतयुग में-लक्ष्मी-नारायण का राज्य होता है। इसलिए यहां लक्ष्मी जी और नारायण जी बैठे हैं। लक्ष्मी जी एवं नारायण जी के रूप में कुमारी लड़कियां पार्ट कीं। त्रेतायुग में-रामराज्य था और 14 कला संपन्न था। इसमें सीता माता और श्रीराम के रूप में लड़कियों को ही दिखाया गया है। द्वापरयुग में - सभी राजतंत्र है। लेकिन द्वापर युग में सोने का ताज है, लेकिन दिव्यता का मुकुट नहीं है। इसमें लोग धर्म को छोड़ रहे हैं। इसी युग में धर्म की शुरूआत यानी पूजा की शुरूआत हुई तथा हमारा हिंदू धर्म सबसे पहले आया, फिर मुस्लिम, क्रिसचयन और सिख आएं। इसमें चार लड़कियां हिंदू, मुस्लिम, क्रिसचन, सिख के रूप में अपना पार्ट कीं। कलियुग में- मनुष्य ने जो धर्म बनाए वो धर्म भी धीरे-धीरे लुप्त होता चला गया। सिर्फ धर्म का नाम ही रह गया और धर्म की जगह इसमें काम, क्रोध, लोभ, मोह, अहंकार यानी ये पांच विकार आ गए। संगमयुग में-बदलाव का समय कलियुग से सतयुग में बदलाव का समय है। इसका समय लगभग 100 वर्ष है, जो 1936 में शुरू हो गया है।

साईं इंडेन गैस एजेंसी की अवैध वसूली के खिलाफ हंगामा

रांची। प्रखंड स्थित इंडेन गैस एजेंसी द्वारा उज्ज्वला योजना के लाभुकों से 500 से 700 रुपये लेने के मामले में शुक्रवार को एजेंसी के गोदाम में जमकर हंगामा हुआ। उज्ज्वला योजना के लाभुक अवैध रूप से पैसा लेने पर एजेंसी के खिलाफ कार्रवाई की मांग पर अड़े थे। सूचना मिलने पर प्रखंड प्रमुख विक्टोरिया देवी और प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी रामानंद बेदिया गोदाम पहुंचे। पूछताछ में खुलासा हुआ कि उज्ज्वला योजना का राशन कार्ड लाभुकों को निःशुल्क देना है। लेकिन एजेंसी संचालक द्वारा आवेदन फॉर्म जमा करने के समय 200 रुपये और गैस सिलेंडर, चूल्हा वितरण के दौरान 500 रुपए लाभुकों से लिया जा रहा है। प्रमुख विक्टोरिया देवी ने आपूर्ति विभाग से एजेंसी का लाइसेंस रद्द करने की मांग की है अन्यथा आंदोलन करने की बात कही है।

ग्रामीण आरोग्य सेवा संस्था के कार्यालय का हुआ शुभारंभ

उपमहापौर संजीव विजयवर्गीय ने किया उद्घाटन

नवीन मेल संवाददाता

रांची। शुक्रवार को ग्रामीण आरोग्य सेवा संस्थान (आयुर्वेदिक केंद्र) के नए कार्यालय का उद्घाटन पिस्कामोड़ शारदा बैटरी मे उपमहापौर संजीव विजयवर्गीय ने नारियल फोड़कर एवं फीता काटकर किया।इस मौके पर विशिष्ट अतिथि के तौर पर छात्र क्लब चिकित्सक मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव किशोर शर्मा, छात्र क्लब मानव कल्याण मंच के प्रदेश संरक्षक ललित कु. चौधरी, संरक्षक सुमित कुमार, झारखंड प्रदेश विश्वकर्मा समाज रांची जिला अध्यक्ष संतोष कुमार, कुमारी अनिता,सुनीता चौधरी डॉ. विश्वजीत कुमार सिंह आदि गण्यमाण लोग मौजूद थे। संस्था के निदेशक राजकिशोर राणा ने बतलाया आयुर्वेद स्वास्थ्य जागरूकता अभियान के तहत संस्था कार्य करेगी। जिसका मुख्य उदेश्य है लोगों को आयुर्वेद के प्रति जागरूक करना। यह संस्था ग्रामीण अथवा शहरी क्षेत्र के बेरोजगार युवक एवं युवतियों को आयुर्वेदिक प्रशिक्षण देकर रोजगार मुहैया भी कराएगी, ताकि वे गांव अथवा शहर में जाकर लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करें। संस्था की सोच है गांव अथवा शहर के सभी लोग स्वस्थ रहें ताकि हमारा देश स्वस्थ भारत, सुखी भारत एवं समृद्ध भारत बन सके।हमारे संस्था के प्रतिनिधि गांव शहर में जाकर निःशुल्क शारीरिक जांच करेंगे और उन्हें खान-पान रहन-सहन की जानकारियां भी देंगे। कार्यक्रम को सफल बनाने में मुख्यरूप से रामकुमार साहू, शंकर साहू, वीरेंद्र कुमार, मनीष कुमार, सुभाष साहू,गोवर्धन लोहरा, अंजू कुमारी, प्रमिला कुमारी, शंकर राणा, सतीश सिंह, चरकू कुमार, भोला राणा, सुबोध कुमार शर्मा आदि मौजूद थे।

न्यूज गैलरी

झारखंड जंगल बचाओ जन संगठन ने जम्बुरसोया गांव में की बैठक

बानो। प्रखंड के बिंतूका पंचायत के जम्बुरसोया में शुक्रवार को झारखंड जंगल बचाओ जन संगठन द्वारा वन अधिकार कानून 2006 के क्रियान्वयन हेतु बिन्तुका पंचायत मुखिया प्रीति बुढ़ के अध्यक्षता में संपन्न हुआ। बैठक में करकट्टा पंगूर एवं जम्बुरसोया के ग्रामीण उपस्थित थे। बैठक में विशेष रुप से आईएसबी के संदीप चौधरी एवं समर्पण सुरीन को आमंत्रित किया गया था। इस बैठक में विशेषकर पुराने वन अधिकार समिति को भंग कर वन अधिकार समिति का पुनर्गठन किया गया। बैठक को संबोधित करते हुए संदीप चौधरी ने समुदायिक वन अधिकार पट्टा की प्रक्रिया के संबंध में विशेष जानकारी दिया गया। जेजेबीए के जिला प्रभारी समर्पण सुरीन ने बताया कि अपने परामपरागत क्षेत्र के जंगल को बचाने के लिए एवं जलवायु परिवर्तन से बचने के लिए ग्राम सभा को सशक्त कर ग्रामीणों को जल जंगल के रक्षा हेतु जागरूक होकर आगे बढ़ने की जरूरत है। जिस जंगल को हमारे पूर्वजों ने रक्षा कर हमें दिया है उन्हें बचाए रखना हमारा कर्तव्य तथा जिम्मेदारी है। बैठक में सहदेव सिंह, पुणे राम सिंह, महेश सिंह, शंकर सिंह, भारता सिंह, गोस्नर लुगुन, नेलन लुगुन, पीटर होबो, निर्दोष कंडुलना, आशीषन लुगुन सहित काफी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

लिटिल लीजेंड स्कूल में मनायी गयी महात्मा गांधी की जयंती

रांची। लायंस क्लब ऑफ रांची क्वींस की ओर से गुरुवार को रातू रोड स्थित लिटिल लीजेंड स्कूल में गांधी जयंती मनाई गई इस मौके पर लगभग डेढ़ सौ बच्चों ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान गांधी जी की जीवनी को बच्चों द्वारा नृत्य के माध्यम से प्रस्तुत किया गया। बच्चों द्वारा स्वच्छ भारत अभियान को भी नृत्य के माध्यम से प्रस्तुत कि या गया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में उर्वशी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम में मुख्य रूप से लायंस क्लब के अध्यक्ष पायल किंगर लवी राय , मीरा राय और उर्वशी आदि उपस्थित थीं ।

लोहरदगा जिला के विकास को लेकर झारखंड चैंबर गंभीरः राजेश महतो

लोहरदगा। फेडरेशन ऑफ झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष, दक्षिणी छोटानागपुर राजेश महतो ने बतलाया कि लोहरदगा जिला में लघु उद्योग व पर्यटन की असीम संभावनाएं हैं। इस संदर्भ में फेडरेशन ऑफ झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष श्री किशोर मंत्री से लोहरदगा चैंबर अध्यक्ष रितेश कुमार के साथ मिलकर गम्भीरता के साथ बात हुई। जिसके बाद फेडरेशन अध्यक्ष किशोर मंत्री जी ने मुद्दे को गम्भीरता के साथ लेते हुए पर्यटन सचिव के साथ त्वरित पत्राचार कर उन्हें याद दिलवाया कि स्थानीय बक्शीडिपा, सेन्हा प्रखंड में सरकार द्वारा चिन्हित 64 एकड़ जमीन को विकसित कर पार्क, गेस्ट हाउस एवं रिसोर्ट बनाने की योजना थी, जिसे पूरा करना चाहिए। अतः फेडरेशन उपरोक्त योजना को पूर्ण करने हेतु सरकार से गम्भीरता पूर्वक विचार कर योजना को मूल रूप देने की मांग करती है। क्योंकि लोहरदगा जिला सटे गुमला व लातेहार जिला में विश्व प्रशिद्ध आंजन धाम, नेतरहाट, बेतला अभ्यारण्य पार्क तो है हीं, लोहरदगा जिला में भी विभिन्न पुरातन ऐतिहासिक धरोहर है। अतः लोहरदगा जिला में पर्यटन विकास की असीम सम्भवनाएँ है।

समाज में फैली कुरितियों को मिटाने के लिए मुस्लिम युवकों ने बनाया हमदर्द क्लब

सिमडेगा। जिलें के पर्यटन स्थल केलाघाघ डैम किनारे मुस्लिम समाज के नौजवानों की एक बैठक हुई। जिसमें समाज में फैली बुराई खासकर नशामुक्ति के लिए विचार विमर्श हुई एवं हमदर्द क्लब की गठन किया गया। मौके पर युवकों ने बताया कि हमदर्द क्लब गठन करने का एकमात्र उद्देश्य है इसके माध्यम से समाज के हर दुःख सुख में सभी का एकजुटता से मदद करना, नमाज पढ़ना और अपने साथियों को प्रेरित करना, जिले के अन्य ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले मुस्लिम भाइयों को कमेटी से जोड़ते हुए उन्हें एकजुट रखने और सामूहिक एकता बरकरार रखते हुए देश में अमन चैन कायम रखने आदि विचारों पर सहमति बनी साथ ही बहुत जल्द जिले के सभी प्रखंडों से मुस्लिम साथियों का सिमडेगा मुख्यालय में महाअधिवेशन कराने पर विचार बना। बैठक की अध्यक्षता मो समीउल्ला अंसारी ने किया। वही हमदर्द कल्ब का विस्तार क अध्यक्ष मो० शोएब खान, नाएब सदर- मो अकरम, सेक्रेटरी- मो खुर्शीद खान, नाएब सेक्रेटरी- अब्दुल कयूम, कजान्ची- मो० नवशाद के साथ संरक्षक में मो० समीउल्ला अंसारी, मो० मोजाहिद अली, शाह फैजल, अंवरुल हक, जावेद मरूफ, शरीफ खान, वसीम खान, वारिस रजा, मो० फरहान, इंतियाज असरफ, मो० राजू, आजाद खान, तनवीर आरिफ, जावेद खान, परवेज आलम, मो साकीर, एहशान खान और मीडिया प्रभारी मो० सलमान अरिफ को बनाया गया।

सड़क पर बह रहे नाली के पानी का पदाधिकारीयों ने किया निरीक्षण

बेड़ो। बेड़ो प्रखंड के पदाधिकारी व जनप्रतिनिधियों ने शुक्रवार को बेड़ो बजारटांड़ स्थित मुख्य सड़क पर बह रहे नाली के पानी का निरीक्षण किया। निरीक्षण जिला परिषद से लेकर देवी मंडप तक किया गया। वहीं सड़क किनारे रांची गुमला मुख्य मार्ग पर जाम पड़े नाल से सड़क पर बह रहे पानी का बहाव के लिये पंचायत मद से नाली की सफाई किये जाने का तत्काल निर्णय लिया गया। इधर सड़क किनारे स्थित दुकानदारों व गृहस्वामीयों से अपने दुकान व घर के सामने के नाली जाम न हो इसके लिए साफ-सफाई करने की अपील किया गया। मौके पर बीडीओ डॉ प्रवीण कुमार, सीओ सुमंत तिर्की, सांसद प्रतिनिधि धनंजय कुमार राय, पंचायत के मुखिया सुशांति भगत व बुधवा उरांव सहित कई लोग साथ में थे।

आकांक्षी जिला के सिमडेगा प्रभारी कमलेश कुमार पंत ने जिले के विभिन्न क्षेत्रों का किया भ्रमण

योजनाओं के सफल क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के दिये निर्देश

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। आकांक्षी जिला सिमडेगा के प्रभारी पदाधिकारी कमलेश कुमार पंत ने दूसरे दिन शुक्रवार को जिले के विभिन्न क्षेत्रों का भ्रमण करते हुए धरातल पर संचालित विकास की योजना का निरीक्षण किया। उन्होने टुकुपानी पंचायत के आसेनबेड़ा स्थिति बम्बु क्लस्टर सेंटर का निरीक्षण किया। बांस के कारीगरों को स्थानीय आजीविका से जोड़ते हुए नये तकनीकी के माध्यम से बांस के नये-नये एवं आकर्षक सामग्री का निर्माण हो रहा है। युवा वर्ग भी बांस के व्यवसाय को बढ़ाने में आगे आ रहे हैं। नई सोंच एवं ट्रेडिशनल के तर्ज पर उत्पादन कार्य को गति मिल रही है। जिला प्रशासन के द्वारा बांस के कारीगरों के लिए बेहतर सुविधा के साथ आजीविका के माध्यम को बेहतर बनाया गया है। श्री पंत ने ग्रामीणों को बधाई दी, साथ हीं आगे निरन्तर बेहतर करने की बात कही। उन्होने महिला, पुरूष करिगरों से बहाल सुविधाओं एवं

उसके लाभ के बारे में जानकारी ली। सेन्टर में अधिष्ठापित मशीनों के संचालन के प्रति कार्य का अवलोकन किया। उपायुक्त सिमडेगा आर. रॉनीटा ने नगर परिषद् अन्तर्गत स्थाई बिक्रय केन्द्र की सुविधा बहाले की दिशा में आवश्यक कार्रवाई करने की बात कही। उन्होने कारीगरों से कहा कि ज्यादा से ज्यादा बांस के सामग्री का निर्माण करें, ताकि उत्पादित सामनों की कमी न हो। जिला प्रभारी पदाधिकारी ने जल संरक्षण के उद्देश्य से शुरू की गई, अमृत सरोवर मिशन अन्तर्गत निर्मित तालाबों का निरीक्षण। प्रभारी पदाधिकारी, उपायुक्त एवं उप विकास आयुक्त ने तालाबों के मेढ़ों पर पौधा रोपण किया। जिले में अमृत सरोवर मिशन का क्रियान्वयन ग्रामीण विकास विभाग, भूमि संसाधन विभाग, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, जल संसाधन विभाग, पंचायती राज विभाग एवं वन, पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन विभाग के द्वारा चिन्हित स्थलों पर जल संरक्षण की दिशा में तालाबों का निर्माण कराया जा रहा है। श्री पंत ने रामबहार पहाड़ टोली एवं कुम्हार टोली स्थित निर्मित तालाब का निरीक्षण किया। ग्रामीणों को जल संरक्षण के साथ-साथ मछली पालन, सब्जी उत्पादन सहित कृषि के प्रति प्रेरित किया। वही उन्होंने ने जल जीवन मिशन अन्तर्गत नल से जल की सुविधा का सदर प्रखण्ड के अरानी जोकारी गांव पहुंच योजना का निरीक्षण किया। उन्होने नाबोर आसगा एवं समीर ओसगा के घर के परिसर में संचालित नल से जल की योजना का जायजा लिया। जल सहिया के द्वारा पानी की शुद्धता की जांच टेस्टींग किट से दिखाया गया। उन्होने जिले में योजना का सफल क्रियान्वयन सुनिश्चित करने, साथ हीं बहाल सुविधा को संरक्षित रखने की बात कही। वही उपायुक्त आर. रॉनीटा एवं पुलिस अधीक्षक सौरभ कुमार ने उन्हें मोमेन्टम भेंट की। क्षेत्र निरीक्षण के क्रम में उप विकास आयुक्त अरूण वाल्टर संगा, कार्यपालक अभियता पेयजल एवं स्वच्छता विभाग अनील कुमार गुप्ता, सदर प्रखण्ड विकास पदाधिकारी अजय कुमार रजक, सदर अंचलाधिकारी प्रताप मिज, प्रखण्ड विकास पदाधिकारी ठेठईटांगर पंकज कुमार, अंचलाधिकारी ठेठईटांगर समीर कच्छप, थाना प्रभारी ठेठईटांगर कुमार इन्द्रेश, पुलिस पदाधिकारी, ग्रामीण विकास विभाग के कर्मी उपस्थित थें।

स्वच्छता पखवाड़ा के तहत जोबांग थाना क्षेत्र में चला स्वच्छता अभियान

नवीन मेल संवाददाता

किस्को/लोहरदगा। जिले के अति सुदूरवर्ती और घोर नक्सल प्रभावित जोबांग थाना क्षेत्र में थाना प्रभारी शशि शेखर कुमार के नेतृत्व में स्वच्छता पखवाड़ा के तहत स्वच्छता जागरूकता अभियान चलाकर लोगों को जागरूक किया गया। मौके पर थाना प्रभारी शशि शेखर कुमार ने कहा कि स्वच्छता से मनुष्य के जीवन में बीमारियों से लड़ने की शक्ति प्रदान करती है। साथ ही स्वच्छता से मानसिक और शारीरिक विकास भी होता है। थाना प्रभारी शशि शेखर कुमार ने लोगों को प्रेरित करते हुए कहा कि लोग स्वच्छता को अपनी दिनचर्या में अपनाएं और स्वस्थ समाज का निर्माण करें। उन्होंने कहा कि क्यों कूडा कचरा को कूड़ेदान में डालें और अपने घर के आसपास साफ सफाई पर विशेष ध्यान दें ताकि बीमारियों से लड़ने की शक्ति मिल सके। इधर स्वच्छता पखवाड़ा कार्यक्रम के दौरान देवदरिया मुखिया कामिल टोपनो, जोबांग वार्ड संख्या 5 की वार्ड सदस्या सरोज देवी सहित जोबांग थाना के पुलिस पदाधिकारी व अन्य लोग मौजूद थे।

भाजपा द्वारा आयोजित सेवा पखवाड़ा में बोली पूर्व मंत्री

प्रधानमंत्री का मंत्र, देश के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे विकास

प्रधानमंत्री आवास के रूप में लोगों को मिल रहा पक्का मकानः मंत्री

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिवस पर सेवा पखवाड़े के तहत मोदी जी के कार्यकाल के बारे में पूर्व मंत्री विमला प्रधान ने कहा की 2014 से अब तक के 8 वर्षों के कार्यकाल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा की सरकार में नरेंद्र मोदी देश के प्रधान सेवक के रूप में कार्य कर रहे हैं। उन्होंने सबका साथ सबका विकास और सब का प्रयास की भावना को साथ लेकर काम किया है। उनका धेय है की अंत्योदय की भावना देश के अंतिम व्यक्ति तक

विकास की किरण पहुंचे। उनकी योजना में महिला सशक्तिकरण, युवाओं को रोजगार कृषकों के समृद्ध करना, वैज्ञानिकों को प्रोत्साहित करना, देश की संस्कृति को बचाना, देश की विरासत बचाना, खेल एवं कला में देश को आगे की ओर ले जाना ऐसे अनेक कार्य मोदी के कार्यकाल में हुए हैं। वही भारत आत्मनिर्भर भारत की ओर बढ़ रहा है मोदी जी के पहले कार्यकाल से खुश होकर जनता ने 2019 के चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को 303 सीट देखा भारी बहुमत से सरकार बनाई और जनता को निराश नहीं करते वे नरेंद्र मोदी जीने बड़े-बड़े ऐतिहासिक फैसले लिए और इतिहास रच दिया। चाहे वह अनुच्छेद 370 हो धारा 35 हो राम मंदिर का निर्माण हो या फिर मुस्लिम बहनों के लिए तीन तलाक कानून को समाप्त करना हो। उन्होंने पुलवामा आतंकी घटना की पाकिस्तान के घर मे घुसकर उन हमलों का बदला लिया। हमारे वीर सैनिकों ने वही महिला आत्मसम्मान के लिए हर घर शौचालय योजना हो या फिर घर घर उज्वला योजना नरेंद्र मोदी की सरकार ने महिलाओं को आत्मसम्मान से जीने का मार्ग प्रशस्त किया। पहले जहां इंदिरा आवास खपरैल बनती थी। उसमें भी दलाल पैसा खा जाते थे। प्रधानमंत्री की सोच के मुताबिक कि हर व्यक्ति का पक्का मकान होना चाहिए। आज प्रधानमंत्री आवास के रूप में लोगों को पक्का मकान मिल रहा है और पैसा डायरेक्ट उनके खाते में आ रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस पर हम सभी यही कामना करते हैं कि उनका स्वस्थ अच्छा रहे और देश के लिए हुए ऐसे ही ऐतिहासिक कार्य करते रहें।

प्रथम एजुकेशन फाउंडेशन ने कोलेबिरा के स्कूलों में पांच दिवसीय गणित मेला का किया आयोजन

नवीन मेल संवाददाता

कोलेबिरा। प्रथम एडुकेशन फाउंडेशन के तत्वाधान में कोलेबीरा प्रखण्ड क्षेत्र के मध्य विद्यालय शिवनाथपुर, भंडारटोली, नवाटोली, रामजड़ी, छोटकाटोली,बकरीटोली, बोगराम,एवं एक उच्च विद्यालय सरगापानी गाँव/ विद्यालयों में 5 दिवसीय गणित मेला उत्सव मनाया गया । इस कार्यक्रम के द्वारा बच्चों को गणित से जोड़ने, गणित के प्रति बच्चों के भय को समाप्त करना एवं दैनिक जीवन में उपयोग आने वाले गणितीय चीजों से अवगत कराना प्रमुख उद्देशय रहा। गणित उत्सव ने अलग अलग गणितीय मॉडल को बनाकर के दिखाया गया वही बच्चों ने केलेण्डर का जादू ,जोड़ तोड़ का खेल, हमें आपकी उम्र पता है, पैटर्न बनाओ ,हवा में गेंद उछाल, रस्सी कूद, ढूंदे अपनी उम्र, गणितीय फन जोक, कुछ मजेदार तथ्य, पहेली इत्यादि का मॉडल की

प्रस्तुति बच्चों के द्वारा की गई । बच्चों ने स्वनिर्मित अलग अलग मॉडल को तैयार कर विस्तृत प्रस्तुति की गई इस कार्यक्रम में बच्चों को भारत के महान गणितज्ञ विद्वान आर्यभट्ट , रामानुजम, संकुंतला देवी के द्वारा गणित के क्षेत्र में किए गए अन्वेशन पर विस्तार से प्रकाश डाला गया कार्यक्रम में भाग लेकर बच्चे काफी उत्साहित महसूस किया। वहीं इस कार्यक्रम मे ग्रामीण, विद्यालय प्रबंधन समिति के सदस्य आदि उपस्थित हुए एवं उनलोगों के द्वारा पूरे कार्यक्रम को देखा गया एवं उपस्थित बच्चों का हौसला बढ़ाने का काम किया गया। कार्य क्रम की सफलता में विद्यालय के शिक्षक शिक्षिकाएं प्रथम के पंकज धनेश्वर जेराल्ड, रोश अनीता, रीना जयमुनी, तारापाना, प्रखंड लीडर कीर्ति राज साहु, जिला लीडर जीरेन जोजो, जनप्रतिनिध एव बाल संसद के सदस्यों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

फुटबॉल टूर्नामेंट के उद्घाटन मैच में बोल बम जिमा 3-2 से विजयी

नवीन मेल संवाददाता

कुडू - लोहरदगा। एमजी क्लब चटकपुर के सौजन्य से प्रखंड के जिमा पंचायत अंतर्गत चटकपुर फुटबॉल मैदान में प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी तीन दिवसीय महात्मा गांधी फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन किया गया। जिसका

उद्घाटन मुखिया द्रोपदी देवी, पसस रौशनी टोप्पो ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर और कीक मारकर किया। उद्घाटन मैच बोल बम जिमा बनाम डंबर टोली की टीम के बीच खेला गया। दोनों टीमो के बीच हुए रोचक मुकाबले में खिलाड़ी पूरे समय मैदान पर एक दूसरे पर भारी पड़े। इसके बाद टाई ब्रेकर की घोषणा की गयी जिसमे डंबर टोली की टीम के दो गोल के जवाब में बोल बम की टीम ने 3 गोल दागकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। मौके पर अध्यक्ष मंगल उरांव, सचिव दिलीप उरांव, कोषाधक्ष एरिक टोप्पो, सयोजक असीम टोप्पो, सुलेंदर साहू, प्रदीप महतो, नुएल टोप्पो, मनोज टोप्पो, पुणे उरांव, राजेश उरांव, लाओ उरांव, बिगु महतो, कपिल एक्का, बसंत उरांव, अखलेश उरांव, सहित अन्य लोग मौजूद थे।

सिवरी गांव में कीटनाशक दवा खाने से युवक की मौत

गढ़वा। गढ़वा जिला के कांडी थाना क्षेत्र के सिवरी गांव निवासी मनदीप भुईयां का पुत्र चंदन कुमार उम्र लगभग 21 वर्ष की कीटनाशक दवा खाने से उसकी मौत हो गई। घटना के संबंध में मृतक के परिजनों ने बताया कि किस बात के लिए चंदन कीटनाशक दवा खाया इसकी जानकारी अब तक किसी को नहीं है। जब उसकी स्थिति बिगड़ी तो परिजनों के द्वारा उसे इलाज के लिए तत्काल सदर अस्पताल लाया गया। जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने शव को अपने कब्जे में कर पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है। इधर परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल बना है।

रातू के गड़री गुडु स्कूल में मनाया गया शहीद विशुन महतो का 79 वां जयंती

सांस्कृतिक प्रस्तुति से छात्रों ने दर्शकों का मोहा मन

नवीन मेल सांवददाता

रातू। प्रखंड के कृषक उच्च विद्यालय गड़री गुडु में विशुन महतो स्मारक संस्था की ओर से शुक्रवार को शहीद विशुन महतो का 79 वां जयंती धूमधाम से मनाया गया। इस एक दिवसीय कार्यक्रम में संस्था के द्वारा अतिथियों का भव्य स्वागत किया गया शहीद स्वर्गीय विशून महतो के मूर्ति पर माला अर्पण कर कार्यक्रम का शुरूआत किया गया। अतिथियों के द्वारा संयुक्त रूप से स्कूल हॉल का उद्घाटन फीता काटकर किया गया। साथ में स्कूल निर्माण के लिए भूमि पूजन भी किया गया । कार्यक्रम में स्कूल के बच्चे बच्चियों ने देश भक्ति एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम कर दर्शकों का मन मोह लिया। संस्था की ओर से छात्र छात्राओं को सम्मानित भी किया गया। वही विद्यालय में 90

प्रतिशत मार्क लाकर प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली प्रियंका कुमारी को विद्यालय की और से साईकिल दे कर उसका हौसला बढ़ाया गया। राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित मधु मंसूरी के गीत संगीत से लोग झूम उठे। कार्यक्रम में मुख्य रूप कांग्रेश के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं हटिया विधानसभा क्षेत्र के पूर्व प्रत्याशी अजय नाथ शहदेव, नगड़ी प्रखंड के जिला परिषद सदस्य श्रीमती पूनम देवी, समाजसेवी बजरंग महतो, पूर्व जिला परिषद सदस्य अमर उरांव, संस्था के अध्यक्ष काली राम उरांव, सचिव अशोक कुमार,, कोषा अध्यक्ष श्वेता तिर्की, प्रधान अध्यापिका सीमा कुमारी, सदस्य रंजन प्रसाद, पितांबर महतो, सुनीता कश्यप, सुरेश उरांव, अनुज लोहरा, मनोज कुमार मुंडा , राम कर्मा महतो, राजू महतो, दिनेश उरांव, समीर कुमार, संजय कुमार महतो, के अलावा अभिवाहक मौजूद थे।

दुर्गा पूजा को लेकर रातू पुलिस ने चलाया वाहन चेकिंग अभियान

रातू। रातू पुलिस दुर्गा पूजा को लेकर सतर्क है। क्राइम कंटोल को लेकर गंभीर नजर आ रही है। शुक्रवार को पुलिस ने थाना क्षेत्र के काठीटांड, फुटकलटोली,रातू चट्टी, मखमन्द्रों, झखराटांड़ के अलावा अन्य चोंक चैराहो पर वाहन चेकिंग अभियान चलाया। अभियान के दौरान पुलिस ने वाहन के कागजात के अलावा डिक्की की भी जांच की। बिना हेलमेट वाहन चलाने पर फटकार लगाते हुये उन्हें दुबारा गलती नही करने की सलाह भी दी।

बेड़ो में दुर्गा पूजा-पंडाल सज धज कर तैयार, आज खुलेगा पट

नवीन मेल संवाददाता

बेड़ो। प्रखंड मुख्यालय सहित प्रखंड के ग्रामीण क्षेत्रों में दुर्गा पूजा का त?योहार आज से शुरू हो जाएगा। पूरे प्रखंड में उत्साह चरम पर पहुंच गया है। पूजा पंडाल सज-धज कर तैयार है। शनिवार को षष्ठी के दिन पूजा पंडालों में मां दुर्गा के पट खुल जाएंगे। बेलभरण पूजा के साथ ही दुर्गा पूजा की चहल-पहल बढ़ जाएगी। मां दुर्गा की अराधना के लिए पूजा पंडालों में महासप्तमी से भारी भीड़ उमड़ने लगेगी। दुर्गा पूजा समितियों के साथ ही पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी शांतिपूर्ण पूजा सम्पन्न कराने में जुटे हुए हैं। वही श्री श्री दुर्गा पूजा महासमिति बेड़ो के तत्वावधान में दुर्गा बाड़ी में बनी मां दुर्गा के भव्य पंडाल में वैदिक मंत्रो के बीच बंगला पद्धति से बेलवरण पूजा

कर दर्शनार्थियों के लिए पट खोल दिया जाएगा। जहां दुर्गा बाड़ी में पुजारी सुबल चंद देवघरिया,अशोक पंडा की अगुवाई में यजमान मनोरंजन देवघरिया,गौतम देवघरिया बेल वृक्ष के नीचे देवी का आमंत्रण पूजा पंचोपचार विधि से करंगे। साथ ही मां भगवती पूजा कर उनको आंमत्रण एवं अधिवास के साथ मां के छठे रूप मां कात्यायणी की पूजा के साथ ही षष्ठी पूजा सम्पन्न किया जाएगा।

न्यूज गैलरी

प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभुकों को कराया गया गृहप्रवेश

हजारीबाग। प्रधानमंत्री आवास योजना घटक 3 कोलघट्टी (परियोजना एएचपी) के 18 लाभुकों को हजारीबाग नगर निगम के नगर आयुक्त एवं महापौर द्वारा सभी को निर्मित आवास की चाबी वितरण का कार्यक्रम किया गया। विदित हो आवास की लागत 6.14 लाख रुपये है।प्रथम चरण में कुल 18 लाभुको को चाभी दी गयी जिन लाभुको द्वारा अंशदान 3.64 लाख रुपये दे दिए गए। जिसमे केनरा बैंक हजारीबाग द्वारा 14 लाभुको को लोन दिए गए है। उपरोक्त कार्यक्रम में नगर विकास विभाग के डी एम ए से एम आई एस विशेषज्ञ मीतू भारती उपस्थित हुए, साथ में नगर निगम हजारीबाग के पी एम ए वाई आवास योजना के नोडल पदाधिकारी श्री आलोक नारायण, श्री राजेन्द्र कुमार साथ मे निगम के पी एम सी श्री प्रियरंजन, श्री मुकेश, श्री अविनाश कुमार, श्री मुकुल सहायक श्री मनोज आदि उपस्थित थे। नगर आयुक्त ने बाकी बचे काम जैसे पानी,बिजली आदि उपलब्ध कराने हेतु आवश्यक निर्देश दिए तथा नोडल पदाधिकारी श्री आलोक नारायण को जुडको के साथ बैठक रखने को कहा। बाकी बचे लाभुको को लोन दिलाने में नगर निगम द्वारा बैंको से सम्पर्क कर सहयोग किया जा रहा है।

विषपान से युवक गंभीर, रेफर

बरही। शुक्रवार को एक बार फिर आत्महत्या का प्रयास करने का मामला सामने आया। प्राप्त जानकारी के अनुसार करसो के छविला सिंह के 25 वर्षीय पुत्र विपिन कुमार सिंह के द्वारा विषपान करने का मामला सामने आया। जिसे परिजनों के द्वारा अनुमंडलीय अस्पताल लाया गया। जिसका चिकित्सकों ने प्राथमिक इलाज के बाद हजारीबाग रेफर कर दिया।

दो ऑटो की टक्कर, दो घायल

कोडरमा। कोडरमा थाना अंतर्गत बजरंगबली मंदिर के समीप शुक्रवार सुबह करीब दस बजे ऑटो की टक्कर में एक ऑटो चालक एक सवारी गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल की पहचान सतगावां, ग्राम बाद निवासी 38 वर्षीय बजरंगी प्रसाद पिता स्व मनिंदर सिंह के रूप में हुई जो वर्तमान में कोडरमा कालटेक्स के पास रहते हैं। सुबह ऑटो से डोमचांच बीआरसी जाने के लिए ऑटो पकड़े थे। डोमचांच जाने के क्रम में विपरीत दिशा से आ रहे ऑटो से सीधी टक्कर हो गई। जिसमें उक्त व्यक्ति व एक ऑटो चालक करमा निवासी आशीष सिंह पिता उपेंद्र सिंह घायल हो गया। घटना के बाद आसपास के लोगों के द्वारा दोनों घायलों को सदर अस्पताल पहुंचाया। जहां बजरंगी प्रसाद का प्राथमिक उपचार के बाद रांची रिम्स रेफर कर दिया गया।

पर्यटन स्वच्छता पखवाड़ा कार्यक्रम के तहत पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन

हजारीबाग। पर्यटन स्वच्छता पखवाड़ा कार्यक्रम के तहत शुक्रवार को मौलाना अबुल कलाम आजाद इनडोर स्टेडियम हजारीबाग में चित्रांकन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। चित्रांकन प्रतियोगिता में हजारीबाग के विभिन्न महाविद्यालयों के छात्र छात्राओं एवं एनएसएस कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान अरविंद राणा छात्र आनंदा कॉलेज हजारीबाग द्वितीय स्थान कुमार राज संत कोलंबस कॉलेज हजारीबाग तृतीय स्थान अनामिका गोप संत कोलंबस कॉलेज हजारीबाग चौथा स्थान नेहा परवीन संत कोलंबस कॉलेज हजारीबाग एवं पांचवा स्थान श्रुति कुमारी केबी महिला कॉलेज हजारीबाग ने प्राप्त किया। प्रतियोगिता के विजेता प्रतिभागियों को एनएसएस समन्वयक जॉनी रोसीना तिर्की, एक्जीक्यूटिव मजिस्ट्रेट नवीन कुंडू, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी पंचानन उरांव, जिला खेल पदाधिकारी उपवन बड़ा, पर्यावरण सह पत्रकार मुरारी सिंह एवं पेंटिंग के शिक्षक गोपी कृष्णा ने पुरस्कार देकर सम्मानित किया एवं सभी प्रतिभागियों को स्वच्छता के प्रति लोगों को जागरूक करने प्रयासरत रहने हेतू प्रोत्साहित किया। पर्यटन कला संस्कृति खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग अंतर्गत संचालित पर्यटन निदेशालय के द्वारा 16 सितंबर 2022 से 30 सितंबर 2022 तक पर्यटन स्वच्छता पखवाड़ा का आयोजन झारखंड के सभी जिलों में किया गया ।

आवास योजना के लाभुकों का हुआ गृह प्रवेश

कोडरमा। कोडरमा नगर पंचायत अंतर्गत प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण (शहरी) के बोनाकाली किफायती आवास परियोजना अंतर्गत बोनाकाली वार्ड संख्या 1 के नवनिर्मित फ्लेटों में लाभुकों का गृह प्रवेश जितेंद्र कुमार जैसल, प्रशासक नगर पंचायत कोडरमा की अध्यक्षता में कराया गया। गृह प्रवेश के कार्यक्रम में नगरीय प्रशासन निदेशालय के पदाधिकारियों की उपस्थिति में कराया गया। नगरीय प्रशासन निदेशालय रांची झारखंड से मुकेश कुमार झा एवं फिरोज आलम मौजूद थे। गृह प्रवेश कार्यक्रम बोनाकाली किफायती आवास परियोजना के लाभुकों का कराया गया, जिसमें अनीता देवी, माधुरी वर्णवाल, मो. आदिल, छाया देवी, प्रतिमा देवी लाभुकों का गृह प्रवेश कराकर नवनिर्मित आवासों की चाभी सौंपी गई। मौके पर नगर प्रबंधक राजकुमार वर्मा, अभिषेक सिंह, विभुति कुमार, उत्तम कुमार व अन्य मौजूद रहे।

बाल गृह की केयर टेकर पर हुआ हमला, रांची रेफर

कोडरमा। तिलैया थाना अंतर्गत बाल सुधार गृह की केयर टेकर अंजनी देवी को एक युवती ने हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। वहीं बाल गृह की केयर टेकर को सदर अस्पताल में इलाज कराने के बाद उसे रिम्स रेफर किया गया। इस बाबत एएनएम सह बाल गृह प्रभारी पूजा कुमारी के द्वारा कोडरमा थाना में एक आवेदन देकर मामले की जानकारी दी गयी हैं। आवेदन में बताया गया है कि बाल सुधार गृह में कार्यरत केयर टेकर अंजनी देवी अपनी ड्यूटी के बाद सो रही थी। इस दौरान देर रात पार्वती कुमारी जो किड्स फैसिलिटी के तहत विगत 26 सितंबर से वहां रह रही थी। सोती हुई केयर टेकर के सर पर ईंट से हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया, जिस कारण वह बेहोश हो गई। बाल गृह में रह रही आया व दूसरे बच्चों को भी वह कमरे में बंद कर फरार हो गई। सुबह बाल गृह के कर्मियों के द्वारा केयर टेकर महिला को कोडरमा सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया जहाँ उसे रांची रिम्स रेफर किया गया। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

आनंद मार्ग प्रचारक संघ का रक्तदान शिविर

हजारीबाग। शुक्रवार को आनंद मार्ग प्रचारक संघ शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज तथा वॉलंटरी ब्लड डोनर्स एसोसिएशन के सहयोग से आनंदपुरी में थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों एवं रक्त की कमी से पीड़ित व्यक्तियों के लिए रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इसका उद्घाटन प्रगतिशील मगही समाज के पंचशाखा सचिव देवकी ने किया। सोनू कुमार मेहता ने रक्तदान कर शिविर का शुभारंभ किया। तत्पश्चात दीपक कुमार मेहता, राजू रजक ,अशोक मिश्रा, रवि रंजन राम, अरुण रंजन, रवि कुमार सोनी, निशांत अग्रवाल, प्रशांत कुमार, निलेश कुमार, कृष्णा कुमार गुप्ता आदि 11 लोगों ने रक्तदान किया। आनंद मार्ग प्रचारक संघ के भुक्ति प्रधान राजेंद्र राणा निर्मल जैन को माल्यार्पण कर उनका अभिनंदन किया।

तीन बोरा ब्लूस्टोन बरामद तीन गिरफ्तार, गये जेल

नवीन मेल संवाददाता

कोडरमा। कोडरमा थाना पुलिस को मिली सूचना के आधार पर उदय कुमार सिंह दुधीमाटी निवासी के घर से भारी मात्रा में ब्लूस्टोन बरामद किया है। मिली जानकारी के अनुसार सूचना पर पुलिस उदय कुमार सिंह के घर छापेमारी करने पहुंची। वहां प्लास्टिक के बाल्टी में ब्लू स्टोन पत्थर बरामद किया गया। इस बाबत तीन लोग गिरफ्तार किए गए हैं। पूछताछ में पकड़े गए लोगों ने बताया कि जहांगीर अली, झरीटांड एवं रामजीत सरदार तथा अन्य व्यक्ति इस काम में संलिप्त हैं और लोकाई जंगल से अवैध उत्खनन कर ट्रक में लोड कर जयपुर एवं अन्य राज्यों में बिक्री करते हैं। पकड़े गए लोगों में उदय कुमार सिंह (52 वर्ष, पिता स्व रामप्रसाद सिंह, दुधीमाटी), जहांगीर अली (झरीटांड़) और रामजीत सरदार एवं अन्य व्यक्ति शामिल हैं। पुलिस अवर निरीक्षक सलीम लुगुन के बयान पर कोडरमा थाना में मामला (कांड संख्या 235/22) दर्ज किया गया है।

कोडरमा पुलिस ने दो जुआरियों को किया गिरफ्तार

कोडरमा। कोडरमा थाना अंतर्गत बेकोबार के समीप बीती देर रात दो जुआरियों को जुआ खेलते हुये गिरफ्तार किया गया और जेल भेजा गया है। जानकारी के अनुसार एसपी को गुप्त सूचना मिली थी की बेकोबार में जुआ खेला जाता है। सूचना मिलते ही कोडरमा पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जुआ खेलते कामदेव मंडल पिता बुधन और सिकंदर सिंह पिता स्वर्गीय जमुना सिंह दोनों बेकोबार निवासी के पास दो तास की गड्डी, नगद 5 हजार और मौके से उक्त जुआरियों को गिरफ्तार किया गया। वहीं कोडरमा थाना में उक्त जुआरियों के विरुद्ध मामला दर्ज करते हुए जेल भेज दिया गया है।

चरही घाटी में सेव से भरा ट्रक पलटा

चरही। शुक्रवार के अहले सुबह चरही थाना क्षेत्र के यूपी मोड़ घाटी में सेव फल से भरे ट्रक के पलट जाने से उस पर लदे सेव सड़क पर बिखर गए। जानकारी के अनुसार ट्रक नंबर पीबी13 एएम/8931 सेव लोडकर जम्मूकश्मीर से जमशेदपुर की ओर जा रहा था। सड़क घुमावदार होने के कारण चालक का संतुलन बिगड़ गया और ट्रक पलट गया। उस पर लदे सेव सड़क पर बिखर गए। चरही पुलिस को जानकारी मिलते ही स्थल पर पहुंच गई। पुलिस घंटो सड़कों पर बिखरे सेव की रखवाली करती रही। बिखरे सेव को मजदूरों से उठवाकर किनारे करवाया गया। चालक जनकी और उप चालक हैपी को हल्की चोटें आई। दोनों को चरही के स्थानीय अस्पताल में इलाज कराकर छोड़ दिया गया। चालक ने बताया कि ट्रक पर 15 सौ पेटी सेव लदे थे। जिसकी कीमत लगभग तीन लाख रुपए बतायी गई। बिखरे पड़े सेव को दूसरे ट्रक पर लोडकर गंतव्य स्थानों की ओर भेज दिया गया।

सदर प्रखंड के सिलवार में भदई मकई फसल कटनी प्रयोग सम्पन्न

नवीन मेल संवाददाता

हजारीबाग। हजारीबाग जिला सांख्यिकी पदाधिकारी जेवियर मिंज एवं प्रखंड विकास पदाधिकारी, सदर गुंजन कुमारी सिन्हा की उपस्थिति मे सदर प्रखंड के ग्राम सिलवार मे भदई मकई फसल कटनी प्रयोग संपन्न किया गया। प्रयोग मे जिला स्तर से कनीय क्षेत्रीय अन्वेषक राहुल कुमार पासवान, अमरनाथ गुप्ता एंव प्रखंड स्तर से प्रखंड संख्यिकी पदाधिकारी सुदामा कुमार दास, प्रखंड कृषि पदाधिकारी टेकलाल महतो एवं संबंधित मुखिया, कृषक मित्र एवं ग्रामीण उपस्थित थे। फसल कटनी का प्रयोग उपज दर/ फसल क्षति का आकलन के लिए किया जाता है।

किसी भी फसल का उपज दर ज्ञात करने के लिए चयनित फसलों यथा : मक्का, धान, गेहूँ, राई सरसों, चना आलू आदि। कटनी प्रयोग सम्सम्भावित विधि से किया जाता है जो कि उपज दर आकलन के लिए वैज्ञानिक पद्धति है। वर्तमान में झारखंड राज्य अन्तर्गत झारखंड राज्य फसल राहत योजना लागु की गयी है। जिसमें फसल क्षति का आकलन फसल कटनी प्रयोग के द्वारा किया जाना है। भदई मकई फसल कटनी प्रयोग 10 मिटर गुना 5 मिटर साईज में किया जाता है। कटनी प्रयोग के क्रम में हरा वजन तत्काल एवं एक सप्ताह के बाद सुखा वजन आकलित किया जाता है। सभी प्रखण्डों में 20-20 की संख्या में मकई फसल कटनी प्रयोग किया जाना है जिसके आधार पर प्रखण्ड स्तर पर उपज दर का आकलन किया जायेगा।

न्यायिक अधिकारियों के पद स्वीकृति सिर्फ कागजी घोषणा नहीं, पहले न्यायालय भवन की हो व्यवस्था

नवीन मेल संवाददाता

बरही। झारखंड कैबिनेट के द्वारा अनुमंडलीय कोर्ट के लिए चार न्यायिक पदों की स्वीकृति की घोषणा से भले ही लोग खुश हो रहे हो। परंतु अनुमंडल कोर्ट के वकील रामचंद्र साव के अनुसार यह एक राजनीतिक छलावा है। उन्होंने बताया कि प्रत्येक वर्ष गांधी जयंती के करीब सरकार के द्वारा कुछ न कुछ घोषणाएं किए जाते रहे । परंतु आज तक धरातल पर काम नहीं दिख रहा है। एक विशेष मुलाकात में उन्होंने कहा कि सरकार को कोर्ट के लिए सबसे पहले भवन सुनिश्चित करनी चाहिए। अन्यथा पद स्वीकृत करके कोर्ट हजारीबाग में चलाने से यहां के लोगों की समस्याएं कम नही होगी। उन्होंने कहा कि अब बरही में अनुमंडलीय उपकारा भी स्थापित हो चुके है। ऐसे में बरही में ही अनुमंडलीय कोर्ट का संचालन होने से ही यहां की जनता को लाभ

मिलेगा। लोगों को हजारीबाग जाने से मुक्ति मिलेगी अन्यथा सरकार की यह घोषणाएं एक राजनीतिक घोषणा बन कर रह जाएगा। जिसका बार वेलोग विरोध करेगी । उन्होंने यहां के जनप्रतिनिधियों से भी अपील किया कि न्यायिक पदाधिकारियों की नियुक्ति के पूर्व कोर्ट संचालन हेतु भवन की व्यवस्था प्राथमिकता के आधार पर करवाएं। जिससे अनुमंडलीय न्यायालय को सुचारू रूप से चलाया जा सके।

इंस्पेक्टर ने स्वयं उठाया कुदाल, फेंका कूड़ा, कहा –

स्वच्छता आम नागरिकों का है नैतिक दायित्व

नवीन मेल संवाददाता

बरही। दुर्गा पूजा को लेकर पुलिस इंस्पेक्टर सह थाना प्रभारी ललित कुमार के नेतृत्व में धनबाद रोड सहित बरही चौक पर सफाई अभियान चलाया गया। जिसमें थाना के पुलिसकर्मियों, जनप्रतिनिधियो व समजसेवियो ने सहयोग किया। इस दौरान इंस्पेक्टर ने स्वयं कुदाल उठाकर कूड़े उठाने का काम किया। जिसमे बरही पश्चिमी मुखिया शमशेर आलम के द्वारा सकारात्मक सहभागिता दिखाई गई। सफाई के दौरान प्रखंड 20 सुत्री उपाध्यक्ष कुणाल कतरियार, बेन्दगी मुखिया सिकंदर राणा, पूर्व मुखिया छोटन ठाकुर, अब्दुल मनान वारसी, गुरुदेव गुप्ता, भगवान केसरी, प्रभु राणा आदि ने भी सार्थक भूमिका निभाई। विदित हो कि धनबाद रोड व बरही चौक के विभिन्न हिस्सों में

कूड़े बिखरे रहने से पानी गिरने के बाद पैदल चलना भी दूभर हो जाता था। जिसे जेसीबी मशीन लगाकर सफाई किया गया। मौके पर इंस्पेक्टर ने लोगो से शहर को साफ रखने की अपील भी किया। उन्होंने कहा कि घरों या दुकान का कचड़ा सड़को पर नही फेंके, उसे एक निश्चित जगह पर जमा कर जला दे अथवा सुरक्षित स्थान पर फेंक दें। शहरों को स्वच्छ रखने में प्रशासन से ज्यादा आम लोगो की जिम्मेवारी है। यह उनका नैतिक दायित्व भी बनता है।

खुशहाली का पर्व दुर्गा पूजा में छाया मातमी माहौल

पदमा। पदमा दुर्गा मंडप के समीप नया मुहल्ला में दुर्गा पूजा के पंचमी के दिन शुक्रवार की सुबह एक परिवार के घर मातम पसर गया। मामला कमल चौधरी के बड़े पुत्र राहुल चौधरी उर्फ लाडला की मौत की है। घटना की जानकारी पाते ही पदमा पुलिस पहुंची और शव को पोस्टमार्डम के लिए हजारीबाग भेजा। इससे पूर्व घर वाले अहले सुबह इलाज कराने हजारीबाग ले गए जहां डॉक्टरों ने मृत होने की बात कही। घटना की जानकारी मिलते ही पंचायत प्रतिनिधियों के साथ पंचायत के लोग राहुल के घर पहुंचे। इधर राहुल के माता-पिता, पत्नी-भाई बहन का रो-रोकर बुरा हाल है। राहुल के दो मासूम बच्चे एक बेटी और एक बेटा है, जिसे समझ में नहीं आ रहा कि उनके पिता अब इस दुनिया में नहीं रहे। शव का पोस्टमार्डम के बाद राहुल का अंतिम संस्कार केवटा नदी के तट पर किया गया। हसमुख और मिलनसार राहुल के अचानक मौत से दुर्गा पूजा का माहौल मातम में बदल गया। समाचार लिखे जाने तक घर वालों ने थाने में कोई आवेदन नहीं दिया है।

महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने में वरदान साबित हो रहा है एसएचजी : पूर्व विधायक

नवीन मेल संवाददाता

बरही। स्वयं सहायता समूह महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने का सशक्त माध्यम है इसके माध्यम से आज कई महिलाएं न केवल स्वय बल्कि की महिलाओं को रोजगार भी प्रदान कर रहे है। उक्त बातें बरही के पूर्व विधायक मनोज कुमार यादव ने शुक्रवार को पदमा के सरैयाचट्टी स्थित नाबार्ड प्रायोजित स्वदेश संस्था द्वारा संचालित एसएचजी दुकान के उद्घाटन समारोह में बतौर मुख्यातिथि कही। उन्होंने कहा कि स्वयं सहायता समूह महिलाए के माध्यम से विभिन्न प्रकार के रोजगारोन्मुख कार्य किए जा रहे है। इसके लिए सरकार के द्वारा भी सुविधाजनक ऋण मुहैया करवाए जा रहे है।

शुक्रवार को सेनेटरी नेपकिन, अंडर गारमेंट्स, मास्क, रुमाल, चूड़ी श्रृंगार, मशरूम, अचार, चॉकलेट आदि रोजमर्रा के बस्तुओ का गांव में ही महिला दीदीओ के द्वारा निर्माण करना शुभ संकेत है। हम सबो को एसएचजी ग्रुप द्वारा उत्पादित वस्तुओं का उपयोग कर लोकल फोर भोकल समर्थन करते हुए आत्मनिर्भर भारत के पथ में हाथ बटानी चाहिए। कार्यक्रम में संस्था के सचिव सुधीर कुमार, प्रमुख वीणा देवी, उप प्रमुख सतेंद्र राणा, सरैया मुखिया शांति देवी, नारायण यादव, सुरेंद्र गुप्ता आदि ने भी अपने विचार रखें। मौके पर भाजपा नेता पंतू मेहता, जीतेन्द्र यादव, बिंदु पासवान सहित स्वयं सहायता समूह की कई महिला दीदी उपस्थित थे।

केरेडारी में आजादी के पूर्व से मनाया जा रहा दुर्गा पूजा

केरेडारी। आजादी के पूर्व से ही प्रखंड में दुर्गा पूजा की जा रही है। 1925 ई में चट्टीबरियातु गांव में दुर्गा पूजा की शुरूआत की गई थी। वहीं प्रखंड के केरेडारी मुख्य चौक स्थित दुर्गा मंडप में 1951 ई में बालेदेवरी गांव निवासी मुरलीधर दुबे, कराली निवासी चन्द्रदेव तिवारी और पगार निवासी बासुदेव हलवाई ने दुर्गा पूजा की शुरूआत की थी। उस सम्य खपरैल के छोटा सा मंडप में दुर्गा माता की फोटो में पूजा की जाती थी। वर्तमान समय में सब कुछ बदल गए। पिछले कई वर्षो से हजारों रुपए खर्च कर समिति के द्वारा पंडाल बनाया जा रहा है। इस वर्ष पूजा पंडाल भव्य तरीके से बनाया गया है जो आकर्षक का केंद्र बना हुआ है। इस बार पंडाल के अगल बगल में लाइट से सजाया गया है। पारंपरिक तरीके से ढोल नगाड़ा के साथ आरती करवायी जा रही है। आरती के समय पुरुष-महिलाओं की भीड़ उमड़ रही है। गांव के सामर्थ लोगों द्वारा 31, 51, 61 किलो का प्रत्येक अलग अलग दिन भंडरा किया जा रहा है। दो साल कोरोना के कारण पूजा ठीक ठाक नही हो पायी थी। इस वर्ष यहां की प्रतिमा खास बनाई गई है। कमेटी के अध्यक्ष बैजनाथ महतो, सचिव तापेश्वर साव, कोषाध्यक्ष सरयू महतो ने संयुक्त रूप से बताया कि खर्च में कुछ कटौती की गई है।

पर्यटन स्वच्छता पखवाड़ा के तहत किया गया डस्टबीन का वितरण

रामगढ़। 16 से 30 सितंबर तक मनाए गए पर्यटन स्वच्छता पखवाड़ा के अंतिम दिन शुक्रवार को जिले के उप विकास आयुक्त नागेंद्र कुमार सिन्हा की अध्यक्षता में चितरपुर प्रखंड अंतर्गत रजरप्पा मंदिर परिसर में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। रजरप्पा मंदिर परिसर एवं आसपास के अन्य क्षेत्रों को स्वच्छ रखने के उद्देश्य से कार्यक्रम के दौरान रजरप्पा मंदिर प्रबंधन समिति एवं दुकानदारों के बीच डस्टबिन का वितरण किया गया। मौके पर उप विकास आयुक्त नागेंद्र कुमार सिन्हा ने कहा कि हम सभी को अपने जीवन में स्वच्छता पर विशेष ध्यान देना चाहिए। न केवल यह हमें कई तरह की बीमारियों से बचाता है बल्कि आसपास का वातावरण भी अच्छा रहता है। उप विकास आयुक्त ने रजरप्पा मंदिर प्रबंधन समिति, सफाई कर्मियों एवं उपस्थित अन्य लोगों से आमजनों को विभिन्न माध्यमों का इस्तेमाल कर स्वच्छता के प्रति जागरूक करने एवं कचरे को यत्र तत्र फेंकने के बजाय डस्टबिन में फेंकने हेतु प्रोत्साहित करने की अपील की। कार्यक्रम के दौरान जिला योजना पदाधिकारी समीर कुल्लू, प्रखंड विकास पदाधिकारी चितरपुर उदय कुमार, प्रखंड विकास पदाधिकारी गोला संतोष कुमार, अंचल अधिकारी चितरपुर तृप्ति विजय कुजूर, जनप्रतिनिधियों सहित अन्य उपस्थित थे।

इचाक के रतनपुर में एक ही रात तीन घरों में चोरी का प्रयास

इचाक। थाना क्षेत्र के रतनपुर गांव में चोरों ने एक ही रात तीन घरों में चोरी की घटना को अंजाम दिया। चोरों ने गुरुवार-शुक्रवार आधी रात में बेखौफ घटना को अंजाम दिया। चोर बसंत प्रसाद मेहता घर के मुख्य दरवाजा में लगा ताला तोड़कर अंदर प्रवेश किया। जिसके बाद तीन कमरों में बाहर से लगे ताले तोड़कर अंदर रखें ट्रंक, अलमीरा, सूटकेस,अटैची को एक-एक कर खंगाला। इस दौरान चोरों को 13 हजार नगद समेत करीब दो लाख के सोना, चांदी के जेवरात हाथ लगे। घटना की सूचना मिलते ही इचाक थाने के एसआई आदित्य कुमार, एएसआई साकेश कुमार सिंह और पुलिस के जवान भुक्तभोगी के घर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया और थाना में आवेदन देने की सलाह दी। थाना को दिए आवेदन में बसंत प्रसाद मेहता ने कहा है कि चोर मुख्य दरवाजा का ताला तोड़कर आधी रात को घर में प्रवेश किया जिसके बाद जिस कमरे में परिवार के सदस्य सो रहे थे उसका सीटकनी को बाहर से बंद कर सामानों से भरे कमरे में से तीन कमरों के ताले तोड़कर अंदर रखें ट्रंक बक्सा सूटकेस अटैची आदि को एक-एक कर खंगाला। जिसमें रखा 13 हजार नकद, करीब दो लाख के जेवरात ले गए और एलआईसी, जमीन, गाड़ी के कागजात सहित पांच बक्सा (सूटकेस अटैचीद) घर के पीछे अरहर के खेत में फेंक दिया। जिसे पुलिस आने के बाद जांच पड़ताल किया गया। बताते चलें कि चोर धनिया व्यापारी किशोरी मेहता और किसान नागेश्वर महतो के घर के खिड़की और दरवाजे तोड़कर चोरी का प्रयास किया किंतु घर वालों के जाग जाने से चोर भाग निकले। मामले में पुलिस ने बताया कि उक्त होगी द्वारा थाना में आवेदन दी गई है अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही।

नावाडीह दुर्गा मंडप परिसर में श्रीमद्देवी भागवत कथा का आयोजन

भगवान ने लिया कई अवतार उनमें एक नरसिंह अवतार : देवी राधिका

नवीन मेल संवाददाता

मरकच्चो। प्रखंड के नावाडीह पंचायत स्थित नावाडीह1 दुर्गा मंडप परिसर में नवरात्रि के प्रथम दिन से ही भक्ति की बयार बह रही है। श्रीमद् देवी भागवत कथा के आयोजन से पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा है। भागवत कथा सुनने के लिए नवरात्र के पहले दिन से ही महिला व पुरुष भक्तों की भीड़ मंदिर परिसर में उमड़ रही है। नवरात्रा के चौथे दिन गुरुवार की रात्रि प्रवचन कर्ता सुश्री देवी राधिका प्रियवंदा जी श्रोताओं को संबोधित करते हुए कहा कि बेदव्यास जी ने जनमेजय जो को भगवान के 24 अवतारों के बारे वर्णन किया। जिसमे भक्त प्रहलाद को बचाने के लिए भगवान ने नरसिंह अवतार लिया। भगवान ने बाराह अवतार में भगवान ने माँ पृथ्वी को हिरण्यकश्यप के चंगुल से छुड़ाया। जनमेजय जी को श्री बेद व्यास से माँ भगवती के अवतारों की कथा श्रवन करते हुवे मॉ सती के चरित्र के साथ माँ शैल पुत्री के नौ रूपों का वर्णन सुना और माँ

भगवती के 108 शक्ति पीठो की महिमा सुनी। भगवान के 24 अवतारों के साथ साथ श्री राम एवं श्री कृष्ण का जन्मोत्सव बड़े धूमधाम से मनाया गया। श्री कृष्ण के रूप में बने बच्चे के साथ श्रोताओं ने प्यार दुलार किया। इस मौके पर सुमित शास्त्री झा वृंदावन, शैलेश कुमार, वाद्य यंत्र रमेश कुमार, रामकृपाल, अवनेश कुमार, नावाडीह मुखिया बैजंती देवी, पंसस धानेश्वर यादव, पंसस प्रतिनिधि सुरेश साव, पूजा समिति अध्यक्ष बसंत साव, सचिव मुंशी महतो, पूर्व मुखिया नावाडीह सुरेंद्र वर्मा, सदानंद गुप्ता, कौशल गुप्ता, सिकेन्द्र साव, हरिहर साव, महेश वर्मा, अनुपम हलधर, प्रकाश साव, महाबीर प्रसाद वर्मा, अजय साव समेत नेहरूलाल साव, मिथलेश साव, सैकड़ों श्रोता गण उपस्थित थे।

नवरात्र का पांचवा दिन : मां स्कंदमाता की आराधना

नवरात्रि के पांचवें दिन मां के पंचम स्वरूप माता स्कंदमाता की पूजा- अर्चना पूरे प्रखंड के विभिन्न देवी मंडप के साथ साथ नावाडीह पंचायत स्थित दुर्गा मंडप में पंडित श्रीकांत पाण्डेय के द्वारा किया गया। मां अपने भक्तों पर पुत्र के समान स्नेह लुटाती हैं। मां की उपासना से नकारात्मक शक्तियों का नाश होता है। मां का स्मरण करने से ही असंभव कार्य संभव हो जाते हैं। स्कंदमाता कमल के आसन पर विराजमान हैं, इसी कारण उन्हें पद्मासना देवी भी कहा जाता है। मां स्कंदमाता को पार्वती एवं उमा नाम से भी जाना जाता है। मां का वाहन सिंह है। मां स्कंदमाता सूर्यमंडल की अधिष्ठात्री देवी हैं। नवरात्र के पांचवे दिन ललिता पंचमी व्रत भी रखा जाता है। इस व्रत को करने से जीवन में आने वाली हर तरह की समस्या से मुक्ति मिल जाती है। मां स्कंदमाता की चार भुजाएं हैं। दाएं भुजा से भगवान स्कंद को पकड़ा हुआ है। नीचे वाली भुजा में कमल का फूल हैं और बाई वाली भुजा वरदमुद्रा में है। गौण वर्ण के कारण मईया को गौरी भी कहते हैं।

झारखंड प्रदेश प्रशिक्षित बेरोजगार शारीरिक शिक्षक संघ की उपलब्धि है : रमेश कुमार महतो

रामगढ़। झारखंड प्रशिक्षित बेरोजगार शारीरिक शिक्षक संघ के प्रदेश महासचिव रमेश कुमार महतो द्वारा 30 सितंबर को को विज्ञप्ति जारी की गई है। विज्ञप्ति के माध्यम से उन्होंने बताया है कि कोल्हान यूनिवर्सिटी में नई शिक्षा नीति में शारीरिक शिक्षा को स्नातक में शामिल किया गया है। बताया कि कोल्हान यूनिवर्सिटी प्रबंधन ने इसके लिये झारखंड प्रशिक्षित बेरोजगार शारीरिक शिक्षक संघ से सम्पर्क करने की बात कही है। कहा कि संविदा आधारित शिक्षकों की बहाली करने की तैयारी कर रही हैं। संघ के प्रदेश महासचिव ने कहा कि यह खेद जनक है कि राज्य सरकार अपने वैकेंसियों में शारीरिक शिक्षा विषय को शामिल नही कर रही है। उन्होंने कहा कि आगामी वैकेंसी में 06 टू 08 और 10 प्लस 02 में शारीरिक शिक्षा विषय को शामिल नही किया है। कहा कि फिजिकल एडुकेशन से सर्वांगीण विकास में मदद मिलती है और शरीर मानसिक और शारीरिक रूप से स्वस्थ्य रहता है। कहा कि झारखंड सरकार खेल को बढ़ावा देने की बात करती है लेकिन खेल शिक्षक ही नही है। बीपीएड डिग्री बीएड के समकक्ष डिग्री होती हैं। श्री महतो ने बताया कि कोल्हान क्षेत्र में झारखंड प्रशिक्षित बेरोजगार शारीरिक शिक्षक संघ को बढ़ावा देने में झारखंड प्रदेश प्राथमिक शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष संजय महतो का अहम योगदान है। साथ ही संघ के प्रदेश महासचिव रमेश कुमार महतो एवं प्रदेश अध्यक्ष प्रभात कुमार भी अहम भूमिका है। जिसके कारण कोल्हान यूनिवर्सिटी संघ से मिलने /संपर्क करने की बात कही है।

न्यूज गैलरी

दुर्गा पूजा को लेकर पुलिस अलर्ट, एंटी क्राइम चेकिंग अभियान चलाया गया

कैरो/लोहरदगा। दुर्गा पूजा को लेकर कैरो थाना पूरी तरह मुस्तैद। थाना प्रभारी संखनाथ उरांव ने सुरक्षा व्यवस्था की जानकारी देते हुए बताया की त्योहार में श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए अलग-अलग सभी पूजा पंडालों में पुलिस बल की तैनाती की गई। अतिरिक्त जिला बल के जवान भी थाना में मौजूद है। दुर्गा पूजा के दौरान लोग देर रात पंडालों के दर्शन के लिए आते जाते रहते हैं ऐसे में सभी को यह निर्देश दिया गया है कि देर रात में भी पुलिस गस्त करेंगे, सुरक्षा को लेकर पुलिस पदाधिकारियों को कई बिंदुओं पर दिशा-निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा पर्व को लेकर पुलिस पदाधिकारियों को सख्त निर्देश दिया गया कि दुर्गा पूजा में विधि व्यवस्था को कायम रखने के लिए सभी पदाधिकारियों को अलर्ट रहना है साथ ही निर्देश दिया कि दुर्गा पूजा में बाधा डालनेवाले असामाजिक तत्व की पहचान कर उसके खिलाफ कार्रवाई की जाए। इस दौरान थाना क्षेत्र में एंटी क्राइम चेकिंग अभियान भी चलाया जा रहा है। शुक्रवार को थाना के एएसआई उपेंद्र कुमार सिंह के अगुवाई में एडादोन गांव के समीप वाहन जांच अभियान चलाकर वाहनों की सघन जांच की। वाहन जांच अभियान के क्रम में वाहनों की डिक्की, कागजातों तथा चालकों की तलाशी ली गई। ताकि अपराध तथा आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाए जा सके।

फाइलेरिया को लेकर कृमिमुक्त दवा का किया गया वितरण

लोहरदगा। झारखंड सरकार के स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा आयोजित कार्यक्रम के तहत कल्याण अस्पताल में फाइलेरिया तथा कृमिमुक्त दवा का वितरण किया गया। इस क्रम में लोहरदगा के कल्याण अस्पताल बसारडीह में डॉक्टर राजीव रंजन के द्वारा शुक्रवार को ग्रामीणों के बीच फाइलेरिया से बचाव के लिये कृमिमुक्त दवा वितरण किया गया। मौके पर मौजूद डॉक्टर ने ग्रामीण जनता से अपील करते हुए कहा कि फाईलेरिया एक खतरनाक बीमारी है। कृमिमुक्त दवा कहा कर पैर को हाथी पांव बनने से बचाये साथ ही डॉक्टर राजीव रजन ने परिवार नियोजन की जानकारी देते हुए छोटा परिवार सुखी परिवार तथा दो बच्चों के बीच तीन साल का अन्तर के बारे विशेष जानकारी दिया गया। मौके पर चिकित्सा कर्मी शोभा उरांव, मुकेश साहू के अलावे सैकड़ो ग्रामीण उपस्थित थे।

पोस्टकार्ड के माध्यम से भाजपा कार्यकर्ताओं ने पीएम को भेजा सुभकामनाएं संदेश

सिमडेगा। प्रधानमंत्री के जन्मदिवस पर भारतीय जनता पार्टी द्वारा प्रत्येक दिन अलग-अलग तरह के रचनात्मक कार्य किए जा रहे हैं उसी क्रम में शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी के कार्यकताओं ने जिला मुख्यालय सहित सभी मंडलों में कार्यकताओं द्वारा पोस्ट कार्ड के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जन्मदिन की बधाई एवं शुभकामनाएं संदेश भेजा गया। मौके पर कार्यक्रम प्रभारी अमरनाथ बमलिया, जिला अध्यक्ष लक्ष्मण बड़ाईक, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य दुर्गविजय सिंह, पूर्व जिलाध्यक्ष सजंय ठाकुर, श्रद्धानन्द बेसरा, दीपक पूरी, अनूप प्रसाद, रामविलास बड़ाईक, नवीन सिंह, हीरा राम, सजंय शर्मा, सत्यनारायण प्रसाद, अनिरुद्ध सिंह, राजमणी प्रधान, फुलसुन्दरी देवी, संतोष देवी, शकुंतला देवी, रूनी कुमारी, सावित्री देवी, कमला कुमारी, हंसरानी, नन्दनी दास, पिंकी प्रसाद, इंदू देवी, शिखा अग्रवाल, पुष्पा देवी, जयंती देवी, तपेश्वर बड़ाईक सहित मंडल अध्यक्ष एवं कार्यकर्ता मौजूद थे।

सिमडेगा में टाटा इलेक्ट्रॉनिक के लिए छुटे हुए 64 अभ्यर्थियों को किया चयनित

सिमडेगा। पिछले दिनों टाटा कंपनी के टाटा एलेकट्रॉनिक्स एवं जनजातीय मंत्रालय के संयुक्त प्रयास से मेगा भर्ती कैंप का आयोजन किया गया परीक्षा में सफल होने एवं स्क्रुटनी होने के बाद भी कुछ अभ्यार्थी अपरिहार्य कारणों से 27 सितंबर को तमिलनाडु नहीं जा पाई थी। वही केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा के निर्देश पर पुनः टाटा कंपनी ने छुटे हुए अभ्यर्थियों को एक और मौका दिया और शुक्रवार को नियोजन कार्यालय में कैंप आयोजन किया गया जिसमें 64 अभ्यर्थियों का जॉब के लिए तमिलनाडु जाना तय हुआ। बताया गया इन अभ्यर्थियों को दिनांक 6 अक्टूबर दिन बुधवार को ट्रेन द्वारा तमिलनाडु के हुसूर भेजा जाएगा। मौके पर उपस्थित केंद्रीय मंत्री के सांसद प्रतिनिधि सुशील श्रीवास्तव ने मौके पर कहा कि पूरे आयोजन में सिमडेगा उपायुक्त महोदय आर.रोनिटा का बढ़िया सहयोग रहा। साथ ही नियोजन पदाधिकारी एवं कर्मी मेडिकल कर्मी पुलिसकर्मी सहित तमाम प्रशासन का सहयोग से यह मेगा भर्ती कैम्प पूरी तरह सफल रहा और इसके लिए केंद्रीय मंत्री श्री अर्जुन मुंडा ने भी सिमडेगा प्रशासन का आभार जताया है। मौके पर भाजपा जिलाध्यक्ष लक्ष्मण बड़ाईक, मनोज साय, सुजान मुंडा, कृष्णा बड़ाईक, गजानंद बेसरा सहित सभी अभ्यर्थियों के गार्जियन मौजूद थे।

बानो के सीकोरदा में वज्रपात से पीड़ित व्यक्ति की इलाज के दौरान मौत

बानो। बानो के सीकोरदा में वज्रपात की चपेट में आकर एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसकी इलाज के दौरान मौत हो गई। मिली जानकारी के अनुसार प्रखंड के सीकोरदा निवासी जेम्स तोपनो की वज्रपात से घायल अवस्था में इलाज के लिये सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बानो लाया गया था। इलाज के दौरान शुक्रवार सुबह लगभग छः बजे मौत हो गई। इसकी जानकारी मिलने पर जिला परिषद सदस्य बिरजोकंडुलना ने अस्पताल पहुंच कर परिवार वालो से मुलाकात कर ढाढ़स बंधाया। साथ ही उन्होंने सरकारी प्रावधान के तहत पीड़ित परिवार को जल्द से जल्द आपदा प्रबंधन विभाग की ओर से मुआवजा दिलाने की बात कही। इधर घटना की सूचना बानो पुलिस को दी गई जिसके बाद सूचना मिलने पर बानो पुलिस द्वारा उक्त शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु सदर अस्पताल सिमडेगा भेजा। इधर शुक्रवार को पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया।

साहूबेड़ा मिशन में धूमधाम से मनाया गया खिस्त जयंती

बानो। प्रखंड के आर सी मिशन सहुबेड़ा के बोकामारा यूनिट में हर्षोल्लास खीस्त जयंती वर्षगांठ मनाया गया। इस अवसर पर फादर बिमल जोजो के द्वारा खीस्त जयंती जुबिली वर्ष यादगरी का पवित्र मिस्सा समारोह सम्पन्न किया गया। फादर बिमल जोजो ने कहा कि येसु मसीह 2000 वर्ष पूर्व हमारे इस संसार में आये। हम इसी अगुवाई में खीस्त विश्वासी ईश्वर की प्रेम में आगे बढ़ाते जाएं। इस अवसर पर हर मसीही को चाहिए ईश्वर से प्रेम करे। प्रभुईसा मसीह केबताए बातो को मनन करें। अपने पड़ोसी से प्रेम करें .इस अवसर महिला मण्डली द्वारा गीत संगीत प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर मुख्य रूप से फादर भीतुस जीवन केरकेट्टा मुखिया सुसाना जड़िया, भिनसेन्ट कंडुलना, दोमाणिक किड़ो, सुशील कंडुलना, अनिल केरकेट्टा, प्रदीप लुगुन, संगीता सरोजिनी सुरीन, कामिल डांग आदि लोग उपस्थित थे।

दक्षिणी कोयल प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड के तृतीय आमसभा हुई बैठक

भविष्य की पीढ़ी के लिए जल का संरक्षण जरूरी : डीसी

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। उपायुक्त डॉ वाघमारे प्रसाद कृष्ण ने कहा कि किसान दीदियां जो आय कृषि/पशुपालन से कर रही हैं उसका इस्तेमाल वे सतही जल के स्त्रोत बढ़ाने, टपक सिंचाई/लिफ्ट सिंचाई के उपकरण खरीदने में करें। इससे ना सिर्फ उन्हें समय-समय पर सिंचाई के लिए पानी की कमी की समस्या से मुक्ति मिलेगी बल्कि जल स्त्रोत भी नहीं सूखेंगे। साथ ही, भविष्य की पीढ़ी के लिए जल का संरक्षण हो सकेगा। उक्त बातें उपायुक्त ने शुक्रवार को जेएसएलपीएस, लोहरदगा के तत्वावधान में नगर भवन, लोहरदगा में आयोजित दक्षिणी कोयल प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड (डीकेपीसीएल) के तृतीय आमसभा बैठक में बतौर मुख्य अतिथि कही। उपायुक्त ने कहा कि लोहरदगा जिला में सिंचाई की व्यवस्था एक बड़ी समस्या है। किसान दीदीयां सतही जल के स्तर को बनाये रखने के लिए गांवों में मनरेगा अंतर्गत तालाब निर्माण की ज्यादा से ज्यादा योजना लें ताकि सतह का जो जल है, उसका स्तर बना रहे। खरीफ के मौसम से इस जल से सिंचाई होगी। साथ ही, गर्मी के मौसम में आसपास के कुंए या नलकूप नहीं सूखेंगे। टपक सिंचाई या लिफ्ट सिंचाई के साधन अपनाकर कम से कम पानी में एक बड़े आकार की भूमि में सिंचाई की जा सकती है। साथ ही, एक वर्ष में एक से अधिक फसलों का उत्पादन कर अपनी आय को बढ़ाया जा सकता है। आप अपनी आय का इस्तेमाल कृषि के नये तकनीकों को अपनाने के लिए करें। उपायुक्त ने कहा कि कंपनी ने वर्ष 2019 में अपना निबंधन जोहार योजना अंतर्गत कराया और आज कंपनी का बिजनेस करोड़ों तक पहुंच गया है। इसमें किसान दीदीयों की मेहनत है। इससे ना सिर्फ उनका जीवन स्तर उंचा उठेगा बल्कि अपने बच्चों को वे बेहतर भविष्य भी प्रदान कर सकेंगी। कार्यक्रम में भारतीय विदेश सेवा के प्रशिक्षु अधिकारी नमन कुमार सिंगला व तेजिन चेंजिम, भारतीय प्रशासनिक सेवा के प्रशिक्षु अधिकारी किशन कुमार एस व प्रियांशु खाटी, भारतीय पुलिस सेवा के प्रशिक्षु अधिकारी माविस टाम व धारावत साई प्रकाश, जेएसएलपीएस डीपीएम प्रकाश रंजन, डीकेपीसीएल सचिव मनेरिया एक्का, सुभाष समेत बड़ी संख्या में जेएसलएलपीएस की दीदीयां उपस्थित थीं।

फूलों की खेती के साथ-साथ करें मधुमक्खी पालन

उपायुक्त ने कहा कि अभी दशहरा,दीपावली जैसे त्यौहारों में सजावट के दृष्टिकोण से फूलों का मांग बहुत ज्यादा होती है। पहले ये फूल कोलकाता या अन्य जगहों यहां के बाजारों में आते थे लेकिन अब लोहरदगा और खूंटी जैसे जिलों के किसान फूलों की खेती करते हैं और अच्छा मुनाफा कमाते हैं। यही नहीं, वे फूलों के साथ-साथ अब मधुमक्खी पालन भी कर रहे हैं जिससे मधु का उत्पादन हो रहा हैं और उनकी आय बढ़ रही है। आप दीदीयां भी यह कर सकती हैं।

उत्कृष्ट उत्पादक समूह को किया गया पुरस्कृत

कार्यक्रम में दक्षिणी कोयल प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड (डीकेपीसीएल) के उत्कृष्ट उत्पादक समूहों को उपायुक्त, लोहरदगा व अन्य अतिथियों द्वारा पुरस्कृत किया गया। इनमें उत्पादक समूह कोलसिमरी, सलैया, बदला, उमरी, मुरपा शामिल हैं। वहीं, बेस्ट कैडर के रूप में हेंजला ग्राम की अनिता उरांव, छोटकीचांपी के गुलजार अंसारी और ग्राम टिको के इंद्रमणि उरांव को सम्मानित किया गया।

दुर्गोत्सव को लेकर लोहरदगा पुलिस की कार्रवाई में मिली सफलता

पीएलएफआई के नाम पर संगठन बनाकर रंगदारी मांगने का फरार आरोपी गिरफ्तार

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। दुर्गा पूजा उत्सव को शांतिपूर्ण वातावरण में मनाने को लेकर पुलिस अधीक्षक आर रामकुमार के द्वारा पूरे लोहरदगा जिले में अवैध शराब, जुआ अड्डे, अवैध हथियार की बरामदगी एवं अपराधियो के विरूद्ध विशेष छापामारी अभियान चलाया जा रहा है। इस क्रम में एक फरार पीएलएफआई संगठन के नाम से लेवी वसूली करने का फरार आरोपी हरिनाथ उरांव उर्फ हरि उरांव, उम्र 30 वर्ष पिता स्व० रामचन्द्र उरांव, ग्राम-एकागुडी, थाना-सेन्हा, को गिरफ्तार किया गया है। इस संदर्भ में एसडीपीओ बीएन सिंह ने शुक्रवार को सदर थाना परिसर में पत्रकारों को बताया कि गिरफ्तार अपराधी हरिनाथ महली की आपराधिक पृष्ठभूमि रही है। दो माह पूर्व बगडू थाना क्षेत्र में पीएलएफआई के नाम पर संगठन तैयार कर विकास कार्य में लगे संवेदक से रंगदारी मांगने वाले गिरोह का उद्भेदन किया गया था। जिसमें कुल तीन दशी रायफल, एक देशी सिक्सर (रिवॉल्वर), चौदह जोड़ा चितकबरा वर्दी, नक्सल पर्चा आदि बरामद की गयी थी। इस मामले में बगडू थाना काण्ड सं0-22 / 22. दिनाक 04.08.2022 धारा-384 / 387 भा०द०वि० एव 25 (1-बी) ए /26/35 आर्म्स एक्ट एवं 17 सी०एल०ए० एक्ट के तहत मामला दर्ज है। जिसमे फरार सकिय अपराधकर्मी हरिनाथ उरांव की गिरफ्तारी थाना प्रभारी बगडू थाना विश्वजीत कुमार सिंह के नेतृत्व वाली टीम के द्वारा की गयी है।

विश्व हृदय दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम का किया आयोजन

नवीन मेल संवाददाता

कुडू-लोहरदगा। स्वास्थ्य विभाग और सेंटर फॉर कैटालाइजिंग चेंज के संयुक्त तत्वाधान में प्रखंड के कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय, प्लस 2 उच्च बालिका विद्यालय कुडू, विश्रामगढ़, पंडरा सहित विभिन्न विद्यालयों में विश्व हृदय दिवस के अवसर पर जागरूकता कार्यक्रम का किया गया आयोजन। इस दौरान विद्यालयों में पेंटिंग प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया और उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्राओं को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम के अंत में छात्र छात्राओं ने खुद को स्वस्थ रखने के लिए नियमित व्यायाम करने, संतुलित आहार का सेवन कर अपने शरीर को स्वस्थ रखने की सपथ ली। मौके पर सीएचओ मेनका तिग्गा ने बताया कि आज हमारे देश में हृदय रोग से होने वाले मृत्यु की दर बढ़ती जा रही है पहले हृदय रोग 30 से 40 वर्ष उम्र के हो लोगों को होती थी परंतु आज हमेशा परिवेश में पल बढ़ रहे हैं जिसमें देखा जा रहा है कि बहुत ही कम उम्र के लड़के लड़कियों में भी हृदय रोग जैसी बीमारी हो रही है और बहुत से किशोर किशोरियों की मृत्यु भी हो जा रही है अतः इसे रोकने हेतु इस तरह का कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है ताकि उन्हें इन बीमारियों से सचेत किया जाए ताकि वे बच सके। वहीं सी3 इंडिया के समन्वयको के द्वारा कार्यक्रम के उद्देस्य पर प्रकाश डालते हुए समय निकालकर व्यायाम करने, सही खानपान अपनाने, धूम्रपान और नशा से बचने, घंटों एक ही स्थिति में नहीं बैठने, नमक का सेवन कम मात्रा में करनी चाहिए, भोजन में कम वसा वाले भोजन का ग्रहण करने की सलाह दी। कार्यक्रम को सफल बनाने में वार्डन राखी कुमारी, सी एच ओ मेनका तिग्गा, जिला युवा मैत्री केंद्र काउंसलर सीता लिंडा, सी3 पवन कुमार गुप्ता, मुबैद अख्तर, नवल किशोर सिंह ने अहम भूमिका निभाई।

एसपी ने भंडरा थाना का निरीक्षण किया, कहा

भयमुक्त वतावरण को ले पुलिस प्रशासन प्रतिबद्ध

- दुगार्पूजा एवं अन्य त्यौहारों के मद्देनजर चुस्त दुरुस्त पेट्रोलिंग करने का निर्देश

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। शुक्रवार को एसपी आर रामकुमार ने भंडरा थाने का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान एसपी ने थाने में विभिन्न अभिलेखों का अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने फरार वारंटियों की पंजी, विभिन्न कांडों की समीक्षा की। साथ ही गिरफ्तारी पंजी, चौकीदार पंजी, स्थाई वारंट पंजी सहित अन्य अभिलेखों का निरीक्षण किया। दुगार्पूजा एवं अन्य त्यौहारों के मद्देनजर चुस्त दुरुस्त पेट्रोलिंग करने हेतु निर्देशित किया गया। निरीक्षण के क्रम में थाना के सभी अभिलेख अपराध संचिका, डकैती, लूट पंजी, दागी रजिस्टर, मालखाना पंजी, थाना खतियान, रोकड़ बही, फरारी पंजी, दागी पंजी , गुंडा रजिस्टर, लंबित कांडो की समीक्षा आदि का विस्तृत रूप से अवलोकन किया गया। पाई गई त्रुटि को सुधार करने एवं सीमावर्ती क्षेत्रों के थानों में सक्रिय अपराधियों को चिन्हित करते हुए करवाई करने का निर्देश दिया गया है। थाना भवन, पुलिस कर्मियों के रहने के अवसान, थाना हाजत, मोर्चा, मालखाना आदि का भौतिक निरीक्षण भी किया गया। थाना परिसर के सफाई उच्च कोटी के पाये जाने पर पुलिसकर्मियों के मनोबल को बढ़ाये रखने हेतु पुरुस्कृत भी किया गया। कहा कि उग्रवाद और अपराध के खिलाफ अभियान को और तेज करें। एसपी ने फरार अभियुक्तों की गिरफ्तारी पर विशेष रूप से बल दिया। उन्होंने कहा कि विधि - व्यवस्था चुस्त दुरुस्त बनाए रखे। व्यवस्था में खलल डालने वालो के खिलाफ त्वरित करवाई करें। अफवाह फैलाने वालों के विरुद्ध कड़ी से कड़ी कार्रवाई करें। एसपी ने कहा भयमुक्त वतावरण को ले पुलिस प्रशासन प्रतिबद्ध है। इसमें पुलिस अधिकारी अपना योगदान निभाएं। इसमें कोई कोताही नहीं बरतें। मौके पर पुलिस उपाधीक्षक (मुख्यालय) परमेश्वर प्रसाद, पुलिस निरीक्षक, लोहरदगा अंचल, थाना प्रभारी, भंडरा थाना एवं थाना के पदाधिकारी एवं जवान उपस्थित थे। जोनल पदाधिकारी/थाना प्रभारी को क्षेत्र के प्रमुख व्यवसायियों एवं प्रबुद्ध नागरिकों को सीसीटीवी की उपयोगिता एवं उसकी महत्ता से अवगत कराकर सीसीटीवी लगाने हेतु प्रेरित करने के लिए बोला गया।

लोहरदगा में देशी लोडेड पिस्टल के साथ एक अपराधकर्मी गिरफ्तार

लोहरदगा। दुर्गोत्सव को लेकर पुलिस अधीक्षक आर रामकुमार के निर्देश पर चलाए जा रहे विशेष छापामारी अभियान के दौरान पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। बगडू थाना क्षेत्र के आनंदपुर गांव निवासी सुजीत उरांव के घर से पुलिस ने एक लोडेड देसी पिस्टल, एक जीवित कारतूस जब्त किया है। इस मामले में बगडू थाना में आरोपी सुजीत उरांव के विरुद्ध बगडू थाना काण्ड सं0-27/22, दिनांक-29.09.2022 धारा-25 (1-बी) ए / 26 आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर पुलिस उसे गिरफ्तार कर जेल भेज दी है। पुलिस टीम लोहरदगा जिले में अवैध हथियारों से जुड़े गिरोह के विरुद्ध लगातार पड़ताल कर रही है। पुलिस के समक्ष इस संदर्भ में आरोपी सुजीत उरांव ने कई महत्वपूर्ण जानकारी दिया है। पुलिस टीम इस पर छापामारी कर रही है। इस संदर्भ में एसडीपीओ वशिष्ठ नारायण सिंह ने बताया कि दुर्गा पूजा को लेकर पुलिस अलग अलग टीम बनाकर दागी, संदिग्ध व्यक्तियों पर कड़ी निगरानी रख रही है। जुआ शराब अड्डो पर भी छापेमारी की जा रही है। लोहरदगा सदर थाना प्रभारी अनिल उराँव, बगडू थाना प्रभारी विश्वजीत कुमार सिंह, थाना प्रभारी, टीनू साव, कुलदीप कुमार राम, अब्राहम अलमा मुर्मू, संजय कुमार समेत अन्य शामिल थे।

शैलपुत्री दुर्गा मंदिर जलडेगा में धूमधाम से चल रही शारदीय नवरात्र

जलडेगा। प्रखंड मुख्यालय मां शैलपुत्री दुर्गा मंदिर में शारदीय नवरात्र पुजन हर्षोल्लास के साथ धुमधाम से मनाया जा रहा है। मां भगवती दुर्गा मां के चरणों में प्रति दिन महा आरती एवं ग्रामिणो के सहयोग के महा प्रसाद का भोग लगाया जा रहा है, पन्नालाल साहू, राजू साहू, आशिष साहू, विपूल साहू, सुरज अग्रवाल, बिन्देश्वर साहू, पिया कुमारी ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्वरूपा मां दुर्गे की पुजन में महाप्रसाद का भोग चढ़ाया गया। मंदिर में श्रद्धालु भक्तओं की आस्था का सैलाब उमड़ रहा है। ग्राम हितार्थ सार्वजनिक रूप से मां दुर्गा शैलपुत्री मंदिर में कलश की स्थापना कर मां दुर्गे की नव रूपों की विधिवत पुजन अराधना की जा रही है। बुधवार को मां दुर्गा के तृतीय स्वरूप ब्रह्मचारिणी की पुजा की गई। पुजन विधी पंडित अरूण कुमार मिश्रा एवं यजमान दिनेश साहू व जंयती देवी के द्वारा निभाया गया।

बालाजी एसोसिएट ने मजदूरों को काम से वंचित करने के खिलाफ आजसू ने मोर्चा निकाला

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। अखिल झारखंड श्रमिक संघ (आजसू पार्टी)द्वारा पाखर माइंस में हिंडालको के ठेकेदार बालाजी एसोसिएट द्वारा मजदूरों को काम से वंचित करने के खिलाफ मोर्चा निकाला गया एवं धरना प्रदर्शन किया गया। विदित हो कि 2 महीने से माइंस बंद होने के कारण पाखर के ग्रामीणों के बीच भुखमरी की स्थिति उत्पन्न हो गई है। लेकिन लोहरदगा के जनप्रतिनिधि इस ओर ध्यान नहीं दे रहे हैं। यह निंदनीय विषय है। पैदल मार्च कचहरी मोड़, लोहरदगा साइडिंग, हिंडालको गेट, मैंना बगीचा, उपायुक्त कार्यालय होते हुए कचहरी मोड़ शहीद सुदर्शन भगत के प्रतिमा के समीप समाप्त करते हुए धरना प्रदर्शन किया गया। उपायुक्त लोहरदगा को इस संदर्भ में ज्ञापन सौंपा गया एवं 1 सप्ताह के अंदर मजदूरों की जायज मांग को पूरा करने को लेकर हिंडालको से वार्ता कराने को कहा गया अन्यथा पाखरं माइंस में चक्का जाम कराई जाएगी। धरना प्रदर्शन में मुख्य रूप से नीरू शांति भगत, सूरज अग्रवाल, अंजू देवी, अरविंद यादव, मालती टोप्पो, मुनिया उरांव, हेमंती देवी, हरि महली फुलदेवनगेसिया, राजेंद्र लोहरा, के साथ अखिल झारखंड मजदूर संघ के अध्यक्ष बाबूलाल नगेसिया के साथ पाखरं माइंस के सैकड़ों महिलाएं पुरुष एवं बच्चे उपस्थित हुए।

नगर परिषद सिमडेगा की मासिक बोर्ड की बैठक संपन्न

बेहतर कार्य करने वाले कर्मियों को किया सम्मानित

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। नगर परिषद कार्यालय सभागार में शुक्रवार को नगर परिषद की मासिक बोर्ड बैठक का आयोजन किया गया बैठक की अध्यक्षता नगर अध्यक्ष पुष्पा कुल्लू के द्वारा किया गया। मौके पर उपाध्यक्ष ओम प्रकाश साहू कार्यपालक पदाधिकारी सह अनुमंडल पदाधिकारी महेंद्र कुमार एवं वार्ड पार्षद तथा सभी कनीय अभियंता एवं नगर प्रबंधक उपस्थित रहे। बैठक की शुरूआत करते हुए सफाई कर्मियों के बीच आयुष्मान कार्ड का वितरण किया गया। इस मौके पर प्रत्येक माह बेहतर कार्य करने वाले कर्मियों को शाल ओढ़ाकर तथा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया जिसके बाद बैठक की शुरूआत की गई। बारे में चर्चा किया गया कि सिम लगा कि अटल पार्क को जल्द हस्तगत किया जाए जिस पर कनीय अभियंता द्वारा बताया गया कि कुछ कार्य अभी पर आकलन बने हैं जो होने के बाद उसे हस्त गत की जाएगी। वह इसके अलावा सभी सफाई कर्मियों का समय-समय पर स्वास्थ्य जांच कराने का चर्चा हुआ इसके अलावा नमाजी कंप्लेंस के समीप कल्वर्ट बनाने, अनुमंडल पदाधिकारी ने कहा कि जिन वार्डों में कार्य समय पर पूरे नहीं हुए हैं उन्हें जल्द से जल्द पूरा करवाएं ताकि सरकार की योजनाओं का लाभ आमजन तक मिल सके। बताया गया कि वार्ड 3 में प्रस्तावित भूमि विवादित होने कारण पीसीसी पथ निर्माण कार्य नहीं हो सका है जिसे आपत्ति करने वाले व्यक्तियों को न्यायालय में उपस्थित कराकर विवादित स्थल को समस्या समाधान कराने संबंधित नगर प्रबंधक को नोटिस दिला कर उपस्थित रहने का निर्देश कराने की बात कही। वहीं वार्ड 19 में कल्वर्ट एवं नाली निर्माण संबंधित चर्चा हुआ। साथी साथ खेलने का बाजार में आश्रय गृह का गेट खोलने को लेकर निर्णय लिया जिस पर 1 सप्ताह के अंदर प्राक्कलन बनाकर कार्य करने की बात कही। वहीं अध्यक्ष उपाध्यक्ष एवं कार्यपालक पदाधिकारी के कमरे में अभियंताओं के लिए एक एक कंप्यूटर सेट खरीदने पर भी चर्चा हुआ साथ ही अध्यक्ष द्वारा मार्केट कंपलेक्स अंतर्गत दुकानदारों का रेंट बकाया भुगतान हेतु नोटिस निर्गत करने के संबंध में चर्चा हुई जिस पर कार्यपालक पदाधिकारी द्वारा बताया कि सभी वार्ड पार्षद की बैठक में लिए गए निर्णय के आलोक में डेली मार्केट ,बस स्टैंड के बकायेदार दुकानों को जमा करने हेतु बांके बिहारी साहू द्वारा नोटिस किया गया था जिसके आलोक में 25 दुकानदारों ने जमा किया है बाकी दुकानदारों को जमा कराने की बात कही गई इसके अलावा कई बिंदुओं पर चर्चा हुआ।

केंद्रीय संचार ब्यूरो, गुमला ने यूनाइटेड इंडिया फॉर स्वच्छता कार्यक्रम आयोजित

एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय परिसर में छात्राओं ने किया स्वच्छता श्रमदान

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। भारत सरकार, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के केंद्रीय संचार ब्यूरो, क्षेत्रीय कार्यालय, गुमला द्वारा यूनाइटेड इंडिया फॉर स्वच्छता सप्ताह के अवसर पर एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय परिसर, कुजरा, लोहरदगा में 30 सितंबर, 2022 को स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर स्वच्छता से जुड़ी जानकारी दी गई, साथ ही विद्यालय में केंद्रीय संचार ब्यूरो गुमला द्वारा डस्टबिन, झाड़ू, ग्लव्स, सैनिटाइजर आदि का वितरण किया गया। इस अवसर पर एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय, कुजरा, लोहरदगा की प्राचार्या श्रीमती अमृता मिश्रा, शिक्षिका सुनीता कुमारी, नीलू कुमारी, प्रीति गुप्ता एवं मदन कुमार महतो, सत्यम सतलज, निर्भय कुमार और अन्य कर्मचारी के साथ केंद्रीय संचार ब्यूरो की क्षेत्रीय प्रचार अधिकारी श्रीमती महविश रहमान उपस्थित थी। अपने संबोधन में क्षेत्रीय प्रचार अधिकारी श्रीमती महविश रहमान ने स्वच्छता के महत्व पर जानकारी दी। साथ ही प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार द्वारा चलाए जा रहे यूनाइटेड इंडिया फॉर स्वच्छता अभियान के बारे में चर्चा की। उन्होंने सभी को कोरोना के प्रति जागरूक रहने के लिए कहा और कोविड-19 अनुरूप व्यवहारों का पालन करने की अपील की। विद्यालय की प्राचार्या अमृता मिश्रा ने छात्राओं से विद्यालय परिसर में सिंगल यूज प्लास्टिक इस्तेमाल ना करने की अपील की और विद्यालय परिसर को हमेशा साफ रखने का प्रण करवाया। उन्होंने सभी को मास्क और सैनिटाइजर का उपयोग करने और नियमित हाथ धोने की बात कही। साथ ही केंद्रीय संचार ब्यूरो, गुमला के सौजन्य से दिए जा रहे डस्टबिन, सैनिटाइजर, झाड़ू आदि अन्य उपयोगी वस्तुओं का इस्तेमाल करने की सलाह दी। उन्होंने उपस्थित सभी लोगों को स्वच्छता शपथ ग्रहण करवाया। तत्पश्चात सभी ने विद्यालय परिसर में स्वच्छता श्रमदान दिया और पूरे परिसर की सफाई की गई। कार्यक्रम को सफल बनाने में एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय के शिक्षक शिक्षिका, कर्मचारी, छात्राओं और केंद्रीय संचार ब्यूरो गुमला के अंजनी मिश्रा, अतुल्य रत्न तिर्की एवं संजय साहू की महती भूमिका रही।

शहरी क्षेत्र में वाहन चोरी करने वाले गिरोह का पदार्फाश

चोरी की तीन बाइक बरामद, एक गिरफ्तार

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। लोहरदगा शहरी क्षेत्र वाहन चोरी करने वाले एक गिरोह का उद्भेदन किया गया। जिसमें अलग अलग इलाको से कुल तीन मोटरसाइकिल की बरामदगी किया गया है जबकि इस मामले में एक अपराधी को गिरफ्तार किया गया हैं। गिरफ्तार अपराधी की पहचान रविन्द्र उराँव उम्र करीब 19 वर्ष, पिता- जउवा उरांव, ग्राम - मुर्की तोड़ार सेन्हा के रूप में किया गया है। उसकी निशानदेही पर अलग अलग क्षेत्रों से तीन बाइक बरामद किया गया है। एक मोटरसाईकिल माण्डर थाना क्षेत्र से बरामद किया गया है तथा दो मोटरसाईकिल को लोहरदगा थाना क्षेत्र से एक राजा बंगला उर्सलाईन टीचर ट्रेनिंग सेन्टर के पास से एवं एक राजा बंगला के पीछे झाडीनुमा क्षेत्र में छुपा कर रखे गए मोटरसाईकिल बरामद किया गया। इस मामले में लोहरदगा सदर थाना काण्ड सं0-234 / 22, दर्ज किया गया है। पुलिस कार्रवाई में लोडेड पिस्टल एक, कारतूस एक, तीन पल्सर बाइक जिसमे एक बाइक का नम्बर जेएच 08 एफ 8674 है जबकि दो का सिर्फ चेसिस नम्बर उपलब्ध है।

न्यूज गैलरी

विद्यालयों में एमडीएम बंद हुआ तो होगी कार्रवाई: डीईओ

मेदिनीनगर। पलामू डीईओ अनिल कुमार चौधरी ने कहा कि यदि किसी भी विद्यालय में मध्याह्न भोजन बंद हुआ, तो सीधे कार्रवाई की जायेगी। सभी बीईईओ व संबंधित प्रखंड स्तरीय आपरेटर इसकी निगरानी करें। वे गुरूवार को डीएसई कार्यालय सभागार में जिला के बीईईओ, बीपीओ व मध्याह्न भोजन के प्रखंड स्तरीय आपरेटर की समीक्षा बैठक कर रहे थे। समीक्षा में बताया गया कि द्वितीय त्रिमासिक (जुलाई से सितंबर माह तक) खाद्यान्न उपलब्ध कराकर वितरित कर दिया गया। डीईओ ने इस पर निर्देश दिया कि यदि अब भी कोई विद्यालय प्रबंधन खाद्यान्न का उठाव नहीं किया है तो करके इसका वितरण सुनिश्चित कराएं। मीनू के तहत बच्चों को बेहतर भोजन दें। उन्होंने कहा कि कार्य में कोताही बर्दाश्त नहीं की जायेगी। संबंधित पदाधिकारी व आपरेटर पूरी ईमानदारी से अपने दायित्व का निर्वाह करें। मध्याह्न भोजन की नियमित मोनिटरिंग करें। जांच में कहीं कोई गड़बड़ी मिलती है तो सीधे कार्रवाई करें। बैठक में बीईईओ बलराम पाठक, महेंद्र प्रजापति, रामानंद सिंह, जीतवाहन सिंह, जिला आपरेटर विनय कुमार समेत प्रखंड आपरेटर अजीत कुमार तिवारी, आशीष कुमार शुक्ला, शंभूशरण शर्मा, राधेश्याम ठाकुर, अमरजीत पटेल, अभय कुमार सिंह, अमित रंजन, विष्णु टोप्पो, चिंतामणि विश्वकर्मा, सतीश कौशल, संजय कुमार महतो, अमृतेश मिश्रा, प्रवेश कुमार, विजेंद्र पटेल, दीपक कुमार सिन्हा, विपुल कुमार सिंह, अनिमेश पाठक, लिपिक प्रशांत बिहारी समेत सभी आपरेटर मौजूद थे।

केदारनाथ का दर्शन करायेगा जय भवानी संघ

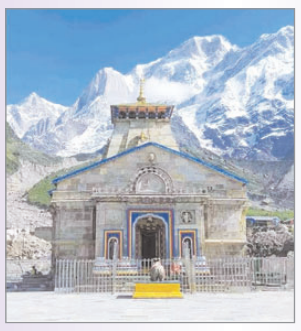

मेदिनीनगर। इस बार स्थानीय जय भवानी संघ के द्वारा शहरवासियों को उत्तराखंड के केदारनाथ मंदिर का प्रारूप का दर्शन करायेगा। जय भवानी संघ के अध्यक्ष नवीन कुमार गुप्ता उर्फ लाल बाबू ने बताया कि कोरोना के कारण दो वर्षो से संघ के द्वारा कोई बड़ा प्रारूप नही बनाया गया था। लेकिन इस बार संघ के द्वारा भव्य प्रारूप बनाया जा रहा है। 1969 में स्थापित संघ के द्वारा लगातार पंडाल बनाकर माता का पूजन किया जाता रहा है। इस बार संघ के द्वारा 54 वां स्थापना वर्ष मनाया जा रहा है।अध्यक्ष ने बताया कि श्रद्धालुओं के लिए पंडाल में विशेष सुविधा दिया गया है, ताकि किसी को भी माता के दर्शन में कोई परेशानी न हो। महिलाओं और पुरुषों के लिए अलग अलग व्यवस्था किया गया है। पूरे रोड में विद्युत साज-सज्जा भी किया गया है। वही सप्तमी से लेकर दशमी तक महाप्रसाद का भी वितरण किया जायेगा। संघ के महामंत्री के रूप में मनोहर कुमार लाली और कोषाध्यक्ष के रूप में दिनेश कुमार को जिम्मेवारी दी गई है।

पूर्व मंत्री केएन त्रिपाठी ने नामांकन पत्र दाखिल किया

मेदिनीनगर। झारखंड के पूर्व मंत्री केएन त्रिपाठी ने कांग्रेस अध्यक्ष पद के चुनाव के लिये शुक्रवार को नामांकन पत्र दाखिल किया । त्रिपाठी ने अपना नामांकन पत्र यहां पार्टी मुख्यालय में कांग्रेस के केंद्रीय चुनाव प्राधिकार के अध्यक्ष मधुसूदन मिस्त्री को सौंपा । त्रिपाठी के अलावा राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे तथा पूर्व केंद्रीय मंत्री शशि थरूर ने भी कांग्रेस अध्यक्ष पद के चुनाव के लिए अपने अपने नामांकन पत्र दाखिल किये हैं। ज्ञात हो कि त्रिपाठी कांग्रेस से जुड़े इंडियन नेशनल ट्रेड यूनियन कांग्रेस (त्रिपाठी गुट) के अध्यक्ष रहे हैं । गौरतलब है कि केएन त्रिपाठी डाल्टनगंज से विधायक एवं झारखंड के पिछले सरकार में मंत्री रह चुके हैं। मंत्री रहने के दौरान उनके कार्यकलापों एवं बेबाक निर्णय के लिए उन्हें आज भी याद किया जाता है। वर्तमान में वे इंटक के राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं। उन्होंने मगध फाउंडेशन का गठन किया है। जिसका उद्देश्य मगधकालीन अखंड भारत की प्राचीन गरिमा को पुनर्स्थापित करना है। नामांकन से पूर्व उन्होंने बताया कि भारत के सभी राज्यों से उनके मित्रों ने फोन कर उन्हें चुनाव मैदान में उतरने के लिए कहा। इसलिए उन्होंने नामांकन पत्र जमा किया हैं। बहरहाल केएन त्रिपाठी के चुनाव मैदान में उतरने से पलामू, झारखंड, बिहार, उतरप्रदेश समेत पूरे भारत में हर्ष का माहौल व्याप्त है।

गुरु की महिमा अपरंपार : श्रीराम शास्त्री

मेदिनीनगर। गुरु की महिमा अपरंपार है। सद्गुरु लोगो के सारे कष्ट दूर कर देते हैं। उक्त बातें अयोध्या से पधारे संत श्रीराम शास्त्री ने कही । वे गुरुवार की रात पोलपोल में आयोजित श्रीराम चरित मानस यज्ञ प्रवचन में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि संसार में पूर्ण रूप से कोई सुखी नहीं है । महाराज दशरथ के पास सभी सुख सुविधा थी पर संतान प्राप्ति के लिए दुखी थे। इसलिए उन्होंने गुरु का शरण लिया। गुरु ने उन्हें यज्ञ कराने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि जीवन में दुःख आये तो संत सद्गुरु के पास जाना चाहिए। उन्होंने श्री राम कथा की चर्चा करते हुए कहा कि कथा सुनने से तीन प्रकार के कष्ट दूर हो जाते हैं। दैविक, दैहिक और भौतिक ताप नष्ट हो जाते हैं । उन्होंने कहा कि भगवान की कथा श्रवण मात्र से ही पापी पाप मुक्त हो जाते हैं। उन्होंने कहा कि मानव का सबसे पहला कर्तव्य भक्ति करना है। जो फल दान और तीर्थ से नहीं मिलता है। वह कलयुग में कीर्तन, भजन सत्संग से प्राप्त होता है । मौके पर आनन्द सिंह ,शिव कुमार सिंह, शशि सिंह ,उमेश प्रसाद, जेपी सिंह, पन्नू सिंह , संतोष ,कुमार पांडेय, शिव शंभू नाथ सिंह मोहन ठाकुर, सुनील सिंह ,अखिलेश सिंह, राधेश्याम सिंह ,विमल कुमार, विमलेश सिंह समेत दर्जनों लोग उपस्थित थे।

रेस परियोजना के अंतर्गत मीडिया कार्यशाला का आयोजन, बोले एके सिंह

आज हम सोलर एनर्जी के क्षेत्र में बहुत तेजी से कार्य कर रहे हैं

नवीन मेल संवाददाता

रांची । रांची के होटल ए.वी.एन. ग्रैंड मे लीड्स संस्था के अंतर्गत रेस परियोजना के द्वारा मीडिया कार्यशाला का आयोजन किया। इस कार्यशाला में मुख्य अतिथि के तौर पर मधुकर जी, विशिष्ठ अतिथि के तौर पर संस्था के सचिव एके सिंह जी, सह गुमला, सिमडेगा रांची व खुटी के जिले से माननीय पत्रकार बंधु शिरकत करने पहुंचे।

एके सिंह ने रेस परियोजना के बारे मे विस्तृत जानकारी दिया। उन्होंने कहा की आज हम सोलर एनर्जी के क्षेत्र मे बहुत तेजी से कार्य कर रहे हैं,लिड्स संस्था यूरोपियन यूनियन के सहयोग से झारखण्ड राज्य के चार जिलों मे कार्य कर रहे हैं इस कार्य मे भारत सरकार का भी बहुत सहयोग मिल रहा है.

आगे एके सिँह जी ने कहा है की आज हम इस परियोजना के माध्यम से ग्राम स्तर पर युवाओं को टेक्निकल माध्यम से प्रशिक्षण देकर ग्राम स्तर पर ही असेंबल करने का का कार्य किया जा रहा, जिससे युवाओं को अपने

गाँव मे ही एक रोजगार मिल जा रहा है साथ ही जितने भी वेस्ट छएऊ बल्ब है उसे अब बनाकर उपयोग किया जा रहा है, साथ ही स्कूलों मे इको क्लब के माध्यम से बच्चों को भी जागरूक किया जा रहा है। जिससे नए पीढ़ी मे एक नये सोच को जन्म दिया जा सकें,। एके सिंह ने आगे कहा की आज के इस प्रोग्राम मे हमारे पत्रकार बंधु आज के समाज के आँख, नाक, कान हैं। जो हमारे द्वारा किये जा रहे कार्यों मे महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं, आप सब सभी पत्रकार बंधु का हम आभार व्यक्त करते हैं।

इस क्रम मे रेस परियोजना के समन्वयक महेंद्र कुमार ने बताया की मीडिया इस कार्यक्रम के सबसे महत्वपूर्ण अंग हैं, ग्राम स्तर पर जो भी हम कार्य कर रहे हैं उसे सक्सेज स्टोरी के माध्यम से मिडिया जगत मे स्थान देकर समाज को जागरूक करने का कार्य आप सब बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

महेंद्र कुमार जी ने कहा बताया की आज हम कुसुम योजना के अंतर्गत खुटी जिले मे 421 ट्यूबल को इनस्टॉल कराया गया, जिसमे जरेडा का भी सहयोग रहा,साथ ही सभी जिलों मे असेम्बलिंग यूनिट, सोलर द्वारा चलित रागी मिल जैसी अनेको योजनाओं को प्रकाशित करने का कार्य, समाज मे जागरूकता प्रदान करने का कार्य पत्रकार बंधु के द्वारा किया जा रहा है।

समाज को सकारात्मक संदेश देने के लिए मीडिया महत्वपूर्ण कड़ी

मुख्य अतिथि एवं वरिष्ठ पत्रकार माननीय मधुकर जी ने कहा की संस्था के कार्यों,सरकारी कार्यक्रमों और योजनाओं के बारे में समाज को सकारात्मक संदेश देने के लिए मीडिया हम सब के कार्यक्रमों और योजनाओं के बारे में समाज को सकारात्मक संदेश देने के लिए एक महत्वपूर्ण माध्यम है। मीडिया संस्था व सरकार के लिए आंख और कान है क्योंकि रेस परियोजना के द्वारा किये जा रहे कार्यों,योजनाओं और योजनाओं पर उनकी रिपोर्टिंग समाज मे महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है, जिससे लिड्स रेस रेस के द्वारा किये जा रहे जागरूक कार्यक्रम और योजनाओं की प्रभावशीलता को बढ़ाने की महत्वपूर्ण माध्यम पत्रकार बंधु हैं। मधुकर जी ने आगे कहा की प्रकृति ने हमें बहुत कुछ दिया है, लेकिन उसे हम उपयोग नहीं कर पा रहे है, उसी उपयोग को आप मीडिया बंधु जो समाज मे प्रसारित कर रहे हैं। वह बहुत महत्वपूर्ण कार्य है, इसके लिए लिड्स रेस के साथ साथ मिडिया के लोगों को बहुत बहुत धन्यवाद, जो यह महत्वपूर्ण कार्य आप अपने लिए नहीं अपितु समाज के लिए कर रहे हैं। इस कार्यक्रम में चार जिलों के पत्रकार उपस्थित हुए। कार्यक्रम को सफल बनाने में लीड्स संस्था की रेस परियोजना की चार जिलों की पूरी टीम ने अपना योगदान दिया।

बरवाडीह अंचल कार्यालय में साप्ताहिक जनता दरबार का किया गया आयोजन

नवीन मेल संवाददाता

बरवाडीह। जिला उपायुक्त भोर सिंह यादव के निर्देश पर शुक्रवार को प्रखंड सह अंचल कार्यालय परिसर में साप्ताहिक जनता दरबार का आयोजन किया गया जहां जनता दरबार में प्रखंड विकास पदाधिकारी राकेश सहाय के साथ-साथ प्रखंड के पश्चिमी क्षेत्र की जीप सदस्य सन्तोषी शेखर पूर्वी के सदस्य कन्हाई सिंह 20 सूत्री अध्यक्ष नसीम अंसारी और विधायक प्रतिनिधि प्रेम सिंह पिंटू उपस्थित रहे । जनता दरबार के दौरान जहां छेचा पंचायत के उप मुखिया राणा प्रताप सिंह ने पंचायत के बाल किशन सिंह के साथ मिलकर बीते 1 माह पूर्व वज्रपात के दौरान बाल किशन सिंह के दो पशुधन की मौत के मामले में मुआवजा दिलाने को लेकर आवेदन देने का काम किया। इसके बाद प्रखंड विकास पदाधिकारी के द्वारा मामले में संज्ञान लेते हुए संबंधित विभाग को जांच कर जल्द से जल्द मुआवजा भुगतान करने का निर्देश दे दिया .। वही इस दौरान प्रखंड के लगभग आधे दर्जन से अधिक लोगों के द्वारा विधवा और विधा पेंशन को लेकर आवेदन देने का काम किया गया जिसकी तत्काल स्वकृति प्रदान प्रखंड विकास पदाधिकारी के द्वारा कर दी गई । वही लगभग 3 घंटे के जनता दरबार के दौरान 2 दर्जन से अधिक मामले राशन पेंशन आवास भूमि से संबंधित प्राप्त हुए जिनमें से आधे से अधिक मामलों का निष्पादन मौके पर ही कर दिया गया । इस दौरान अंचल निरीक्षक रमेश प्रसाद प्रखंड सहायक कृपा टोप्पो विजय कुमार पप्पू अरुण कुमार समेत अन्य कर्मी मौजूद थे।

बीएस डीएवी के बच्चों ने मनाया डांडिया डे

नाटक मंचन कर दर्शकों का मोहा मन

नवीन मेल संवाददाता

लातेहार। शहर के जलता स्थित भोला शरण डीएवी पब्लिक स्कूल के बच्चों ने शुक्रवार को सीसीए कार्यक्रम के अंतर्गत डांडिया डे मनाया। वही बच्चों ने रामायण के कई महत्वपूर्ण प्रसंगों को नाट्य रूपांतरण प्रस्तुत कर सभी को दशहरा पर्व के बारे में भी बतलाया। कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यालय के कक्षा एक और दो के बच्चों ने दुर्गा पूजा विषय पर पेंटिंग प्रतियोगिता और कक्षा तीन और 4 के विद्यार्थियों ने हाउस बोर्ड डेकोरेशन प्रतियोगिता में भाग लिया।

सीनियर में कक्षा पांच, छह, सात और आठ के बच्चों ने रामायण के प्रसंग को नाटक के रूप में प्रस्तुत किया । बच्चों ने भगवान श्री राम,लक्ष्मण, भरत, शत्रुघ्न ,राजा दशरथ ,हनुमान, सुग्रीव, वानर सेना, मां दुर्गा, रावण और अयोध्या वासी बनकर प्रस्तुति दी । मंच पर उतरे छोटे छोटे बच्चों को इस

मनमोहक रूप में देखकर दर्शक दीर्घा में उपस्थित विद्यालय परिवार जोरदार तालियों से इनका स्वागत किया । सभी बच्चों में अपने अपने चरित्र-पात्र प्रस्तुति को लेकर काफी उत्साह देखने को मिला ।

विद्यालय के संगीत शिक्षक सूरज कुमार मिश्रा के निर्देशन में प्रस्तुत नाटक में तीन दृश्यों को दशार्या गया । विद्यालय के सभी बच्चों ने नवरात्र सेलिब्रेशन में एक से बढ़कर एक मनमोहक डांडिया- गरबा नृत्य की प्रस्तुति दी। इस अवसर पर विद्यालय के प्रभारी प्राचार्य श्री प्रभात रंजन ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी विद्यार्थियों, शिक्षक-शिक्षिकाओं, कर्मचारियों को कार्यक्रम के सफल संचालन हेतु धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजनों से समाज में अपनी धार्मिक संस्कृति के प्रति सकारात्मक संदेश और सामाजिक जागरूकता फैलती है। मौके पर प्रभात रंजन, संगीत शिक्षक सूरज मिश्रा अरुण पांडेय, शिक्षिका शकुंतला पाल सहित अन्य उपस्थित थे।

जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट के शासी समिति की हुई बैठक

चतरा। शुक्रवार को डीआरडीए प्रशिक्षण भवन में आयोजित जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट के शासी समिति की बैठक में राज्य के श्रम मंत्री सत्यानन्द भोगता व सांसद सुनील कुमार सिंह शामिल हुए। बैठक में जिले के विकास हेतु कई महत्त्वपूर्ण योजनाओं की स्वीकृति प्रदान की गई। इस दौरान चयनित लाभार्थियों के बीच करोड़ों रुपए की परिसम्पत्तियों का वितरण मंत्री श्री भोगता, सांसद श्री सिंह एवं सिमरिया विधायक किशुन दास के द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। बैठक में मंत्री, सांसद, विधायक सिमरिया, जिप अध्यक्ष ममता कुमारी, उपायुक्त अबू इमरान, उपविकास आयुक्त उत्कर्ष गुप्ता, एसडीओ मुमताज अंसारी समेत सभी विभागों के वरीय अधिकारी मौजूद थे।

मुख्यमंत्री स्वास्थ्य सहायता योजना को लेकर हुई बैठक

योग्य लाभुकों को अनुदान राशि देने पर हुई चर्चा

नवीन मेल संवाददाता

डंडई। प्रखंड कार्यालय कक्ष में सोमवार को बीडीओ सोमा उरांव की अध्यक्षता में मुख्यमंत्री स्वास्थ्य सहायता योजना को लेकर बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्य रूप से मुख्यमंत्री स्वास्थ्य सहायता योजना के तहत योग्य लाभुकों को अनुदान राशि देने के बारे में चर्चा की गई। उन्होंने कहा कि प्रखंड में निवास करने वाले अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति, पिछड़ी जाति एवं अल्पसंख्यक लोगों को सरकार द्वारा स्वास्थ्य के क्षेत्र में सहायता राशि प्रदान की जा रही है। जिसके तहत गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले एवं कम आय वाले लोगों को कल्याण विभाग के द्वारा स्वास्थ सहायता योजना के तहत तीन हजार रुपए से लेकर दस हजार रुपए तक

का अनुदान राशि देना है। वीडियो ने जानकारी देते हुए बताया कि आवेदक द्वारा जाति, आय, निवास, राशन कार्ड, खाता संख्या के साथ-साथ चिकित्सा पदाधिकारी से अनुशंसा करा कर आवेदन को प्रखंड कल्याण विभाग के कार्यालय में जमा करें। प्रखंड समिति द्वारा योग्य लाभुकों का चयन कर सूची जिले को भेज दी जाएगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार स्वास्थ्य विभाग के माध्यम से स्वास्थ्य सेवाएं व चिकित्सीय उपचार को बेहतर करने का प्रयास कर रही है। इस योजना का व्यापक प्रचार प्रसार करते हुए अधिक से अधिक लोगों को लाभ दिलाने को लेकर शिविर के माध्यम से लोगों को जागरूक किया जाएगा। शिविर में योग्य लाभुकों का चयन करते हुए चिकित्सा प्रभारी द्वारा मरीजों की जांच पड़ताल कर अविलंब अनुशंसा किया जाएगा। मौके पर मुख्य रूप से मेराल चिकित्सक अनूप मड़की, जिला परिषद सदस्य मोहन पासवान, प्रमुख प्रतिनिधि घुरबिग्न बैठा विधायक प्रतिनिधि दिनेश राम, सांसद प्रतिनिधि उत्तम देव प्रजापति, 20 सूत्री उपाध्यक्ष भोलाराम, कल्याण पदाधिकारी बलराम शर्मा आदि उपस्थित थे।

37 ग्राम अवैध ब्राउन शुगर के साथ दो गिरफ्तार, भेजे गये जेल

नवीन मेल संवाददाता

चतरा। पुलिस अधीक्षक राकेश रंजन को मिली गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने सदर थाना क्षेत्र के गंधरीया से 37 ग्राम ब्राउन शुगर के साथ दो युवकों को गिरफ्तार कर शुक्रवार को जेल भेज दिया। एसडपीओ अविनाश कुमार ने उपरोक्त जानकारी देते हुए बताया कि एसपी के दिशा निर्देश पर सूचना के आलोक में पुलिस उपाधीक्षक(प्रशिक्षु) धनंजय राम के नेतृत्व में छापामारी टीम का गठन किया गया और टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए चतरा-इटखोरी मार्ग पर गंधरिया मस्जिद के पास वाहन चेकिंग लगाया, इस दौरान बाइक पर सवार दो व्यक्ति पुलिस टीम को देख भागने का प्रयास किया। जिन्हें पीछा कर पकड़ कर तलाशी ली गई, जिसमें 37 ग्राम

अवैध ब्राउन शुगर, दो स्मार्टफोन एवं एक कीपैड फोन, 170 रुपये व लाल रंग का पैशन प्रो बाइक बरामद किया गया। गिरफ्तार मनोज साव पिता स्व. मकुल साहू व नन्कु उर्फ तालेश्वर रजक पिता श्यामदेव रजक दोनों साकिन चिरिदेरी थाना राजपुर निवासी को जेल भेज दिया गया। छापामारी टीम में सदर थाना प्रभारी मनोहर करमाली, एसआई प्रकाश सेठ, शिकन्दर शिंकु, एएसआई अजय कुमार व अन्य पुलिस कर्मी शामिल थे।

शांति व्यवस्था को लेकर निकाला गया फ्लैग मार्च

मयूरहंड(चतरा)। दुर्गा पूजा में शांति व्यवस्था बनाए रखने और आपसी भाईचारे के साथ त्योहार मनाने को लेकर मयूरहंड थाना क्षेत्र में बीडीओ सह सीओ साकेत कुमार सिन्हा, पुलिस निरीक्षक शिव प्रकाश व थाना प्रभारी रामवृक्ष राम के नेतृत्व में फ्लैग मार्च निकाला गया। फ्लैग मार्च करमा मोड़ से प्रारंभ हुआ जो थाना पहुंचकर समाप्त हुआ। इस क्रम में लोगों से पूजा शांतिपूर्वक मनाने, सरकारी आदेश का पालन करने की आपील की गई। वहीं लोगों को शांति व सौहार्दपूर्ण वातावरण में पूजा मनाने व दुकानदारों से सड़क पर दुकानें नही लगाने का निर्देश दिया गया। फ्लैग मार्च में बीडीओ, पुलिस निरीक्षक एवं थाना प्रभारी के अलावे एसआई श्रीराम पंडित, सहायक अवर निरीक्षक पंकज कुमार के अलावे सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।

बढ़ रहा है नशा का कारोबार, कम उम्र के बच्चें हो रहे है बर्बाद

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। आज के यूआ पीढ़ी नशा के लिए नए-नए तरकीब अपना रहे हैं। शहर में नशेड़ियों की संख्या दिन-प्रतिदिन बढ़ती चली जा रही है। उन्हें शारीरिक, मानसिक, सामाजिक तथा आर्थिक पहलुओं से भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। फिर भी वे इस लत से छुटकारा नहीं पाना चाहते। ये हर चीज में नशा ढूढ़ने में लगे हैं। बीमारी से निजात दिलाने के लिए बनी दवाओं का उपयोग अब नशे के रूप में किया जाने लगा है। इतना ही नहीं सुलेशन, इंक रिमूबर, पेंट आदि भी नशा के रूप में लोग उपयोग करने लगे हैं। दवा दुकानदार भी अपने फायदे के लिए बिना डाक्टर की पर्ची देखे ही ये नशीली दवाएं बेंच रहे हैं। जिससे उनकी अच्छी आमदनी हो रही है। दर्द और एलर्जी से राहत दिलाने के लिए बनाई गई दवाइयों का उपयोग युवा वर्ग नशे के लिए करने लगे है। पेंटविन इंजेक्शन, कोरेक्स सीरप और स्पाजमो प्राक्सीवान कैप्सूल का नशे के लिए उपयोग किया जा रहा है। नशे के ये सामान मेडिकल स्टोर में 2 रुपए से लेकर 15 रुपए में आसानी से मिल जाते हैं। बताया जाता है कि स्पासमो प्राक्सीवान कैप्सूल पेट दर्द से राहत की दवा है। इसकी कीमत 2 रुपए है। युवा एक साथ चार से पांच कैप्सूल खाकर इसका उपयोग नशे के लिए कर रहे हैं। फिर भी ये दवाएं दुकानों में बिक रही है। **सुलेशन का भी ले रहे सहारा :** नशे के आदी बन चुके लोगों में कुछ लोग शराब के विकल्प को छोड़ सुलेशन का उपयोग नशा के रूप में कर रहे हैं। शायद इनके अंदर मौत का भी खौफ नहीं है। वे सुलेसन का

सहारा नशा पूर्ति के लिए ले रहे हैं। सुलेसन का इस्तेमाल ऐसे हो रहा है जैसे हेरोइन और चरस का होता है। अहम बात यह है कि इस पर न तो जिला प्रशासन की बंदिश है और ना ही परिवार के लोगों को जानकारी। दुकानदार निजी स्वार्थ की पूर्ति के लिए सब कुछ जानने के बाद भी सुलेसन काफी हद तक बेच रहे हैं। **कैसे होता है सुलेशन का उपयोग :** सुलेसन को सूती कपड़े में लगाकर चीलम में डाल देते है फिर उसमें आग लगाकर गांजे की तरह कश लेते है। जिन्हे चीलम नहीं मिलती वे सीधे नाक से धुंआ निगलते है। इसका उपयोग करने वालों की माने तो यह शराब, गांजा और हेरोइन की तरह ही नशा देता है। कुछ लोग तो सुलेशन को एक सूती कपड़ा में डाल कर उसे मुंह के सहारे सांस लेकर इसका सेवन करते है। चिकित्सको का कहना है कि सुलेशन में एसीटोन होता है। जिसे सूंघने पर व्यक्ति को नशा होता है। इससे धीरे-धीरे नींद आती है तथा हृदय गति कम हो जाती है। इसका असर एल्कोहल की तरह ही होता है। ज्यादा लेने पर मौत का भी खतरा है। नशीली दवाओं के दुरुपयोग से आज पूरा विश्व चिंतित व प्रभावित है । जहां तक भारत का प्रश्न है, यहां यह समस्या गंभीर रूप धारण कर चुकी है। इसके दुष्प्रभाव से सरकार, समाज व आम आदमी परेशानी का सामना कर रहा है।

नशा मुक्ति में परिवार की होती है अहम भूमिका : नशा मुक्ति में परिवार की भूमिका अति आवश्यक तथा महत्वपूर्ण होती है। यदि परिवार अपने बच्चों की ऐसी गतिविधियों पर नजर न रखें। क्योंकि धीरे-धीरे वे बच्चे बुरी संगत में पड़ सकते हैं और अपने साथियों के साथ मिलकर छोटे-छोटे नशे करने का प्रयास करने लगते हैं। ऐसे में परिजनों को चाहिए कि अपने बच्चे के साथ समय बिताएं तथा अच्छे संस्कार दें। उसकी दिनचर्या अनुशासित व नियमित करने के लिए कदम उठाए जाएं। समय -समय पर मनोवैज्ञानिकों व मनोचिकित्सकों से संपर्क कर उसकी काउंसलिंग कराई जाए। आवश्यकता पड़ने पर उसे अच्छे नशा मुक्ति केंद्र में भर्ती कराया जाए। जहां उसका पूर्ण रूप से इलाज हो। उसको कभी अकेला न छोड़ा जाए तथा जब कभी वह अकेला महसूस करे तो अच्छे लोगों से संपर्क कराया जाए, जो उसमें अच्छे गुण पैदा करने में योगदान दें।

सम्पादक की कलम से...

कैबिनेट का फैसला स्वागत योग्य

झारखंड कैबिनेट की बैठक में 30 प्रस्तावों को मंजूरी मिल जाने से यहां के लोगों में सरकार के प्रति जवाबदेही दिखनी शुरू हो गयी। कारण महत्वपूर्ण प्रस्तावों में राज्य में श्रेणी दो के बालू घाटों के संचालन का जिम्मा झारखंड खनिज विकास निगम लिमिटेड को अवधि विस्तार देते हुए अगले 3 वर्ष के लिए दे दिया गया है। रांची- पुरुलिया रोड नामकुम आरोबी संगड़ा तक 17 किलोमीटर रोड को फोरलेन किया होगा। इसके लिए 181.73 करोड रुपए की योजना की मंजूरी मिल गई है। बरियातू के बड़गाई लेम बोड़ेया रोड के 4 लेन के लिए 111 .35 करोड़ की योजना की मंजूरी दी गई। सबसे महत्वपूर्ण यह कि कैबिनेट ने लोहरदगा,खूंटी,सरायकेला खरसांवा में 100 बेड वाले क्रिटिकल केयर ब्लॉक हेल्थ हॉस्पिटल भवन बनाने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी है। जो अपने आप में बड़ी बात है। झारखंड फ्लाइंग इंस्टीच्यूट समिति का गठन किया गया, दुमका में इसका प्रशिक्षण संस्थान स्थापित करने की योजना है। नगड़ी ब्लॉक के मुड़मा मौजा में कुष्ठ रोगियों के लिए 256 आवास बनाने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी गई है, इसमें 33.25 करोड़ की लागत आयेगी। 7 किलोमीटर लंबे दुमका बाईपास को चार लेन बनाने के लिए 76.45 करोड़ की योजना स्वीकृत की गई। बोकारो पुनर्वास एरिया में 20.46 एकड़ जमीन टेक्नोलॉजी सेंटर के स्थापना के लिए दिया गया। रेप और पॉस्को एक्ट के लंबित मामलों की सुनवाई के लिए 22 जिला न्यायाधीश के पद को अवधि विस्तार पर अब काम होगा। 180 मदरसा के शिक्षकों और शिक्षक कर्मियों को पेंशन उपादान को नई पेंशन का लाभ दिया गया। कुटुंब न्यायालय रामगढ़ में एक पद प्रधान न्यायाधीश के लिए सृजित हुआ। सिविल सर्जन मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य और अधीक्षक को के लिए बाह्य स्रोत से 44 वाहन लेने की मंजूरी दी गई है,जिसमें 34 वाहन बोलेरो और 10 बस हैं। ऐसे में विकास को गति देने के लिए हेमंत सोरेन सरकार का यह निर्णय स्वागत योग्य है। अब इस पर किसी तरह की राजनीति नहीं होनी चाहिए। कारण अच्छे कार्यों का वेलकम करना चाहिए। राज्य की आर्थिक राजधानी जमशेदपुर में पीपीपी मोड पर अंतर्राज्यीय बस पड़ाव के लिए 70.40 करोड़ की योजना को मंजूरी मिल गयी है। इलेक्शन कैडर को झारखंड प्रशासनिक सेवा में मर्ज करने के प्रस्ताव को घटनोत्तर स्वीकृति दी गई। झारखंड बिजली वितरण निगम लिमिटेड को विद्युत करों के लिए बकाया भुगतान के तहत 2632 करोड़ लोन में देने मंजूरी के साथ झारखंड औद्योगिक पार्क लॉजिस्टिक नीति 2022 की मंजूरी दी गई है। उच्च तकनीकी शिक्षा विभाग के अंतर्गत वित्त विभाग में ऑडिट ऑफिसर के एक पद और वित्त पदाधिकारी के 1 पद की सृजन स्वीकृति दी गई. जलसंसाधन विभाग की पुनरीक्षित पुनर्वास नीति 2012 को अगले 5 साल 31 मार्च 2027 तक अवधि विस्तार दिया गया। झारखंड कर्मचारी चयन परीक्षा संचालन नियमावली 2021 में संशोधन किया गया है, इसमें डिप्लोमा तकनीकी सेवा के पदों में परीक्षा पत्र के में संशोधन किया गया है. औद्योगिक घरानों के द्वारा संचालित आईटीआई को पीपीपी मोड पर संचालन की स्वीकृति दी गई। ऐसे में सचमुच अगर ये सभी कार्य यहां हो जाते हैं तो यह राज्य के लिए बहुत फायदेमंद होगें।

आज का इतिहास

1997 : अरुंधति राय को उनके उपन्यास 'द गॉड आफ स्माल थिंग्स' के लिए ब्रिटेन के सबसे प्रतिष्ठित बुकर पुरस्कार के लिए चुना गया।
1998 : गरीबी उन्मूलन के लिए भारत की फातिमा बी को संयुक्त राष्ट्र पुरस्कार से सम्मानित किया गया।
2006 : संयुक्त राष्ट्र संघ ने उत्तर कोरिया पर प्रतिबंध लगाया।
1882 : शिमला में पंजाब विश्वविद्यालय की स्थापना की गई।
1884 : प्रसिद्ध क्रांतिकारी और 'गदर पार्टी' के संस्थापक लाला हरदयाल का जन्म।
1933 : जर्मनी ने मित्र राष्ट्रों के समूह से अलग होने की घोषणा की।
1943 : जापान ने फिलीपींस की स्वतंत्रता की घोषणा की।
1946 : हालैंड और इंडोनेशिया ने संघर्ष विराम समझौते पर हस्ताक्षर किए।
1948 : इजरायल और मिस्र के बीच युद्ध की शुरूआत हुई।
1956 : डॉ. भीमराव अम्बेडकर ने अपने तीन लाख 85 हजार अनुयायियों के साथ कोचांदा में बौद्ध धर्म अपनाया।
1931 : पूर्व राष्ट्रपति ए.पी.जे. अब्दुल कलाम का तमिलनाडु के रामेश्वरम में जन्म।
1932 : टाटा कंपनी ने टाटा संस लिमिटेड नामक देश की पहली एयर लाइन की शुरूआत की।
1949 : त्रिपुरा राज्य को भारत में सम्मिलित किया गया।
1961 : लेखक सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला का निधन।
1978 : सोवियत संघ ने पूर्वी कजाखस्तान क्षेत्र में परमाणु परीक्षण किया।
1988 : उज्वला पाटिल समुद्र के रास्ते विश्व का चक्कर लगाने वाली पहली एशियाई महिला बनी।
1990 : बॉलीवुड अभिनेता ओम शिवपुरी का निधन।
1990 : सोवियत संघ के राष्ट्रपति मिखाइल गोबाचोव को नोबेल शांति पुरस्कार दिया गया।
1996 : फिजी व्यापक परीक्षण प्रतिबंध संधि की पुष्टि करने वाला प्रथम देश बना।

लता जी-बहारें हमको ढूंढेंगी, जाने हम कहां होंगे...

जन्मदिन के अवसर पर

कुछ गानों में कहीं-कहीं गायक स्वतः ही थोड़ी सी 'जगह' लेते हैं और बदलाव करते हैं। लताजी ऐसा अक्सर करती थीं। मैंने पूछा कि ऐसा वे संगीत निर्देशक के कहने पर करती हैं या खुद कर देती हैं? इस पर उन्होंने हंसकर कहा, 'नहीं यह तो मुझे गाते-गाते ही सूझ जाता था और मैं कर देती थी। इसे लेकर तो मोहम्मद रफी के साथ मेरा कई बार विवाद भी हुआ। रफी हंसकर पूंछते थे कि तुम यहां 'जगह' लेने वाली हो, यह मुझे पहले क्यों नहीं बताया। मैं भी ले लेता। तो मैं कहती कि जब मुझे गाते-गाते सूझा तो मैं पहले कैसे बता सकती थी।' फिर मैंने उनसे आलाप के बारे में पूछा कि क्या किसी गाने में आलाप लेने के बारे में संगीत निर्देशक ही आपको बताते हैं?

बचपन से ही मुझे लताजी के गानों से प्यार था। फिर जब मैंने मुंबई के विद्यानिधि हाईस्कूल में पढ़ाना शुरू किया, तो वहां संगीतकार उत्तम सिंह की बेटा-बेटी पढ़ने आया करते। उन्हें गणित और विज्ञान पढ़ाने के लिए मैंने उनके घर जाना शुरू किया। तब 'मैंने प्यार किया' फिल्म में राम-लक्ष्मण का म्यूजिक काफी हिट हो गया था और उनके सहायक उत्तम सिंह थे। एक दिन मैंने उन्हें लताजी से मिलवाने को कहा। उन्हीं दिनों फिल्म 'सातवां आसमान' के गानों की रेकॉर्डिंग में लताजी आने वाली थीं। उत्तम सिंह ने कहा कि तुम स्टूडियो जल्दी आ जाना, मैं मिलवा दूंगा। स्टूडियो पहुंचने पर मैंने देखा कि लताजी का कैसा प्रभाव संगीत निर्देशकों पर रहता था। एक गाने में उन्हें एक शब्द खटक रहा था। उन्होंने स्टूडियो के अंदर से ही सुझाव दिया कि 'इस' शब्द की जगह पर 'ये' शब्द ले लिया जाए तो गाना आसान हो जायेगा और गाने का अर्थ भी नहीं बदलेगा। राम-लक्ष्मण ने यह बात तुरंत मान ली। फिर दो गानों के ब्रेक के बीच मैं उनसे मिला। मैंने उन्हें बताया कि मुझे आपके करीब दो हजार गाने अंतरे-मुखड़े के साथ जबानी याद हैं। इस पर लताजी ने आश्चर्य जताया। फिर मैंने उनसे ऑटोग्राफ देने का आग्रह किया। बाद में मैंने लताजी से एक बार फिर मिलने के लिए अपने एक मित्र के जरिए उनके भांजे योगेश से संपर्क किया। बात बन गई और मैं मुंबई के पैडर रोड स्थित लताजी के आवास प्रभु कुंज जा पहुंचा। मुझे मुलाकात के लिए 15 मिनट मिले थे। बातचीत शुरू हुई तो मैंने कहा कि लताजी मेरे मन में आपके लिए जो भावना है, उसे मैं आपके ही गाए एक गाने से व्यक्त कर सकता हूं। उन्होंने पूछा, कौन सा गाना? मैंने कहा, 'हमें और जीने की चाहत न होती, अगर तुम न होते।' यह सुनकर वह खुलकर हंसीं। फिर मैंने कहा कि आपका पहला सुपरहिट गाना, 'हवा में उड़ता जाए, मेरा लाल दुपट्टा मलमल' का था ना? मुझे पता था कि ऐसा नहीं था, लेकिन बातचीत बढ़ाने के लिए मैंने उनसे यह बात कही। उन्होंने तुरंत कहा, 'नहीं-नहीं, मेरा पहला हिट गाना था - महल फिल्म का 'आयेगा आने वाला' था(लताजी ने मराठी में संगीत निर्देशक भी रही हैं। आनंद घन नाम से उनके कई सुपरहिट गाने हैं। इसी बातचीत में मैंने उनसे पूछा कि आपने हिंदी फिल्मों के लिए संगीत निर्देशन क्यों नहीं किया? उन्होंने बताया, 'मुझे बहुत लोगों ने इसका प्रस्ताव दिया, लेकिन मैं इसलिए नहीं गई कि मेरा गाने के ऊपर जो फोकस था, वह हट जाता।' कुछ गानों में कहीं-कहीं गायक स्वतः ही थोड़ी सी 'जगह' लेते हैं और बदलाव करते हैं। लताजी ऐसा अक्सर करती थीं। मैंने पूछा कि ऐसा वे संगीत निर्देशक के कहने पर करती हैं या खुद कर देती हैं? इस पर उन्होंने हंसकर कहा, 'नहीं यह तो मुझे गाते-गाते ही सूझ जाता था और मैं कर देती थी। इसे लेकर तो मोहम्मद रफी के साथ मेरा कई बार विवाद भी हुआ। रफी हंसकर पूंछते थे कि तुम यहां 'जगह' लेने वाली हो, यह मुझे पहले क्यों नहीं बताया। मैं भी ले लेता। तो मैं कहती कि जब मुझे गाते-गाते सूझा तो मैं पहले कैसे बता सकती थी।' फिर मैंने उनसे आलाप के बारे में पूछा कि क्या किसी गाने में आलाप लेने के बारे में संगीत निर्देशक ही आपको बताते हैं? इस पर उन्होंने बताया, 'संगम फिल्म का संगीत जब बन रहा था, तब मैं, शंकर और जयकिशन तीनों साथ बैठकर गीत पर चर्चा कर रहे थे। उसी समय राज कपूर का लंदन से फोन आया। उन्होंने कहा कि इस गाने में शुरूआत में आलाप चाहिए। इसलिए मैंने 'ओ मेरे सनम' गाने में लंबा आलाप दिया है।' आज भी जब मैं कभी प्रभु कुंज के सामने से गुजरता हूं तो नजर एक बार पहली मंजिल पर जरूर चली जाती है। लेकिन तब उन्हीं का गाया हुआ बागी फिल्म का गीत याद आता है कि हमारे बाद इस महफिल में अफसाने बयां होंगे, बहारें हमको ढूंढेंगी, न जाने हम कहां होंगे।

(लेखक बीजेपी के राष्ट्रीय सचिव हैं) पर व्यक्त विचार लेखक के अपने हैं।

■ सुनील देवधर

लंपी व लंपट

चुनाव समय ढूँढ़े मोको, बाकी समय उसको मैं । ना मंदिर में ना आश्रम में, ना घर-दुआरे-पाछे मना खेतों में, ना आंगन में, ना झुग्गी-झोपड़िया में ॥ ना मैं नीति में, ना मैं रीति में, ना मैं सत्ता के अधरों में । चार बरस से पहले मैं, बेकार हूँ सरकार गिराने में ॥ नहीं पूछ है, नहीं है रुतबा, मुंह छिपाती घूम रही मैं । वोट बनकर बैठी हूँ मैं, मेनिफेस्टो और पोस्टर में ॥ खोजकर देखो मैं मिल जाऊँ, हाइवे और चौराहों में । कहे वोटर सुनो भई लंपट, वह तड़पती लंपी की बाहों में ॥ भावार्थ : वोटर के अनुसार चुनाव के समय नेता गायों को खोजते हैं। बाकी समय गायें उनके नाम पर वोट बटोरने वाले नेताओं की तलाश करती रहती हैं। चुनाव के बरस नेता हमें कहाँ-कहाँ नहीं ढूँढ़ते। उन्हें मैं कैसे बताऊँ न मैं मंदिर में हूँ न घर-द्वार-पिछवाड़े में। न खेत-आंगन में हूँ न झुग्गी-झोपड़ियों में। न मैं सत्ता की नीतियों-रीतियों में हूँ न उनके होंठों में। अलबत्ता संस्कृति विभाग की नेता अपनी संतानों के होटलों में स्टाइलिश इंग्लिश नाम से स्वादिष्ट क्विजिन बनकर बेशकीमती प्लेटों में परोसी जाती हूँ। मिलूँगी या दिखूँगी भी क्यों? मैं तो नेताओं के लिए चार बरस तक मिस्टर इंडिया की तरह गायब रहती हूँ। चार बरस तक सरकार गिराने में लाचार हूँ। इसीलिए मुझे इस दौरान कोई नहीं पूछता। चुनावी बरस जैसी न पूछ होती है न रुतबा। मैं तो उनके मेनिफेस्टो और पोस्टरों में मान-सम्मान और दुनिया भर की सुख-सुविधाएँ पाती हूँ। बाकी समय हम स्वस्थ होने पर कहीं बीफ बनकर तो कहीं लंपी का शिकार होकर हाइवे-चौराहों पर नजर आती हैं। ऐसे सत्ताधारी नेताओं को देखकर हमें शर्म आती है। कसाइयों से ज्यादा इन्हें देखकर मुँह छिपाना पड़ता है। छद्म राष्ट्रवाद और छद्म धर्म के नाम पर छद्म सेवा का खेल सबसे खतरनाक होता है। हमारे संरक्षण और संवर्धन के नाम पर, हमारे विरोधियों का सिर कुचल दिया जाता है और हमारे नाम पर वसूले लाखों-करोड़ों का चंदा खुद गाय बनकर खा जाते हैं। कम से कम चारे को पचाने के लिए जुगाली तो करते हैं, वे तो बिना जुगाली सब डकार जाते हैं। इनका पाचन तंत्र की क्षमता दर्ज करने गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रेकॉर्ड वाले इन्हें चप्पा-चप्पा ढूँढ़ रहे हैं। एक बार के लिए हम लंपी क्या उसके बाप से भी बच जायेंगे, लेकिन ऐसे सत्ता के लंपटों से कतई नहीं। अंत में वोटर लीचड़ किस्म के नेताओं से कहता है-- हे स्वार्थी! गिरगिट के वंशजो! मेनिफेस्टो और पोस्टरों से उतरो और जाकर उसे लंपी बीमारी से ग्रस्त विकास के चौराहों-हाइवे पर ढूँढ़ो। क्या पता स्पीड ब्रेकर के रूप में ही सही, वहीं मिल जाएँ।

■ डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा
'उरतृप्त'मो. नं. 73 8657

कट्टरता की तह तक जल्दी पहुंचे जांच

राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए), प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और राज्य पुलिस बलों द्वारा पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) के खिलाफ की जा रही राष्ट्रव्यापी कार्रवाई ने जोरदार, लेकिन आरोप-प्रत्यारोपों वाली बहस शुरू कर दी है। एक मुखर खेमा मानता कि मुस्लिम-विरोधी खास एजेंडे को आगे बढ़ाने के कारण पीएफआई को निशाना बनाया जा रहा है, जबकि दूसरा वर्ग इस बात के लिए सत्ता-प्रतिष्ठान की तारीफ कर रहा है कि उसने एक ऐसे संगठन के खिलाफ कार्रवाई की है, जो व्यवस्था को अस्थिर करने पर आमादा है। हालांकि, निष्पक्ष विचारक इन दोनों मतों के बीच कहीं सच के छिपे होने की बात कह सकते हैं। पीएफआई तीन इस्लामिक गुटों के विलय के साथ साल 2006 में अस्तित्व में आया। अपनी उग्र भाषा और मुस्लिम समुदाय को हिंदू पूर्वाग्रह के शिकार के रूप में चित्रित करने के कारण इसने अधिकारियों का ध्यान अपनी ओर खींचा। इसी पृष्ठभूमि के कारण वह स्पष्ट करता है कि दक्षिणपंथी हिंदूवादी तत्वों के खिलाफ लड़ने के लिए वह संकल्पित है, चाहे इसके लिए उसे जिस किसी साधन का इस्तेमाल करना पड़े। नतीजतन, पिछले एक दशक में हिंसा खूब बढ़ी है, खासकर दक्षिण भारत में। केरल, जहां एक बड़ी और दबदबा रखने वाली मुस्लिम आबादी है, पीएफआई का गढ़ है और इस समुदाय के खिलाफ कथित अन्याय को लेकर यहां अक्सर संघर्ष होते रहे हैं। शुरूआती दिनों में पुलिस की प्रतिक्रिया सुस्त और बिखरी हुई थी। यह जाहिर तौर पर सत्ता की तरफ से स्पष्ट दिशा-निर्देश के अभाव के कारण था। तब भ्रमित पुलिस पदानुक्रम के कारण भी पीएफआई के खतरों से निपटने के लिए जरूरी कार्रवाई को लेकर आम सहमति नहीं बन पाई। पुलिस नेतृत्व इस बात को लेकर सावधान रहता था कि ऐसी किसी कार्रवाई से उस पर धार्मिक पूर्वाग्रह के लांछन न लग जाएं। साल 2014 में नरेंद्र मोदी सरकार की ताजपोशी और कुछ राज्यों में बदलाव से कानून लागू करने संबंधी नजरिये में स्पष्टता आई है। राजनीतिक दिशा अब कहीं अधिक स्पष्ट और सख्त कार्रवाई की पक्षधर है। हाल के छापों और महत्वपूर्ण दस्तावेजों की जब्ती से हम इसे आसानी से समझ सकते हैं। यहां तक कि मीडिया से बातचीत के दौरान भी एजेंसियों ने मामले की गंभीरता कम नहीं आंकी। उनकी यह साफगोई भविष्य के लिए उम्मीद जगाती है। एजेंसियों ने साफ कहा है कि पर्याप्त सुबूतों व राह भटके पीएफआई काडर व संगठन से सहानुभूति रखने वालों की पहचान करने के बाद ही छापेमारी की कार्रवाइयों को अंजाम दिया गया। यह बताता है कि उन्होंने गैर-कानूनी कृत्यों को बेपरदा करने के लिए किस कदर की मेहनत की होगी। छापेमारी व गिरफ्तारियों के बाद हिंसा की छिटपुट घटनाओं से पता चलता है कि पीएफआई नेतृत्व इन कार्रवाइयों को लेकर बेखबर था। अपनी योजना को इस कदर गोपनीय बनाये रखने के लिए एनआईए व ईडी, दोनों को बधाई देनी चाहिए, क्योंकि कई मामलों में हमने देखा है कि विश्वासघातियों ने अपराधियों या संदिग्धों को पहले ही संवेदनशील जानकारियां लीक कर दीं। यह मानने की भी ठोस वजह है कि कुछ पीएफआई सदस्य सीमा-पार के आतंकी गुटों के साथ मिल गये थे। हालांकि, यह कोई आश्चर्य की बात नहीं है। पिछले कुछ वर्षों में यह दुरभिसंधि दिखी है और इसे तोड़ा जाना आवश्यक है। यह विश्वास करना कठिन है कि पीएफआई गोपनीय तरीके से जो कर रहा था, उससे राष्ट्रीय सुरक्षा को कोई खतरा नहीं था। अगर सरकार को दोष देना है, तो इस तरह की कार्रवाई पहले न किये जाने के लिए उसको दोषी मानना चाहिए। हालांकि, मेरा यही मानना है कि अधूरी तैयारी या पर्याप्त सुबूतों के अभाव में की गई कार्रवाई से बेहतर है, कुछ समय के लिए इंतजार करना। लिहाजा सवाल यह है कि अब आगे किस तरह की चुनौतियां आने वाली हैं? निश्चय ही, कई जटिल मुद्दे हमारा इंतजार कर रहे हैं, क्योंकि काम का एक छोटा हिस्सा अभी पूरा हुआ है। इन कार्रवाइयों के दो पहलू हैं, जिन पर संजीदगी से ध्यान देना होगा। पहला, एनआईए और ईडी, दोनों ने काफी मुश्किल काम को अंजाम दिया है। इससे पहले कि पीएफआई खुद को फिर से संगठित करे, हमें उसके अन्य अज्ञात स्रोतों और तत्वों की पहचान करनी होगी। उसके अंतरराष्ट्रीय रिश्ते को उजागर करना सबसे जरूरी है और मुझे विश्वास है कि इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी) व रिसर्च ऐंड एनालिसिस विंग (रॉ) इसके लिए आगे आयेंगे। अच्छी बात है कि हमने अभी तक सरकारी एजेंसियों के बीच किसी तरह के तनाव की बात नहीं सुनी है। यह भविष्य की कार्रवाइयों के लिहाज से एक शुभ संकेत है। चूंकि हमारे कई पश्चिमी देशों के साथ बहुत अच्छे संबंध हैं, तो हम उनके खुफिया संगठनों की इस मामले में हरसंभव मदद ले सकते हैं। पीएफआई का एजेंडा निश्चय ही भारत और उसके पड़ोस में अंतर-धार्मिक संघर्ष पैदा करना है। हमें इसकी जड़ें खोदने की जरूरत है। दूसरा कठिन काम, गिरफ्तार पीएफआई सदस्यों और उसके समर्थकों का सफल अभियोजन कराना है। एजेंसियों द्वारा एकत्र किये गये सुबूतों की पूरी सावधानी के साथ छानबीन की जानी चाहिए और उनको सक्षम अभियोजकों (अदालत में जिरह करने वाला वादी) को सुपुर्द करना चाहिए। इसमें कोई जी-हुजूरी करने वाला कानूनी अधिकारी नहीं चाहिए। इस मामले को ऐसे सक्षम और ईमानदार अधिकारी की जरूरत है।

■ आर के राघवन

धर्म दर्शन

श्री मद्देवी भागवतमाहात्म्यम्

अथ प्रथमोऽध्यायः

हे राजेन्द्र ! युगधर्मका प्रभाव विपरीत नहीं होता है: काल ही धर्म और अधर्मका कर्ता है ॥ 14 ॥

राजा बोले- हे महाभाग सत्ययुगमें जो धर्मपरायण प्राणी हुए हैं, वे पुण्यशाली लोग इस समय कहाँ स्थित हैं? हे पितामह! त्रेतायुग या द्वापरमें जो दान तथा व्रत करनेवाले श्रेष्ठ मुनि हुए हैं, वे अब कहाँ विद्यमान हैं। मुझे बतायें। इस कलियुगमें जो दुराचारी, निर्लज्ज, देवनिन्दक और पापी लोग विद्यमान हैं, वे सत्ययुगमें कहाँ जायेंगे? हे महामते। यह सब विस्तारपूर्वक कहिये; मैं इस धर्मनिर्णयके विषयमें सब कुछ सुनना चाहता हूँ ॥ 15-18 ॥

व्यासजी बोले- हे राजन् जो मनुष्य सत्ययुगमें उत्पन्न होते हैं, वे अपने पुण्यकार्योंके कारण देवलोकको चले जाते हैं ॥ 19 ॥

हे नृपश्रेष्ठ अपने-अपने वर्णाश्रमधर्ममें संलग्न रहनेवाले ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य और शूद्र अपने कर्मोंसे अर्जित लोकोंमें चले जाते हैं ॥ 20 ॥

सत्य, दया, दान, एकपत्नीव्रत, सभी प्राणियों में अद्रोहभाव तथा सभी जीवोंमें समभाव रखना यह सत्ययुगका साधारण धर्म है। सत्ययुगमें इसका धर्मपूर्वक पालन करके रजक आदि इतर वर्णके लोग भी स्वर्ग चले जाते हैं। हे राजन! त्रेता और द्वापरयुगमें यही स्थिति रहती है, किंतु इस कलियुगमें पापी मनुष्य नरक जाते हैं और वे वहाँ तबतक रहते हैं जबतक युगका परिवर्तन नहीं होता, उसके बाद मनुष्यके रूपमें पुनः पृथ्वीपर जन्म लेते हैं ॥ 21-24 ॥

हे राजन! जब कलियुगका अन्त और सत्ययुगका आरम्भ होता है, तब पुण्यशाली लोग स्वर्गसे पुनः मनुष्यके रूपमें जन्म लेते हैं ॥ 25 ॥

जब द्वापरका अन्त और कलियुगका प्रारम्भ होता है, तब नरकके सभी पापी पृथ्वीपर मनुष्यके रूपमें उत्पन्न होते हैं ॥ 26 ॥

इस प्रकार युगके अनुरूप ही आचार होता है, उसके विपरीत कभी नहीं कलियुग असत-प्रधान होता है, इसलिये उसमें प्रजा भी वैसी ही होती है दैवयोगसे कभी-कभी इन प्राणियोंके जन्म लेनेमें व्यतिक्रम भी हो जाता है। कलियुगमें कुछ जो साधुजन हैं, वे द्वापरके मनुष्य हैं। उसी प्रकार द्वापर के मनुष्य कभी-कभी त्रेतामें और त्रेताके मनुष्य सत्ययुगमें जन्म लेते हैं। जो सत्ययुगमें दुराचारी मनुष्य होते हैं, वे कलियुगके हैं। वे अपने किये हुए कर्मके प्रभावसे दुःख पाते हैं और पुनः युगप्रभावसे वे वैसा ही कर्म करते हैं ॥ 27-30 ॥

जनमेजय बोले- हे महाभाग ! आप समस्त युगधर्मोका पूर्णरूपसे वर्णन करें; जिस युगमें जैसा धर्म होता है, उसे मैं जानना चाहता हूँ ॥ 31 ॥

- क्रमशः

संपादक के नाम पाठकों की पाती

पानी को बर्बाद न करें

जल ही जीवन है ,जल है तो कल है' भविष्य के लिए पानी बचाएं' लेकिन पानी की बर्बादी उतना ही हो रहा है। शहर के सप्लाई नल का टोटी टूटने से प्रतिदिन सुबह शाम हजारों लीटर पानी की बर्बाद हो रही है। वार्डों में लगाए गए अधिकांश सार्वजनिक नलों की टोटी टूटी है या फिर पूरा नल ही गायब है। लोग प्लास्टिक पाइप लगाकर या फिर अन्य जुगाड़ से काम चला रहे हैं। यदि इसी तरह से पानी की बबार्दी जारी रही तो आने वाले समय में शहर में गंभीर पेयजल संकट हो सकता है। शहर के 35 वार्डों में लगे अधिकांश सार्वजनिक नलों में टोटी नहीं हैं। जिसकी वजह से प्रतिदिन सुबह से शाम तक हजारों लीटर पानी व्यर्थ बह जाता है। इस ओर न तो निगम ध्यान दे रहा है और न ही शहरवासी। पानी बचाव के लिए कई मुहावरे जो हर रोज शासन-प्रशासन आम आदमी तक पहुंचाता है। यह सभी वाक्य हर रोज व्यक्ति किसी न किसी प्रकार देख व सुन रहा है, लेकिन इनका पालन न ही जिला प्रशासन कर रहा है और न ही आम नागरिक। मोहल्लों के टूटे नलों को देखकर जाना जा सकता है कि इन मुहावरे का कितना असर लोगों पर हो रहा है। इसके लिए शासन की तरफ से न तो पहल की गई और न ही लोगों को जागरूक करने को कोई अभियान चलाया गया। मोहल्ले में लगे नलों की टोटी टूटने के बाद ना तो उन्हें सुधारा गया और न ही इसकी लोगों ने कभी शिकायत निगम व संबंधित विभाग से की है। वार्डो के अधिकतर नलों में पाइप नहीं होने से लोग प्लास्टिक पाइप लगाकर काम चला रहे हैं। इससे पानी व्यर्थ बहने से आसपास पानी का जमाव होता है जो कि धीरे-धीरे बीमारियों का कारण बनता है। मै लोकप्रिय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र राष्ट्रीय नवीन मेल के माध्यम से सरकार का ध्यान आकृष्ट कराना चाहता हूँ कि जहां भी पानी की बर्बादी हो रही है।

■ किशोर कुमार, हमीदगंज, मेदिनीनगर।

महामारी से स्कूली शिक्षा में क्या बदलाव आया

जिन बच्चों का जन्म पांच वर्ष पहले हुआ था, वे कोरोना के कारण अब पांच साल की उम्र में स्कूल जा पा रहे हैं। जो पहले जा रहे थे, उनका भी दो वर्षों के दौरान स्कूल की दुनिया से संवाद टूट सा गया था। कोरोना ने सबसे ज्यादा नुकसान बच्चों और उनके संसार को पहुंचाया। वास्तव में मानसिक और शारीरिक रूप से उन्हें कोरोना के दौरान कितना नुकसान पहुंचा, इसका पता लगाया जाना अभी बाकी है। लेकिन इस बात पर लगभग सबकी राय एक है कि बच्चों के भावनात्मक संसार को कोरोना ने जितना नुकसान पहुंचाया है, उसकी भरपाई मुश्किल है। कोरोना काल के दो वर्ष शिक्षण से जुड़े लोगों के लिए चुनौतीपूर्ण तो थे, लेकिन साथ-साथ अवसर भी थे। उस अवधि में समाज ने जो एक नया प्रयोग देखा, उसकी बदौलत हम टेक्नॉलजी के ज्यादा करीब आ गये। इसके जरिए शिक्षक और छात्रों के बीच संवाद को फिर से जीवित करने का प्रयास हुआ। इस लिहाज से टेक्नॉलजी ने कोरोना के संकट में हमारी सहायता की। दूसरे पहलू को देखें तो यह जरूर साफ हुआ है कि तकनीक से बच्चों के व्यवहार में नकारात्मक परिवर्तन भी हुआ है। महामारी के दौरान कुछ लोगों को लगने लगा था कि तकनीकीकरण शैक्षणिक संरचना को पूरी तरह से बदल देगा। इस समय बहुत सी कंपनियां शैक्षणिक उत्पादें लेकर आईं। उनका दावा था कि आने वाले समय में शिक्षा व्यवस्था में शिक्षकों की और कुछ समय बाद स्कूलों की भी जरूरत नहीं रहेगी। अपनी बात को सच साबित करने के लिए उन्होंने बड़े-बड़े नामों के साथ विज्ञापन भी दिया। शुरूआती दिनों में उनके दावों से प्रभावित कुछ स्कूल और अभिभावक आकर्षित भी हुए। लेकिन पाठ्यसामग्री के अभाव और मानवीय संवेदनाओं की कमी ने जल्द ही अभिभावकों को इस भ्रम से दूर कर दिया। नतीजतन ये कंपनियां जितनी तेजी से फैल रही थीं, अब उतनी ही तेजी से संकुचित भी हो रही हैं। इसके दो कारण रहे। पहला, परंपरागत शैक्षणिक संस्थान कोरोना के बाद फिर से खुल गये। दूसरा, इन कंपनियों के उत्पाद शैक्षणिक दृष्टि से पूर्ण नहीं थे। शिक्षाविद और अब तक के अनुभव बताते हैं कि शिक्षा में शैक्षणिक सामग्रियों का बहुत बड़ा योगदान है। यह शैक्षणिक सामग्री ही है, जिसने सुपर-30 को बिना विज्ञापन के ही पूरे विश्व में चर्चित कर दिया। इसलिए कोरोना के बाद जब समाज वापस अपने ढर्रे पर आ रहा है तो स्कूलों और शैक्षणिक व्यवस्था से जुड़े लोगों से अपेक्षा है कि वह पाठ्यसामग्री और उसके प्रस्तुतीकरण पर फिर से चर्चा करें और उनके विकास पर ध्यान दें। इसमें एक महत्वपूर्ण बात और दिख रही है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्कूली शिक्षा को प्राथमिकता देना शुरू किया है। यह संकेत राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 से मिलने लगा था। लेकिन अभी 5 सितंबर को जब उन्होंने 14,500 नये आदर्श स्कूल खोलने की घोषणा की तो इसकी फिर से पुष्टि हो गई। ये नये मॉडल स्कूल ब्लॉक स्तर पर खोले जायेंगे और हर ब्लॉक में इनकी संख्या दो होगी। ये स्कूल राष्ट्रीय शिक्षा नीति की सिफारिशों के अनुरूप होंगे और केंद्र सरकार इन्हें केंद्रीय विद्यालय और नवोदय विद्यालय के स्तर पर विकसित करेगी। ये नये स्कूल न केवल बच्चों को शिक्षा के लिए प्रेरित करेंगे, बल्कि राज्य सरकारों को भी इसी तर्ज पर स्कूल विकसित करने की प्रेरणा देंगे। कोरोना काल के समय हुए शैक्षणिक नुकसान की पूरी भरपाई कर पाना तो संभव नहीं है, न ही हम बच्चों को उनके बीते दो वर्ष लौटा सकते हैं। लेकिन यदि हम अपने पुराने अनुभवों से सीखते हुए एक ऐसी शैक्षणिक व्यवस्था की बुनियाद रख देते हैं जो आगे चलकर कोरोना या कोरोना जैसी किसी भी परेशानी का सामना कर सके तो यह अपने आप में बड़ी सफलता होगी। **(लेखक सेंटर ऑफ पॉलिसी रिसर्च एंड गवर्नेंस के निदेशक हैं और वर्तमान में एनसीईआरटी गठित शिक्षक शिक्षा के नैशनल फोकस समूह के सदस्य हैं) ऊपर व्यक्त विचार लेखक के अपने हैं।**

■ रामानंद नंद

स्वामी, पारिजात माइनिंग इण्डस्ट्रीज (इण्डिया) प्रा.लि. की ओर से 502, मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बगान, हरमू रोड, रांची से हर्षवर्द्धन बजाज द्वारा प्रकाशित एवं डीबी प्रिंट सोल्यूशंस (ए यूनिट ऑफ डीबी कार्प लि.)प्लॉट नं. 535 एवं 1272, ललगुटवा, पुलिस स्टेशन, रातू, रांची, झारखंड में मुद्रित। रजिस्ट्रेशन नं: BIHHIN/1999/155, प्रधान संपादक : सुरेश बजाज, संपादक : हर्षवर्द्धन बजाज*, प्रेस कार्यालय : रांची रोड, रेड़मा, मेदिनीनगर (डालटनगंज) पलामू-822102, फोन नंबर : 06562-240042/ 222539, फैक्स नंबर : 06562-241176/ 231257, रांची कार्यालय : 502बी, पांचवी मंजिल, मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बगान, हरमू रोड, रांची-834001, फोन नंबर : 0651-2283384, फैक्स नंबर : 0651-2283386, दिल्ली कार्यालय : 25, निचली मंजिल, तानसेन मार्ग, (बंगाली बाजार), नयी दिल्ली-1, ई-मेल : rnm_hb@yahoo.co.in, rnm.hvb@gmail.com, (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार।)।

शनिदेव की हमेशा बरसेगी कृपा बस मुख्य द्वार पर लगायें यह पौधा

कुछ लोग शनि देव की कृपा पाने के लिए घर के अंदर ही शमी का पौधा लगाते हैं। लेकिन इसे घर के अंदर लगाने के स्थान पर इसे आंगन में या फिर मुख्य द्वार पर इस तरह लगाएं कि जब भी आप घर से बाहर निकलें तो यह आपके दाहिने तरफ हो। हिन्दू धर्म में शनिदेव एक बेहद ही महत्वपूर्ण देवता माने गए हैं। भगवान सूर्य तथा छाया के पुत्र शनिदेव को न्याय के देवता के रूप में पूजा जाता है। ऐसा कहा जाता है कि कलियुग में भी वह निष्पक्ष से रूप से न्याय करते हैं। अगर उनकी कृपा किसी व्यक्ति पर हो तो व्यक्ति को कम समय में बड़ी सफलता मिलती है। वहीं, अगर वह किसी पर कुपित हो जाते हैं तो व्यक्ति का सर्वनाश होते भी देर नहीं लगती। इसलिए, लोग हमेशा यह कोशिश करते हैं कि शनि देव उनसे हमेशा प्रसन्न रहें। अगर आप भी ऐसा ही चाहते हैं तो अपने घर के बाहर शमी के पौधे को लगाएं। इसे शनिदेव का प्रिय पौधा माना गया है।

ना करें ये गलतियां

- जब आप घर में शमी का पौधा लगा रहे हैं तो आपको कुछ गलतियों से बचना चाहिए।
- शमी के पौधे को किसी भी दिन घर में ना लगाएं। इसे शनिवार के दिन या विजयदशमी के दिन लगाना सबसे अच्छा माना जाता है।
- कभी भी इसे घर के अंदर बंद जगह पर ना लगाएं। आप इसे आंगन में लगा सकते हैं या फिर छत पर रख सकते हैं। इसके अलावा, मुख्य द्वार के बाहर भी इसे रखा जा सकता है।
- अगर आपने शमी का पौधा लगाया है तो उसे ऐसे ही छोड़ देने की गलती ना करें, अन्यथा शनिदेव कुपित हो जाते हैं। इसकी सही तरह से देख-रेख करें। साथ ही, हर शनिवार को शमी के पौधे के नीचे दीपक जलाएं।
- चूंकि भगवान शिव को भी शमी का पौधा प्रिय है, इसलिए शिव भगवान की पूजा करते हुए इस पौधों के पत्ते चढ़ाएं।

भगवान सूर्य तथा छाया के पुत्र शनिदेव को न्याय के देवता के रूप में पूजा जाता है। ऐसा कहा जाता है कि कलियुग में भी वह निष्पक्ष से रूप से न्याय करते हैं। अगर उनकी कृपा किसी व्यक्ति पर हो तो व्यक्ति को कम समय में बड़ी सफलता मिलती है। वहीं, अगर वह किसी पर कुपित हो जाते हैं तो व्यक्ति का सर्वनाश होते भी देर नहीं लगती। इसलिए, लोग हमेशा यह कोशिश करते हैं कि शनि देव उनसे हमेशा प्रसन्न रहें। अगर आप भी ऐसा ही चाहते हैं तो अपने घर के बाहर शमी के पौधे को लगाएं। इसे शनिदेव का प्रिय पौधा माना गया है।

घर में ना लगाएं शमी का पौधा

कुछ लोग शनि देव की कृपा पाने के लिए घर के अंदर ही शमी का पौधा लगाते हैं। लेकिन इसे घर के अंदर लगाने के स्थान पर इसे आंगन में या फिर मुख्य द्वार पर इस तरह लगाएं कि जब भी आप घर से बाहर निकलें तो यह आपके दाहिने तरफ हो। कभी भी अंधेरे स्थान में इसे नहीं रखना चाहिए। ऐसा माना जाता है कि अगर घर में आते समय या घर से बाहर जाते समय व्यक्ति की आंखों के सामने यह पौधा होता है तो व्यक्ति के काम आसानी से बन जाते हैं और आने वाली अड़चनें दूर होती हैं।

धार्मिक रूप से भी है महत्वपूर्ण

शमी का पौधा ना केवल शनिदेव को प्रिय है, बल्कि इसका अपना एक धार्मिक महत्व भी है। पौराणिक कथाओं के अनुसार, जब प्रभु श्रीराम ने सीताजी को छुड़वाने के लिए लंका पर आक्रमण किया था, तो उससे पहले उन्होंने शमी के पौधे की ही पूजा की थी। महाभारत काल में भी इसका वर्णन मिलता है। ऐसा कहा जाता है कि जब पांडव अज्ञातवास में थे, तब उन्होंने अपने अस्त्र-शस्त्र इसी वृक्ष के नीचे छिपाए थे।

शनिदेव के गुरू शिवजी का भी है प्रिय

यह तो हम सभी जानते हैं कि देव आदिदेव महादेव को बेलपत्र बेहद ही प्रिय है। लेकिन इसके अलावा, शंकर भगवान को शमी का पौधा भी उतना ही पसंद है। इतना ही नहीं, शिवजी को शनि अपना गुरु मानते हैं। ऐसे में अगर व्यक्ति शमी का पौधा लगाता है, तो उसे शनिदेव और शिव भगवान दोनों की कृपा मिलती है।

बारिश के मौसम में कीड़े-मकोड़ों से छुटकारा पाने के लिए आजमायें ये घरेलू उपाय

बारिश के घर में मच्छर, चींटी, कॉक्रोच, झींगुर और दीमक जैसे कीड़े-मकोड़े पनपने लगते है। इससे कई तरह की बीमारियाँ होने का डर रहता है। ऐसे में आप कुछ घरेलू उपाय करके भी कीड़े-मकोड़ों से छुटकारा पा सकते हैं। बारिश के मौसम में गड्ढों, गमलों और खाली बर्तनों में पानी भरने के कारण कीड़े-मकोड़े और मच्छर पैदा होने लगते हैं। इस मौसम में घर में मच्छर, चींटी, कॉक्रोच, झींगुर और दीमक जैसे कीड़े-मकोड़े पनपने लगते है। इनसे कई तरह की बीमारियाँ होने का डर रहता है। अक्सर लोग कीड़े-मकोड़ों से छुटकारा पाने के लिए इन्सेक्ट रिपेलेंट और स्प्रे का इस्तेमाल करते हैं। लेकिन इनमें मौजूद केमिकल्स हमारे स्वास्थ्य के लिए हानिकारक होते हैं। ऐसे में आप कुछ घरेलू उपाय करके भी कीड़े-मकोड़ों से छुटकारा पा सकते हैं।

कपूर : कपूर का इस्तेमाल हम आमतौर पर पूजा में करते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि आप कपूर का इस्तेमाल करके कीड़े-मकोड़ों और मच्छरों से भी छुटकारा पा सकते हैं। इसके लिए बस कपूर को कमरे में जला कर रख दें और 10 मिनट के लिए खिड़की-दरवाजे बंद कर दें। ऐसा करने से सारे कीड़े-मकोड़े बहार भाग जाएंगे।

तुलसी के पत्ते : बरसात के मौसम में कीड़े मकोड़ो से राहत पाने के लिए आप तुलसी के पत्ते का इस्तेमाल भी कर सकते हैं। इसके लिए आप तुलसी के पत्ते का रस निकल लें। अब इस रस से भीगी हुई रूई को लाइट के आसपास रख कर छोड़ दें। तुलसी के रस की महक के कारण सारे कीड़े-मकोड़े भाग जाएंगे।

नीम का तेल : बारिश में कीड़े-मकोड़ों और मच्छरों से छुटकारा पाने के लिए आप नीम के तेल का प्रयोग कर सकते हैं। इसके लिए आप नीम के तेल को अपने शरीर पर लगा सकते हैं या फिर नारियल के तेल में नीम का तेल मिलाकर उसका दिया कमरे में जला सकते हैं।

लेमन ग्रास : बरसात में कीड़े-मकोड़ो से छुटकारा पाने के लिए आप लेमन ग्रास का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए एक कप लेमन ग्रास के साथ एक चम्मच सिरका को मिक्सर में डालकर उसको अच्छे से पेस्ट बना लें। फिर इस पेस्ट को घर के कोने पर रख दें। ऐसे करने से घर में कीड़े-मकोड़े नहीं आते हैं।

मानसून में बढ़ सकता है जोड़ों का दर्द, ऐसे करें देखभाल

मानसून के दौरान जोड़ों के दर्द को मैनेज करने का सबसे अच्छा उपाय व्यायाम है। नियमित रूप से स्ट्रेचिंग और शारीरिक गतिविधियां इस तरह के दर्द को रोक कर रखेंगी। इस मौसम में लंबे समय तक बैठे रहने से बचना चाहिए। मानसून एक ऐसा मौसम होता है, तो हड्डियों के लिए परेशानी खड़ी कर सकता है। इन दिनों में आपकी हड्डियों में अधिक दर्द होता है, जिससे कभी-कभी अपने दैनिक काम करना भी काफी मुश्किल हो जाता है। नमी के स्तर में बदलाव, वायुमंडलीय दबाव, तापमान में अचानक बदलाव और वर्षा के कारण मानसून शुरू होते ही बहुत से लोगों को जोड़ों में दर्द, मांसपेशियों में अकड़न और चोट के दर्द का अनुभव होता है। ऐसा इसलिए है क्योंकि उच्च आर्द्रता का स्तर रक्त को गाढ़ा कर सकता है, रक्त वाहिकाओं में रक्तचाप बढ़ा सकता है, और रक्त पंप करने के लिए किसी के शरीर को अधिक मेहनत कर सकता है।

जरूर करें एक्सरसाइज : मानसून के दौरान जोड़ों के दर्द को मैनेज करने का सबसे अच्छा उपाय व्यायाम है। नियमित रूप से स्ट्रेचिंग और शारीरिक गतिविधियां इस तरह के दर्द को रोक कर रखेंगी। इस मौसम में लंबे समय तक बैठे रहने से बचना चाहिए। यदि काम के लिए लंबे समय तक बैठने की आवश्यकता है, तो सुनिश्चित करें कि आप हर आधे घंटे में खड़े हों और चलें।

लें हॉट शॉवर : गर्म पानी से नहाने से रक्त संचार बेहतर होता है और मानसून के दौरान जोड़ों का दर्द कम होता है। इसलिए, हॉट शॉवर लें।

हॉट व कोल्ड कंप्रेस का लें सहारा : ऐसा करने से बारिश के मौसम में जोड़ों के दर्द और परेशानी से निपटने में मदद मिल सकती है। इसके अलावा, तेल लगाएं और रक्त परिसंचरण को बढ़ाने के लिए जोड़ों के क्षेत्र में धीरे से मालिश करें।

एसी का प्रयोग न करें : अगर आप मानसून में भी एसी का अधिक प्रयोग करते हैं, तो यह आपके जोड़ों की समस्या को बढ़ा सकता है और आपको दर्द हो सकता है। इसलिए, मानसून में एसी का इस्तेमाल करने से बचें।

पीएं पर्याप्त पानी : बरसात के मौसम में जोड़ों के दर्द को प्रबंधित करने के लिए पानी की मात्रा का ध्यान रखना महत्वपूर्ण है। यदि आप पर्याप्त पानी पीते हैं तो यह आपको जोड़ों की लोच बनाए रखने में मदद करेगा। जिससे आपको अपेक्षाकृत कम दर्द होगा।

संतुलित आहार लें : दर्द को मैनेज करने के लिए आपको अपने आहार में एंटी- इन्फ्लेमेटरी खाद्य पदार्थों को शामिल करना होगा। टमाटर, जैतून का तेल, हरी पत्तेदार सब्जियां, जैसे पालक, केल, साबुत अनाज, लीन प्रोटीन, नट्स, बीन्स, अंडे, दही, एवोकाडो, जामुन, ब्रोकोली, अलसी, सामन, गाजर, अदरक, अखरोट, अनानास, हल्दी खाएं। साथ ही, प्रोसेस्ड, जंक और डिब्बाबंद भोजन, शराब और धूम्रपान से दूर रहने की कोशिश करें।

मक्खन की तरह पिघलेगी चर्बी बस इन दो चीजों का करें सेवन

अगर आप नेचुरल तरीके से अपना वजन कम करना चाहते हैं तो ऐसे में नींबू के रस और जैतून के तेल को मिक्स करके लिया जा सकता है। हालांकि, इसका सही तरह से सेवन करना बेहद आवश्यक है। आप इसका सेवन सुबह खाली पेट करें। आज के समय में अधिकतर लोग अपने बढ़ते वजन के कारण परेशान रहते हैं और उसे कम करने के लिए तरह-तरह की फैन्सी डाइट, दवाई या पाउडर आदि का सेवन करते हैं। लेकिन अगर आप नेचुरल तरीके से अपने बढ़े हुए पेट व फैट को घटाना चाहते हैं तो ऐसे में आप घर पर ही एक बेहतरीन वेट लॉस ड्रिंक तैयार कर सकते हैं। इसके लिए आपको नींबू के रस और ऑलिव ऑयल की जरूरत होगी।

इस तरह करें सेवन

अगर आप नेचुरल तरीके से अपना वजन कम करना चाहते हैं तो ऐसे में नींबू के रस और जैतून के तेल को मिक्स करके लिया जा सकता है। हालांकि, इसका सही तरह से सेवन करना बेहद आवश्यक है। आप इसका सेवन सुबह खाली पेट करें। इन दोनों ही इंग्रीडिएंट में एंटीऑक्सीडेंट आपकी बॉडी को डिटॉक्स करने में मदद करते हैं, जिससे मेटाबॉलिज्म बूस्टअप होता है। इसके लिए आप जैतून के तेल में कुछ बूंदे नींबू के रस मिलाएं और इसका सेवन करें। करीबन आधे से एक घंटे बाद ब्रेकफास्ट करें।

ऐसे होता है वजन कम

जैतून के तेल और नींबू के रस से वजन कम करने के लिए बेहद ही प्रभावशाली माना जाता है। दरअसल, इन दोनों ही इंग्रीडिएंट्स में एंटीऑक्सीडेंट पाए जाते हैं, जो आपकी बॉडी को डिटॉक्स करने में मददगार साबित होते हैं। जब आप इसका सेवन करते हैं तो आपकी बॉडी जल्द ही लाइट व एक्टिव फील करती है। इसके अलावा, नींबू में मौजूद विटामिन सी शरीर को कार्निटाइन बनाने में मदद करता है। यह कार्निटाइन फैट को ऊर्जा में बदलने में मदद करता है, जिससे धीरे-धीरे फैट बर्न होने लगता है।

इस बात का रखें ध्यान

यूं तो नींबू के रस और जैतून के तेल से आपका वजन तेजी से कम होता है, लेकिन फिर भी आपको कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए। मसलन, इसका बहुत अधिक मात्रा में सेवन ना करें, अन्यथा आपके दांतों को नुकसान पहुंच सकता है। इसके अलावा, अगर आपको एलर्जी है तो एक बार डॉक्टर से सलाह अवश्य लें।

❖ मिताली जैन

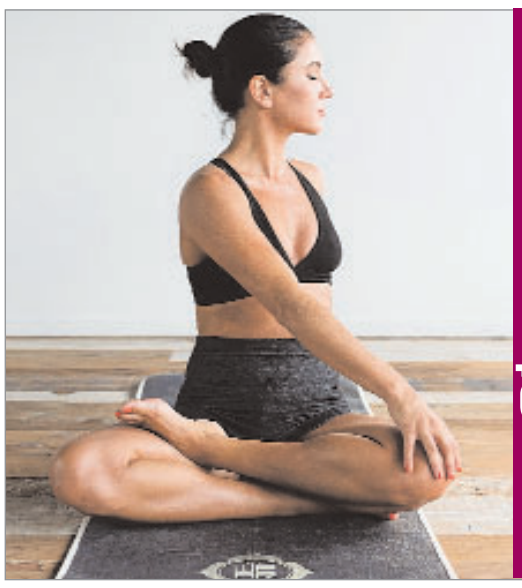

किडनी की बीमारियों से रहना है दूर तो रोजाना करें ये योगासन

हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक मोटापे से ग्रस्त लोगों को किडनी की समस्या होने का जोखिम अधिक रहता है। ऐसे में आपको अपने खानपान और जीवनशैली पर खास ध्यान देने की जरूरत होती है। आप योग के नियमित अभ्यास से किडनी को स्वस्थ रख सकते हैं। किडनी हमारे शरीर का एक अहम अंग है और इसके बिना हमारे शरीर के काम करने की क्षमता ना के बराबर हो जाती है। किडनी हमारे शरीर में बनने वाले जहरीले पदार्थों को फिल्टर करके यूरिन के जरिए बाहर निकालती है। अगर किडनी सही ढंग से काम ना करे तो हमारे शरीर में टॉक्सिंस जमा होने लगेंगे जिसका सीधा असर हमारे दिल और लिवर पर पड़ेगा। हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक मोटापे से ग्रस्त लोगों को किडनी की समस्या होने का जोखिम अधिक रहता है। ऐसे में आपको अपने खानपान और जीवनशैली पर खास ध्यान देने की जरूरत होती है। आप योग के नियमित अभ्यास से किडनी को स्वस्थ रख सकते हैं।

मार्जरीआसन : इस आसन को करने के लिए वज्रासन की मुद्रा में बैठ जाएं। अब अपने दोनों हाथों को फर्श पर आगे की ओर रखें। अपने दोनों हाथों पर थोड़ा सा भार डालते हुए अपने हिप्स (कूल्हों) को ऊपर उठायें। अपनी जांघों को ऊपर की ओर सीधा करके पैर के घुटनों पर 90 डिग्री का कोण बनाएँ। अब साँस भरते हुए अपने सिर को पीछे की ओर झुकाएं, अपनी नाभि को नीचे से ऊपर की तरफ धकेलें और टेलबोन (रीढ़ की हड्डी का निचला भाग)) को ऊपर उठाएं। अब अपनी सांस को बाहर छोड़ते हुए अपने सिर को नीचे की ओर झुकाएं और मुंह की ठुड्डी को अपनी छाती से लगाने का प्रयास करें। इस स्थिति में अपने घुटनों के बीच की दूरी को देखें। अब फिर से अपने सिर को पीछे की ओर करें और इस प्रक्रिया को दोहराएं। इस क्रिया को आप 10-20 बार दोहराएं।

सेतुबंधासन (ब्रिज पोज) : इस आसान को करने के लिए जमीन पर पीठ के बल लेट जाएं। अब हाथ को शरीर से सटा कर और हथेलियों को जमीन से लगा कर रखें। फिर धीरे-धीरे नितंबों, कमर और पीठ के सबसे ऊपरी हिस्से को ऊपर उठाएं। इस अवस?था में 3 से 5 मिनट तक रहें। सांस छोड़ते हुए आसन से बाहर आ जाएं।

अर्ध मत्स्येन्द्रासन : इस आसन को करने के लिए जमीन पर बैठ जाएं और अपने पैरों को सामने फैलाएं। अपनी रीढ़ को सीधा रखें और अपने हाथों को साइड में रखें। अब अपने बाएं घुटने को मोड़ें और अपने बाएं पैर को क्रास्ड लेग पोजीशन की तरह पेल्विक क्षेत्र के पास लाएं। अपने दाहिने घुटने को मोड़ें और दाहिने पैर को बाएं घुटने के ऊपर ले आएं। आपका दाहिना पैर आपके बाएं घुटने के पास होना चाहिए। अब, अपने ऊपरी शरीर को मोड़ें और अपने बाएं हाथ को अपने दाहिने घुटने के पार ले आएं। आप अपने दाहिने हाथ को अपनी तरफ या अपनी पीठ के पीछे रख सकते हैं। लगभग एक मिनट के लिए इस स्थिति में रहें और फिर प्रारंभिक स्थित में लौट आएं। अब इसे दूसरी तरफ से दोहराएं।

❖ प्रिया मिश्रा

सेहत के लिए अमृत के समान है पंचमेल दाल इसके सेवन से सेहत को होते हैं कई लाभ

पांच तरह की दालों के बराबर मिश्रण को 'पंचमेल दाल' कहते हैं। पंचमेल दाल का सेवन करने से सेहत को कई तरह के लाभ मिलते हैं।पंचमेल दाल में प्रोटीन, कैल्शियम, आयरन, मैग्नीशियम, फास्फोरस, काबोर्हाइड्रेट और मिनरल्स जैसे कई पोषक तत्व के गुण पाए जाते है। इसका सेवन करने से कई तरह की स्वास्थ्य संबंधित समस्याओं से छुटकारा मिलता है। सोचिए एक तरह की दाल खाने से हमारे शरीर को इतना पोषण मिलता है तो पांच दालों के मिश्रण को खाने से कितना पोषण मिलेगा? पांच तरह की दालों के बराबर मिश्रण को 'पंचमेल दाल' कहते हैं। पंचमेल दाल का सेवन करने से सेहत को कई तरह के लाभ मिलते हैं। पंचमेल दाल में प्रोटीन, कैल्शियम, आयरन, मैग्नीशियम, फास्फोरस, काबोर्हाइड्रेट और मिनरल्स जैसे कई पोषक तत्व के गुण पाए जाते है। इसका सेवन करने से कई तरह की स्वास्थ्य संबंधित समस्याओं से छुटकारा मिलता है।

पाचन तंत्र को मजबूत बनाए : पंचमेल दाल हमारे पाचन तंत्र को मजबूत बनाने के लिए बहुत ही फायदेमंद मानी जाती है। इसमें भरपूर मात्रा में फाइबर मौजूद होता है, जो पाचन तंत्र को मजबूत बनाने में मदद करता है। पंचमेल दाल का सेवन करने से कब्ज की समस्या को दूर करने में मदद मिलती है।

वजन कम करने में मददगार : जो लोग वजन कम करना चाहते हैं, उनके लिए पंचमेल दाल का सेवन करना बहुत फायदेमंद माना जाता है। पंचमेल दाल में फाइबर मौजूद होता है, जिसकी वजह से पेट लंबे समय तक भरा हुआ महसूस होता है और भूख भी कम लगती है। पंचमेल दाल का सेवन करने से वजन कम करने में मदद मिलती है।

डायबिटीज के मरीजों के लिए फायदेमंद : डायबिटीज के मरीजों के लिए पंचमेल दाल का सेवन करना बहुत लाभकारी माना जाता है। पंचमेल दाल में ऐसे कई सारे पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो ब्लड शुगर को कंट्रोल करने में मदद करते हैं।

दिल के स्वास्थ्य के लिए लाभकारी : दिल को हेल्दी रखने के लिए भी पंचमेल दाल का सेवन फायदेमंद माना हटा है। इसमें फाइबर पाया जाता है जो कोलेस्ट्रॉल लेवल को कम करने में मदद करता है। पंचमेल दाल का सेवन करने से दिल का स्वास्थ्य अच्छा रहता है।

आज का राशिफल

मेष राशि : जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। रहन-सहन अव्यवस्थित रहेगा। कारोबार की स्थिति में सुधार होगा। धर्म के प्रति श्रद्धाभाव रहेगा। नौकरी में स्थान परिवर्तन की सम्भावना बन रही है।	**वृष राशि** : धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। नौकरी में कार्यक्षेत्र में बदलाव की सम्भावना बन रही है। मन परेशान हो सकता है।	**मिथुन राशि** : आय में कमी एवं खर्च अधिक की स्थिति हो सकती है। कार्यक्षेत्र में परिश्रम अधिक रहेगा। क्रोध के अतिरेक से बचें। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा।	**कर्क राशि** : मन परेशान हो सकता है। कारोबार में लाभ होगा। भागदौड़ अधिक रहेगी। लाभ के अवसर मिलेंगे। किसी मित्र का सहयोग मिल सकता है।
सिंह राशि : घर-परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं। भाग-दौड़ अधिक रहेगी। रहन-सहन अव्यवस्थित हो सकता है। सेहत का ध्यान रखें।	**कन्या राशि** : परिवार की जिम्मेदारी बढ़ सकती है। नौकरी में स्थान परिवर्तन की सम्भावना भी बन रही है। कार्यक्षेत्र में वृद्धि हो सकती है।	**तुला राशि** : आत्मविश्वास में कमी हो सकती है। माता-पिता का सानिध्य मिलेगा। वाहन के रखरखाव एवं वस्त्रों पर खर्च बढ़ सकते हैं।	**वृश्चिक राशि** : किसी पुराने मित्र से पुनः सम्पर्क हो सकता है। परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं। वस्त्र उपहार में प्राप्त हो सकते हैं। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।
धनु राशि : शैक्षिक कार्यों में व्यवधान आ सकते हैं। सचेत रहें। माता-पिता का साथ मिलेगा। सम्पत्ति के रखरखाव पर खर्च बढ़ सकते हैं। आत्मविश्वास से परिपूर्ण रहेंगे।	**मकर राशि** : आलस्य की अधिकता रहेगी। किसी सम्पत्ति से आय के साधन बन सकते हैं। वाहन सुख में वृद्धि हो सकती है। खर्चों में वृद्धि होगी। नौकरी में परिवर्तन की सम्भावना बन रही है।	**कुंभ राशि** : खर्च भी बढ़ सकते हैं। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। भाग-दौड़ बढ़ेगी। परिवार के साथ यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ सकती है।	**मीन राशि** : अपनी भावनाओं को वश में रखें। सन्तान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। नौकरी में तरक्की के मार्ग प्रशस्त हो सकते हैं। किसी मित्र का सहयोग भी मिल सकता है।

न्यूज गैलरी

नसीम शाह पाकिस्तान टीम के साथ न्यूजीलैंड दौरे पर जायेंगे

लाहौर (एजेंसी)। पाकिस्तान के तेज गेंदबाज नसीम शाह कोविड-19 से जुड़े दो दिनों के पृथकवास को पूरा करने के बाद अगले सप्ताह न्यूजीलैंड के दौरे पर टीम के साथ यात्रा करेंगे। कोरोना वायरस जांच में संक्रमण की पुष्टि होने के बाद शाह इंग्लैंड के खिलाफ सात मैचों की घरेलू टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के आखिरी दो मैचों की टीम से बाहर हो गए। निमोनिया से पीड़ित होने के बाद उन्होंने अस्पताल में दो रातें बिताई थी। इस तेज गेंदबाज ने एक ट्वीट कर बताया कि वह बेहतर महसूस कर रहे और बीमारी से उबर रहे हैं।' पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने कहा कि शाह घर पर पृथकवास के दौरान कोविड-19 के सभी प्रोटोकॉल का पालन करेंगे और क्रिकेट बोर्ड की चिकित्सा समिति की निगरानी में रहेंगे। पाकिस्तान की टीम सोमवार तड़के न्यूजीलैंड के लिए रवाना होगी। टीम को इस दौरे पर त्रिकोणीय ट्वेंटी 20 श्रृंखला में भाग लेना है जिसमें न्यूजीलैंड के अलावा बांग्लादेश भी शामिल है।

तीसरी बार मोटरस्पोर्ट क्लब महासंघ के अध्यक्ष बने इब्राहिम

चेन्नई (एजेंसी)। पूर्व रेसर अकबर इब्राहिम तीसरी बार भारतीय मोटरस्पोर्ट्स क्लब महासंघ (एफएमएससीआई) के अध्यक्ष चुने गये हैं। एफएमएससीआई की वार्षिक बैठक में गुरुवार को यह निर्णय लिया गया। मेको मोटरस्पोर्ट्स का प्रतिनिधित्व करते हुए इब्राहिम दो साल का अपना तीसरा कार्यकाल पूरा करेंगे। इससे पहले वह 2016-2018 और 2020-2022 में भी महासंघ के अध्यक्ष रह चुके हैं। उल्लेखनीय है कि इससे पहले इब्राहिम को एफआईए अंतरराष्ट्रीय कार्टिंग समिति का अध्यक्ष भी चुना गया था। कर्नाटक मोटर स्पोर्ट्स क्लब के प्रतिनिधि गौतम बी शनटप्पा एफएमएससीआई के उपाध्यक्ष चुने गये। इसके अलावा जे पृथ्वीराज (कोयंबटूर ऑटो स्पोर्ट्स क्लब), भारत विवेक चंडोक (मद्रास मोटर स्पोर्ट्स क्लब), प्रतिम चौधरी (बंगाल मोटर स्पोर्ट्स क्लब), हरि सिंह (प्रदर्शन कार रेसिंग ट्रस्ट), राज कपूर (उत्तरी मोटरस्पोर्ट्स), जे बालमुरुगन (स्पिटफायर मोटर स्पोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड), केतन मेहता (इंडियन ऑटोमोटिव रेसिंग क्लब) और वीर रैना (कलकत्ता मोटर स्पोर्ट्स क्लब) को काउंसिलर नियुक्त किया गया है।

पार्मा ओपन : मैरीना जानेवस्का को हकाकर सेमीफाइनल में पहुंची मारिया सक्कारी

पार्मा (एजेंसी)। शीर्ष वरीयता प्राप्त मारिया सक्कारी ने विश्व में 97वीं रैंकिंग की मैरीना जानेवस्का को तीन सेट तक चले मुकाबले में 2-6, 6-4, 6-4 से हराकर पार्मा ओपन महिला टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। सक्कारी सेमीफाइनल में डंका कोविनिच से भिड़ेगी जिन्होंने एक अन्य क्वार्टर फाइनल मैच में जैस्मीन पाओलिनी को 6-4, 6-4 से हराया। इस बीच मिस्र की मेयर शेरिफ ने अमेरिका की लॉरेन डेविस को 7-6 (2), 6-3 से हराकर अपने करियर के दूसरे सेमीफाइनल में प्रवेश किया। शेरिफ का सामना अब एना बोगडान से होगा, जिन्होंने रोमानिया की इरिना कामेलिया बेगू को 6-2, 7-6 (6) से पराजित किया।

हरमनप्रीत ने दीप्ति के रन आउट विवाद पर तोड़ी चुप्पी, कहा- यह योजना का हिस्सा नहीं था

सिलहट (एजेंसी)। महिला टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने शुक्रवार को कहा कि इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे एकदिवसीय मैच में चार्ली डीन को रन आउट करना भारतीय टीम की योजनाओं का हिस्सा नहीं था, लेकिन यह खेल के नियमों के तहत था।

भारतीय ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा ने इंग्लैंड की बल्लेबाज चार्ली डीन को गेंद फेंकने से पहले क्रीज से बाहर निकल जाने पर रन आउट कर दिया था। इस तरह से रन आउट करना वैध माना जाता है लेकिन इसे खेल भावना नहीं माना जाता। महिला एशिया कप से पहले हरमनप्रीत ने दीप्ति का समर्थन करते हुए कहा कि अब इस विवाद को पीछे छोड़ने का समय है। उन्होंने कहा, ह्यहम पिछले कुछ मैचों से इन बातों पर ध्यान दे रहे थे। वह क्रीज से काफी आगे निकल जा रही थी और अनुचित लाभ उठा रही थी, यह दीप्ति की

वनडे की लय बरकरार रखने उतरेगी भारतीय महिला टीम

इंग्लैंड को क्लीन स्वीप करने के बाद उत्साह से ओतप्रोत भारतीय टीम रन आउट विवाद को पीछे छोड़कर महिला एशिया कप टी20 क्रिकेट टूर्नामेंट में अपनी लय बरकरार रखने के लिए उतरेगी, जहां शनिवार को उसका पहला मैच श्रीलंका से होगा। भारतीय महिलाओं को टी20 प्रारूप में हाल में बहुत अधिक सफलताएं नहीं मिली हैं लेकिन इस महाद्वीपीय प्रतियोगिता में हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली टीम खिताब के प्रबल दावेदार के रूप में शुरूआत करेगी। पिछली बार के टूर्नामेंट को छोड़कर भारत ने 2004 से शुरू हुए एशिया कप में हर बार खिताब जीता है। उसने वनडे प्रारूप में चार जबकि टी20 प्रारूप में दो खिताब हासिल किए हैं। एशिया कप को 2012 में वनडे से टी20 प्रारूप में तब्दील कर दिया गया था। भारत तब से दो बार इसमें विजेता रहा जबकि 2018 में पिछले टूर्नामेंट में उसे बांग्लादेश से हार का सामना करना पड़ा था। कोविड-19 के कारण चार साल बाद आयोजित किए जा रहे इस टूर्नामेंट में भारतीय टीम अपना दबदबा बरकरार रखने की कोशिश करेगी। पिछला टूर्नामेंट बांग्लादेश में 2020 में खेला जाना था लेकिन कोविड-19 महामारी के कारण इसे स्थगित कर दिया गया था। बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में ऐतिहासिक रजत पदक जीतने के बाद भारतीय महिला क्रिकेट टीम को इस महीने के शुरू में इंग्लैंड से टी20 श्रृंखला में 1-2 से हार का सामना करना पड़ा था। लेकिन हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली टीम ने वनडे में शानदार वापसी की और 3-0 से क्लीनस्वीप करके दिग्गज तेज गेंदबाज झूलन गोस्वामी को शानदार विदाई दी। यह श्रृंखला आखिर में हालांकि नॉन स्ट्राइक छोर पर रन आउट करने के कारण चर्चा में रही। भारतीय ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा ने इंग्लैंड के बल्लेबाज चार्ली डीन को गेंद फेंकने से पहले क्रीज से बाहर निकल जाने पर रन आउट कर दिया था। इस तरह से रन आउट करना वैध माना जाता है लेकिन इसे खेल भावना नहीं माना जाता। भारतीय टीम इस घटना को पीछे छोड़ कर सकारात्मक पहलुओं के साथ आगे बढ़ने की कोशिश करेगी। जहां तक खिलाड़ियों के प्रदर्शन की बात है तो कप्तान हरमनप्रीत शानदार फॉर्म में है जबकि स्मृति मंधाना भी अच्छी बल्लेबाजी कर रही है लेकिन शेफाली वर्मा, सबिनेनी मेघना और दयालन हेमलता को अच्छा प्रदर्शन करने की जरूरत है। हाथ में चोट के कारण इंग्लैंड के खिलाफ श्रृंखला में नहीं खेल पाने वाली जेमिमा रोड्रिग्स ने टीम में वापसी की है। ऋचा घोष भी टीम में हैं जिन्हें राष्ट्रमंडल खेलों के लिए नहीं चुना गया था। भारतीय तेज गेंदबाजी का जिम्मा रेणुका सिंह संभालेंगी, जबकि स्पिन विभाग की जिम्मेदारी राधा यादव, राजेश्वरी गायकवाड़ और दीप्ति के कंधों पर होगी। दूसरी तरफ श्रीलंका की टीम कप्तान चमारी अटापट्टू पर बहुत निर्भर है। युवा विशमी गुणरत्ने के चोटिल होने के कारण बाहर हो जाने से चमारी की जिम्मेदारी बढ़ गई है। श्रीलंका के मध्य क्रम की जिम्मेदारी हसीनी परेरा और हर्षिता समरविक्रमा पर होगी, जबकि गेंदबाजी आक्रमण का जिम्मा काफी हद तक स्पिनरों इनोका रणवीरा और ओशादी रणसिंघे पर होगा। टूर्नामेंट में कुल सात टीम भारत, पाकिस्तान, थाईलैंड, श्रीलंका, मलेशिया, संयुक्त अरब अमीरात और मेजबान बांग्लादेश भाग ले रही हैं। प्रत्येक टीम राउंड रोबिन प्रारूप में एक दूसरे से भिड़ेगी और इस तरह से छह मैच खेलेगी। लीग चरण में शीर्ष पर रहने वाली चार टीम सेमीफाइनल में जगह बनाएंगी।

शीर्ष पुरस्कारों के लिए नामांकन यह दर्शाता है कि टीम सही दिशा में आगे बढ़ रही है : कटारिया

नयी दिल्ली (एजेंसी)। भारत के लिए 250 से अधिक अंतरराष्ट्रीय हॉकी मैच खेल चुकीं अनुभवी स्ट्राइकर वंदना कटारिया का मानना है कि टीम प्रगति के सही रास्ते पर है और इस सीजन में टीम ने हर टूर्नामेंट में अपने प्रदर्शन को बेहतर किया है। टीम के बेहतर प्रदर्शन का प्रमाण एफआईएच स्टार अवार्ड्स जैसे शीर्ष पुरस्कारों में टीम का नामांकन है। टीम की कप्तान सविता को वर्ष के सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर के लिए नामांकित किया गया है, जबकि युवा खिलाड़ी मुमताज खान को राइजिंग स्टार ऑफ द ईयर और टीम के मुख्य कोच जननेके शोपमैन को कोच ऑफ द ईयर पुरस्कार के लिए नामित किया गया है। इन संबंधित श्रेणियों के लिए वोट करने की आज आखिरी तारीख होने के कारण वंदना ने टीम के उत्साह को व्यक्त किया और लोगों से अपने साथियों का समर्थन करने का आग्रह किया।

उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि हम सही कदम उठा रहे हैं। लगभग तीन या चार साल पहले, टीम ने शायद ही कभी किसी पुरस्कार के लिए जगह बनाई हो क्योंकि हमारा प्रदर्शन अच्छा नहीं था। लेकिन अब, हम अंतरराष्ट्रीय हॉकी में सही प्रगति कर रहे हैं और हमारे प्रदर्शन को पहचाना जा रहा है।

वंदना ने कहा कि उन्होंने अपने प्रशंसकों से भारतीय पुरुष टीम के नामित खिलाड़ियों का समर्थन करने का भी अनुरोध किया है। उन्होंने कहा, पुरुष और महिला दोनों टीमों के खिलाड़ियों को नामित होते हुए देखना बहुत अच्छा है। मैं आशान्वित हूं और वास्तव में आश्वस्त हूं कि दुनिया भर में भारतीय प्रशंसक उन्हें वोट देंगे और उन्हें जीतने में मदद करेंगे।

जहां पुरस्कार अपने साथ बड़ी प्रेरणा के साथ-साथ उम्मीदें भी लाते हैं, वहीं वंदना ने कहा कि टीम जमीन से जुड़ी हुई है और आगे के कार्य पर ध्यान केंद्रित कर रही है।

उन्होंने कहा,हालांकि इस तरह की मान्यता प्राप्त करना बहुत अच्छा लगता है, जो दर्शाता है कि हमारा प्रदर्शन दुनिया की कुछ शीर्ष टीमों के बराबर है, हम अभी भी अपने लक्ष्यों पर केंद्रित हैं। हमने टीम के लिए अल्पकालिक और दीर्घकालिक लक्ष्य निर्धारित किया है।

टीम का अगला प्रमुख अंतरराष्ट्रीय मैच दिसंबर में एफआईएच हॉकी महिला नेशंस कप में होगा, लेकिन इस समय उनका सबसे बड़ा उद्देश्य चीन में अगले साल होने वाले एशियाई खेलों में पोडियम पर शीर्ष पर रहकर पेरिस ओलंपिक खेलों के लिए सीधी योग्यता हासिल करना है।

उन्होंने कहा,हर किसी का लक्ष्य अगले साल एशियाई खेल जीतना है और इसके लिए यह महत्वपूर्ण है कि हम नेशंस कप जैसे टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन करके सही गति बनाए रखें जिससे हमें एफआईएच प्रो लीग मैचों के लिए क्वालीफाई करने में मदद मिलेगी।

चोटग्रस्त बुमराह की जगह सिराज ने ली

मुंबई/गुवाहाटी (एजेंसी)। अखिल भारतीय वरिष्ठ चयनकर्ता समिति ने चोटग्रस्त जसप्रीत बुमराह के स्थान पर मोहम्मद सिराज को दक्षिण अफ्रीका टी20 श्रृंखला के लिए टीम में शामिल किया है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव जय शाह ने शुक्रवार को कहा कि बुमराह की पीठ में चोट आई है और वह बीसीसीआई चिकित्सीय दल की देखरेख में हैं। अगर सिराज रविवार को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ फील्ड पर उतरते हैं तो वह सात महीने बाद टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबला खेलेंगे। उन्होंने अपना आखिरी टी20 अंतरराष्ट्रीय फरवरी 2022 में श्रीलंका के विरुद्ध खेला था। रोहित शर्मा की टीम को आईसीसी टी20 विश्व कप 2022 के लिए रवाना होने से पहले दो टी20 मैचों में प्रोटियाज का सामना करना है जो क्रमशः दो अक्टूबर और चार अक्टूबर को खेले जायेंगे। उल्लेखनीय है कि सिराज भारत की टी20 विश्व कप टीम का हिस्सा नहीं हैं।

अपनी नीलामी से खुश हूं, अब मुझे प्रदर्शन करना है : गुमान सिंह

मुंबई (एजेंसी)। गुमान सिंह पिछले महीने मुंबई में प्रो कबड्डी लीग नीलामी में श्रेणी बी में सबसे महंगे खिलाड़ी के रूप में उभरे। इस बेहतरीन रेडर को यू मुंबा ने 1.21 करोड़ रुपये में खरीदा था। पीकेएल के सीजन 9 से पहले नीलामी को लेकर गुमान ने कहा, मैंने पीकेएल के दो सीजन खेले हैं - एक 2019 में जयपुर पिंक पैंथर्स के साथ और दूसरा 2021 में पटना पाइरेट्स के साथ। इसके बारे में जानने के बाद मैं वास्तव में खुश था। नीलामी में यू मुंबा ने मेरे लिए बोली लगाई, लेकिन अब, मुझे बोली के अनुसार भी प्रदर्शन करना है। मैं अपने खेल में सुधार करने की कोशिश कर रहा हूं और इस सीजन में और भी बेहतर प्रदर्शन करूंगा। मैं अपनी टीम को चैंपियन बनाने में पूरी मदद करुंगा। बेंगलुरू में 7 अक्टूबर से शुरू होने वाले आगामी सीजन के लिए उनकी तैयारियों के बारे में पूछे जाने पर, रेडर ने कहा, सीजन से पहले हमारे संयोजन को सेट करने में हमेशा समय लगता है। हम अच्छा अभ्यास कर रहे हैं और रेड व डिफेंस दोनों पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। किसान पृष्ठभूमि से आने वाले गुमान ने अपने परिवार से मिले समर्थन का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा, मेरे माता-पिता हरियाणा के एक गांव में रहते हैं। मेरी मां एक गृहिणी हैं और पिता एक किसान हैं। मेरे माता-पिता ने हमेशा मेरी कबड्डी आकांक्षाओं का समर्थन किया है और मुझे वह सब कुछ दिया जिसकी मुझे कभी जरूरत थी। उन्होंने मुझे कभी भी खेल छोड़ने के लिए नहीं कहा। विवो पीकेएल के महत्व के बारे में बोलते हुए, गुमान ने कहा, जब हमने कबड्डी खेलना शुरू किया, तो हमारी सबसे बड़ी आकांक्षाएं राष्ट्रीय स्तर पर खेलकर नौकरी हासिल करने की थी। लेकिन प्रो कबड्डी शुरू होने के बाद, हमें नाम और प्रसिद्धि हासिल करने का भी मौका मिला। हमने काम किया। विवो पीकेएल के आने के बाद टूर्नामेंट में जगह बनाना और भी मुश्किल हो गया है। आज हर कोई कबड्डी खिलाड़ियों को पीकेएल की वजह से जानता है।

मोटो जीपी ने भारत में रेस कराने की आधिकारिक घोषणा की

नयी दिल्ली (एजेंसी)। मोटो जीपी (दोपहिया रेसिंग के वैश्विक आयोजक) ने 2023 सत्र से भारत में रेस कराने की शुक्रवार को पुष्टि की जिससे फॉर्मूला वन रेस के कैलेंडर से हटने के नौ साल बाद वैश्विक मोटरस्पोर्ट की देश में वापसी होगी। मोटो जीपी की ओर से जारी संभावित कैलेंडर में भारत में होने वाले आयोजन की तिथि 22 से 24 सितंबर है।

विश्व की प्रमुख दोपहिया रेसिंग चैंपियनशिप का आयोजन फॉर्मूला वन की तरह बुद्ध इंटरनेशनल सर्किट पर होगा। इस सर्किट ने 2011 से 2013 तक फॉर्मूला वन की मेजबानी की है। मोटो जीपी ने घोषणा की कि भारत अगले साल मोटरसाइकिल ग्रां प्री की मेजबानी करने वाला 31वां देश बन जाएगा। इसके अस्थायी कैलेंडर के मुताबिक 21 रेस के सत्र में भारत सितंबर में 14वें दौर की मेजबानी करेगा। इस रेस का नाम 'ग्रां प्री ऑफ भारत' रखा गया है। इससे पहले मोटो जीपी के वाणिज्यिक अधिकार धारक डोर्ना के शीर्ष अधिकारी इस महीने की शुरूआत में भारतीय रेस प्रमोटर्स फेयरस्ट्रीट स्पोर्ट्स (एफएसएस) के साथ सात साल के समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने के लिए भारत आए थे। उन्होंने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर के साथ भी बैठक की थी। एफएसएस ने घोषणा की थी कि मोटो जीपी के एक दौर को अगले साल यहां आयोजित किया जाएगा, लेकिन डोर्ना के प्रबंध निदेशक कार्लोस इजपेलेटा ने सत्र की व्यस्तता का हवाला देते हुए किसी समय सीमा का जिक्र नहीं किया था। मोटो जीपी की ओर से शुक्रवार की घोषणा हालांकि इस तस्वीर को और अधिक स्पष्ट कर देती है। इजपेलेटा ने यहां जारी बयान में कहा, हमें यह घोषणा करते हुए बहुत गर्व हो रहा है कि बुद्ध इंटरनेशनल सर्किट 2023 कैलेंडर में मोटो जीपी की मेजबानी करेगा। भारत में हमारे बहुत सारे प्रशंसक हैं और हम उनके लिए इस खेल को वहां लाने के लिए उत्साहित हैं।'

इस विज्ञप्ति में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा, इस तरह के वैश्विक आयोजन की मेजबानी करना उत्तर प्रदेश के लिए बहुत गर्व की बात है। हमारी सरकार मोटो जीपी भारत को पूर्ण समर्थन प्रदान करेगी।' इस तरह के बड़े आयोजन को सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए सरकार से समर्थन की जरूरत है और ऐसा लग रहा है कि इस रेस को राज्य और केंद्र दोनों सरकारों का समर्थन हासिल है।

टी-20 विश्व कप 2022 जीतने वाली टीम को मिलेंगे 16 लाख डॉलर

दुबई (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) पुरुष टी20 विश्व कप 2022 जीतने वाली टीम को 16 लाख डॉलर (13 करोड़ 53 हजार 760 रुपये) की पुरस्कार राशि से पुरस्कृत किया जायेगा। आईसीसी ने शुक्रवार को इसकी घोषणा की। आईसीसी ने बताया कि 13 नवंबर को होने वाले फाइनल हारने वाली टीम को आठ लाख डॉलर (छह करोड़, 50 लाख, 56 हजार 880 रुपये) की पुरस्कार राशि दी जायेगी, जबकि सेमीफाइनल में हारने वाली टीमों को चार-चार लाख डॉलर (तीन करोड़, 25 लाख 31 हजार 200) दिये जायेंगे। आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2021 की तरह ही सुपर-12 चरण से बाहर होने वाली आठ टीमों को 70 हजार डॉलर मिलेंगे। अफगानिस्तान, ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, इंग्लैंड, भारत, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान और दक्षिण अफ्रीका सुपर-12 में पहुंच चुके हैं। पहले दौर में बाहर हुई चारों टीमों को प्रत्येक को 40,000 डॉलर मिलेंगे। जिन टीमों के अभियान पहले दौर में शुरू होंगे, उनमें नामीबिया, नीदरलैंड, श्रीलंका, संयुक्त अरब अमीरात, आयरलैंड, स्कॉटलैंड, वेस्ट इंडीज और जिम्बाब्वे शामिल हैं।

चेन्नईयिन एफसी ने की आईएसएल के नौवें सीजन के लिए 35 सदस्यीय टीम की घोषणा

चेन्नई (एजेंसी)। इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) के नौवें सीजन के लिए चेन्नईयिन एफसी ने मुख्य कोच थॉमस ब्रैडारिक के नेतृत्व में 35 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। नासिर एल खयाती सातवें विदेशी अधिग्रहण के रूप में क्लब में शामिल हुए और 2022-23 आईएसएल अभियान के लिए अंतरराष्ट्रीय इकाई का हिस्सा हैं। डच फुटबॉलर, उप-कप्तान और सेनेगल के अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी फॉलो डायग्ने, ईरानी डिफेंडर वाफा हखमनेशी, जर्मन मिडफील्डर जूलियस डुकर, घाना के क्वामे करिकरी व क्रोएशिया के पेटार स्लीस्कोविक के साथ टीम

से जुड़े हैं, ये सभी टीम के लिए डूरंड कप में खेले हैं। इस साल, चेन्नईयिन एफसी की टीम अपने अभियान की शुरूआत 10 अक्टूबर को एटीके मोहन बागान के खिलाफ करेंगे। इसके बाद वे 14 अक्टूबर को मरीना एरिना में बेंगलुरू एफसी से भिड़ेंगे।

आईएसएल सीजन नौ के लिए चेन्नईयिन की टीम इस प्रकार है:

7 अक्टूबर से शुरू होगा टूर्नामेंट, केरल ब्लास्टर्स और ईस्ट बंगाल के बीच होगा पहला मैच

मुंबई (एजेंसी)। इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) का नया सत्र सात अक्टूबर से शुरू होगा जिसका पहला मैच कोच्चि के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में पिछले साल के उपविजेता केरल ब्लास्टर्स और ईस्ट बंगाल के बीच खेला जाएगा। वैश्विक फुटबॉल लीग की तर्ज पर आईएसएल के मैच गुरुवार और रविवार के बीच खेले जाएंगे। आईएसएल में भाग लेने वाली टीमें अभी एशिया की सबसे पुरानी प्रतियोगिता डूरंड कप में खेल रही हैं। आईएसएल की समाप्ति के बाद अप्रैल में सुपर कप होगा। भारत की सबसे बड़ी फुटबॉल लीग में दो सत्र के बाद पहली बार दर्शकों की भी स्टेडियम में वापसी होगी। अधिक से अधिक दर्शकों को आकर्षित करने के लिए आईएसएल ने सप्ताहांत में अधिक मैच रखे हैं। आईएसएल के नए प्रारूप के अनुसार लीग चरण में शीर्ष पर रहने वाली दो टीमें स्वतः ही सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करेंगी। इसके बाद तीसरे से छठे स्थान पर रहने वाली टीम एक चरण के प्लेऑफ में खेलेंगी जिससे सेमीफाइनल में पहुंचने वाली दो अन्य टीमों का निर्धारण होगा। मौजूदा चैंपियन हैदराबाद एफसी अपना पहला मैच नौ अक्टूबर को अपने घरेलू मैदान पर मुंबई सिटी एफसी से खेलेगा। लीग चरण में प्रत्येक टीम 20 मैच खेलेगी। इनमें से 10 मैच वह घरेलू मैदान पर खेलेगी।

गोलकीपर: देबजीत मजूमदार, लवप्रीत सिंह।

डिफेंडर्स : नारायण दास, आकाश सांगवान, वफा हखमनेशी, फालू डायगने, गुरमुख सिंह, मोहम्मद साजिद धोत, अजित कुमार, मोनोतोश चकलादार, मोहम्मद आकिब।

मिडफील्डर: नासिर एल खयाती, जितेश्वर सिंह, अनिरुद्ध थापा, एडविन वानस्पॉल, जूलियस डुकर, सजल बैग, क्रिस व्हाइट, मोहम्मद रफीक, सौरव दास, सुहैल पाशा।

फॉरवर्ड : निन्थोई मीतेई, विंसी बैरेटो, रहीम अली, रोमारियो जेसुराज, पेटार स्लीस्कोविक, क्वामे करिकरी, प्रशांत करुथादाथकुनी, जोकसन धास, सेंथमीज, जॉबी जस्टिन, गुलाब सिंह, मोहम्मद लियाकथ।

न्यूज गैलरी

वेदांता का 2030 तक 2.5 गीगावॉट अक्षय ऊर्जा हासिल करने का लक्ष्य

मुंबई। देश की खनन कंपनी वेदांता लिमिटेड ने अक्षय ऊर्जा स्त्रोत को एक गीगावाट तक बढ़ाने का फैसला किया है इसको लेकर कंपनी ने अतिरिक्त 500 मेगावाट अक्षय ऊर्जा के लिए रुचि पत्र (एक्सप्रेशन ऑफ इंटरेस्ट) आमंत्रित किए हैं। वेदांता ने वर्ष 2030 तक अपने परिचालन के लिए 2.5 गीगावॉट अक्षय ऊर्जा हासिल करने का लक्ष्य रखा है। कंपनी के मुख्य सुरक्षा अधिकारी और समूह के सीईओ सुनील दुग्गल ने कहा, ह्यह कदम प्राकृतिक संसाधन क्षेत्र में ईएसजी के क्षेत्र में अग्रणी बनने के हमारे कदम को आगे बढ़ाता है। यह 2030 तक 2.5 गीगावॉट अक्षय ऊर्जा प्राप्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। हम उद्योग में सर्वश्रेष्ठ के साथ सहयोग करने की आशा कर रहे हैं क्योंकि हम अपने डीकार्बोनाइजेशन लक्ष्यों की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। वेदांता ने प्रतिष्ठित, अनुभवी और आर्थिक रूप से मजबूत कंपनियों को राजस्थान, छत्तीसगढ़ और ओडिशा में स्थित अपनी विनिर्माण सुविधाओं के लिए हाइब्रिड अक्षय ऊर्जा की आपूर्ति के लिए अपने रुचि पत्र जमा करने के लिए आमंत्रित किए हैं। उल्लेखनीय है कि वेदांता ने पहले सेरेंटिका रिन्यूएबल्स के जरिए 580 मेगावाट आरटीसी नवीकरणीय ऊर्जा हासिल की थी।

अडानी पावर द्वारा डिलिजेंट पावर और डीबी पावर की शेयर पूंजी के अधिग्रहण को मंजूरी

नयी दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) ने अडानी पावर लिमिटेड द्वारा डिलिजेंट पावर प्राइवेट लिमिटेड और डीबी पावर लिमिटेड की शेयर पूंजी के अधिग्रहण को मंजूरी दे दी। प्रस्तावित संयोजन में अधिग्रहणकर्ता द्वारा शेयर पूंजी के शत-प्रतिशत और लक्ष्य के आर्थिक अधिकारों का अधिग्रहण शामिल है। अधिग्रहण करने वाली कंपनी भारत में निगमित एक सार्वजनिक सूचीबद्ध कंपनी है, जिसके शेयर बीएसई लिमिटेड के साथ-साथ नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड में सूचीबद्ध हैं। अधिग्रहणकर्ता एक बिजली कंपनी है, जिसके भारत में आठ बिजली संयंत्र चल रहे हैं। इसकी बिजली उत्पादन क्षमता 13,650 मेगावाट की है जिसमें गुजरात, महाराष्ट्र, कर्नाटक, राजस्थान एवं छत्तीसगढ़ में स्थित ताप विद्युत संयंत्र और गुजरात में 40 मेगावाट की सौर ऊर्जा परियोजना शामिल है। डिलिजेंट पावर मुख्य रूप से एक होल्डिंग कंपनी की गतिविधियों में लगी हुई है। यह डीबी पावर तक सीमित परियोजना प्रबंधन और परामर्श सेवाएं भी प्रदान करती है। डीबी पावर छत्तीसगढ़ में 1200 मेगावाट प्रति घंटे की स्थापित क्षमता वाले कोयला आधारित ताप विद्युत संयंत्र का संचालन करती है।

दूसरी छमाही में सरकार बाजार से जुटायेगी 5.92 लाख करोड़

नयी दिल्ली। सरकार ने चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में 5.92 लाख करोड़ रुपये बाजार से जुटाने की घोषणा की है। वित्त मंत्रालय ने शुक्रवार को यहां बताया कि रिजर्व बैंक के साथ सलाह मशविरा के आधार पर दूसरी छमाही के लिए उधारी जुटाने के कैलेंडर को अंतिम रूप दिया गया है। चालू वित्त वर्ष में बाजार से कुल मिलाकर 14.31 लाख करोड़ रुपये जुटाने की योजना बनायी गयी थी और उसी के अनुरूप दूसरी छमाही में 5.92 लाख करोड़ रुपये जुटाने के लिए कैलेंडर जारी किया गया है। सरकार 20 सप्ताह तक बाजार से उधारी लेकर 5.76 लाख करोड़ रुपये जुटायेगी। इसके साथ ही 16 हजार करोड़ रुपये संप्रभु हरित बॉंड के माध्यम से जुटाये जायेंगें।

महंगा हुआ सोना, चांदी के दाम में भी आया उछाल

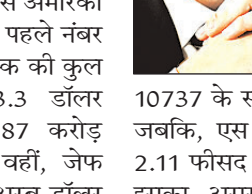

दिल्ली। भारतीय सराफा बाजार में गुरुवार के कारोबारी दिन में सोना-चांदी की कीमतों में तेजी देखी गई। दिल्ली सराफा बाजार में आज सोने के दाम में 460 रुपये की तेजी आई. वहीं चांदी की कीमतों में भी आज 1,035 रुपये का उछाल देखा गया. दिल्ली सराफा बाजार में विगत गुरुवार को सोना 460 रुपये की बढ़त के साथ 49,960 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। इससे पिछले कारोबारी सत्र में सोना 49,500 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था. वहीं चांदी भी 1,035 रुपये की मजबूती के साथ 56,230 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई। चांदी का पिछला बंद भाव 55,195 रुपये प्रति किग्रा था।

महंगाई पर लगाम लगाने को आरबीआई ने कसी कमर, रेपो दर में 0.5 प्रतिशत की हुई वृद्धि

मुंबई (एजेंसी)। आसमान छू रही महंगाई को काबू में करने के लिए पूरी दुनिया के केंद्रीय बैंकों के ब्याज दर में बढ़ोतरी करने का अनुसरण करते हुए रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने भी उम्मीद के अनुरूप आज रेपो दर में 0.50 प्रतिशत की वृद्धि कर दी। आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की तीन दिवसीय बैठक के बाद शुक्रवार को गवर्नर शक्तिकांत दास ने बैठक में लिए गये निर्णय की जानकारी देते हुये कहा कि वैश्विक स्तर पर महंगाई में अप्रत्याशित बढ़ोतरी से भारत भी अछूता नहीं है। बढ़ती महंगाई को नियंत्रित करने के साथ ही विकास को गति देने के लिए एमपीसी ने रेपो दर में 0.50 प्रतिशत वृद्धि करने का निर्णय

लिया है। उन्होंने कहा कि इस बढ़ोतरी के बाद रेपो दर 5.40 प्रतिशत से 0.50 प्रतिशत बढ़कर 5.9 प्रतिशत पर, सटैडिंग डिपॉजिट फैसिलिटी दर (एसडीएफ) 5.15 प्रतिशत से 0.50 प्रतिशत बढ़कर 5.65 प्रतिशत तथा मार्जिनल स्टैंडिंग फैसिलिटी

> नीतिगत दरों में हुई बढ़ोतरी से खुदरा महंगाई को नियंत्रित करने में मदद मिलने की उम्मीद है और महंगाई को मध्यावधि में छह प्रतिशत के लक्षित दायरे में लाया जा सकेगा।

(एमएसएफ) 5.65 प्रतिशत से बढ़कर 6.15 प्रतिशत पर पहुंच गयी है। नीतिगत दरों में हुई बढ़ोतरी से खुदरा महंगाई को नियंत्रित करने में मदद मिलने की उम्मीद है और महंगाई को मध्यावधि में छह प्रतिशत के लक्षित दायरे में लाया जा सकेगा। श्री दास ने कहा कि समिति के छह में से पांच सदस्यों ने नीतिगत दरों में 0.50 प्रतिशत की बढ़ोतरी करने का निर्णय लिया है। इसके साथ ही समिति ने समायोजन वाले रूख को वापस लेने पर भी सहमति जतायी है। इससे महंगाई को लक्षित दायरे में लाने और विकास को गति देने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि वैश्विक भू-राजनीतिक घटनाक्रम का घरेलू मुद्रास्फीति पर प्रभाव पड़ा है। इस वर्ष अगस्त में मुद्रास्फीति बढ़कर 7.0 प्रतिशत हो गई, जो जुलाई में 6.7 प्रतिशत थी। चालू वित्त वर्ष की शुरूआत में महसूस किया गया कि मुद्रास्फीति दबाव कम हो गया लेकिन खाद्य पदार्थों और ऊर्जा की कीमतें उच्च स्तर पर बनी हुई है। प्रमुख उत्पादक देशों से बेहतर आपूर्ति होने और सरकार की ओर से किए गए उपायों के बावजूद महंगाई का दबाव बने रहने की संभावना है।

मीशो की फेस्टिव सेल में 3.34 करोड़ के ऑर्डर

बेंगलुरु (एजेंसी)। देश की ई-कॉमर्स कंपनी मीशो पर 23 से 27 सितंबर तक चली फेस्टिव सेल में ग्राहकों ने 3.34 करोड़ ऑर्डर दिए जो वर्ष 2021 में लगी इसी सेल के मुकाबले 68 प्रतिशत अधिक है। कंपनी ने गुरुवार को एक बयान में कहा कि इस साल की सेल में रसोई में काम आने वाली चीजों जैसी श्रेणी में 116 प्रतिशत की वृद्धि देखी गयी जबकि सौंदर्य और व्यक्तिगत देखभाल में 109 प्रतिशत और सामान एवं यात्रा के लिए एक्सेसरीज में 99 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। सेल में करीबन 60 प्रतिशत ऑर्डर देश के 4 से अधिक टियर शहरों से आए हैं जबकि लेनदेन करने वाले ग्राहकों की संख्या भी इस दौरान 60 प्रतिशत से बढ़ी है। ई-कॉमर्स और ऑनलाइन शॉपिंग पहली बार कर रहे कई उपभोक्ता भी इसमें शामिल है। कंपनी ने मीशो पर मौजूद छोटे उद्यमों ने सेल में भारी वृद्धि दर्ज की है। विक्रेताओं की सहभागिता पिछले साल के मुकाबले चार गुना बढ़ी इनमें से 75 प्रतिशत विक्रेता टियर 2 और उससे भी नीचली श्रेणी के बाजारों से हैं। सेल ने करीबन 20,000 विक्रेताओं को लखपती और 24 विक्रेताओं को करोड़पति बना दिया है। सेल में मीशो की एक खास पहल के तहत इस उद्योग से जुड़े एमएसएमई के कमीशन के 104 करोड़ रुपये बचाए है। मीशो के संस्थापक और सीईओ विदित आत्रे ने कहा,"फेस्टिव सेल में 80 प्रतिशत से ज्यादा ऑर्डर टियर 2 से अधिक शहरों से आए हैं। देश में जहां इंटरनेट कॉमर्स की सुविधा आज तक नहीं मिल पायी हैं उन सभी इलाकों तक हम पहुंचना चाहते हैं। फेस्टिव सीजन में मीशो पर छोटे उद्यमियों को मिली सफलता से हम बहुत खुश हैं।

गोयल ने निर्यातकों को सब्सिडी का सहारा छोड़ने की दी सलाह

नयी दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने गुरुवार को सेवा क्षेत्र के निर्यातकों से गुरुवार को सरकारी सब्सिडी का सहारा छोड़ने का आह्वान करते हुए स्पष्ट रूप से कहा कि सब्सिडी उद्योग को अप्रतिस्पर्धी बनाती है। श्री गोय ने सेवा क्षेत्र से नवोन्मेष पर ध्यान केंद्रित करने और प्रतिस्पर्धात्मक लाभ के निर्माण पर ध्यान देने की अपील की और कहा कि सेवा क्षेत्र ने 350 अरब डॉलर का निर्यात लक्ष्य निर्धारित किया है, जिसे हासिल करने की राह पर है। उन्होंने निर्यातकों से दक्षिण अमेरिका और अफ्रीका जैसे नए बाजारों की खोज पर विचार करने का भी आग्रह किया। वाणिज्य मंत्री ने कहा कि सरकार की सब्सिडी रणनीति गरीबों और जरूरतमंदों पर केंद्रित है। उन्होंने सेवा क्षेत्र की निर्यात संवधन परिषद (एसईपीसी) से महत्वाकांक्षी लक्ष्यों को लगातार आगे बढ़ाने का आग्रह किया और कहा कि ये लक्ष्य छोटी सब्सिडी और प्रोत्साहन से प्रभावित नहीं होते हैं। श्री गोयल सर्विसेज एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल्स (एसईपीसी) इंडिया@2047: सेवा क्षेत्र की निर्यात की रणनीति ' कौशलसंवर्धन एवं उच्च शिक्षा क्षेत्र का अंतर्राष्ट्रीयकरण ' विषय पर एक सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे। निर्यात में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सेवा क्षेत्र की सराहना की श्री गोयल ने सराहना की और इस क्षेत्र के सभी हितधारकों से भारत की सहज प्रतिस्पर्धात्मक क्षमताओं का लाभ उठाने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। भारत की एलईडी लाइटिंग क्रांति का उदाहरण देते हुए, श्री गोयल ने कहा कि पहल की सफलता सुनिश्चित करने वाला पहला कदम सब्सिडी को हटाना था। श्री गोयल ने कहा कि नयी शिक्षा नीति, पांच साल के परामर्श के परिणाम ने इस क्षेत्र को दुनिया के साथ व्यापक जुड़ाव के लिए खोल दिया है। उन्होंने कहा कि दुनिया भर के शीर्ष शैक्षणिक संस्थान प्रख्यात भारतीय विश्वविद्यालयों के साथ सहयोग करने, विदेशों में भारतीय विश्वविद्यालयों के परिसरों की मेजबानी करने और छात्र विनिमय कार्यक्रमों में संलग्न होने के लिए बहुत उत्सुक हैं।

201 रुपये का था अनिल अंबानी की कंपनी का शेयर, सिर्फ एक माह में डुबो दिए पैसे

नई दिल्ली। कर्ज के जाल में फंसे अनिल अंबानी की कंपनी रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड के शेयर ने एक माह में निवेशकों को तगड़ा नुकसान करा दिया है। रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर के शेयर में पिछले एक महीने के दौरान करीब 13% की गिरावट आई है। 52 वीक के हाई पर था शेयरः रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर के स्टॉक ने 2 सितंबर 2022 को 201.35 रुपये के स्तर को छु लिया था। यह स्टॉक के 52 वीक का उच्चतम स्तर था। हालांकि, इसके बाद गिरावट का जो दौर शुरू हुआ वो अब तक जारी है। वर्तमान में शेयर का भाव 140 रुपये के नीचे कारोबार कर रहा है। इस लिहाज से देखें तो प्रति शेयर 60 रुपये से ज्यादा का नुकसान हो चुका है। मार्केट कैपिटल की बात करें तो 3600 करोड़ रुपये से ज्यादा है। शेयर में गिरावट ऐसे समय में आई है जब रिलायंस इंफ्रा ने अडानी ग्रुप की कंपनी के साथ कानूनी जंग लड़ने के लिए कदम उठाया है।

लार्ज, मिड और स्मॉल कैप में उद्योग जगत की प्रमुख कंपनियों में निवेश करने का लक्ष्य

एलआईसी म्यूचुअल फंड 6 अक्टूबर से लॉन्च करेगी

नवीन मेल संवाददाता

रांची। एलआईसी म्यूचुअल फंड ने शुक्रवार को एलआईसीएमएफ मल्टीकैप फंड (एलआईसीएमएफ मल्टीकैप) लॉन्च करने की घोषणा की, जो एक ओपन-एंडेड इक्विटी योजना है और यह बाजार पूंजीकरण की सभी श्रेणियों में निवेश करेगी। एलआईसीएमएफ मल्टीकैप फंड लार्ज, मिड और स्मॉल कैप शेयरों में से हर एक में न्यूनतम 25 प्रतिशत का निवेश करेगा और शेष 25 प्रतिशत फंड मैनेजर को अनुशासित दृष्टिकोण का पालन करते हुए अपने विवेक के आधार पर हर तरह के बाजार पूँजीकरण में निवेश करने के लिए लचीलापन प्रदान करेगा। न्यू फंड ऑफर (नई फंड पेशकश-एनएफओ) गुरुवार, 6 अक्टूबर, 2022 को खुलेगा, और गुरुवार, 20 अक्टूबर, 2022 को बंद होगा। यह योजना बुधवार, 2 नवंबर, 2022 से मौजूदा सब्सक्रिप्शन के लिए फिर से

खुलेगी। एलआईसीएमएफ मल्टीकैप फंड तीनों किस्म के बाजार पूंजीकरण - लार्ज, मिड और स्मॉल के साथ शेयरों के केंद्रित आवंटन का प्रयास करेगा, इस तरह हमेशा अनुशासित विविधीकरण की पेशकश की जाएगी। एलआईसीएमएफ मल्टीकैप फंड के लिए प्रमुख अंतर यह है कि यह आंतरिक स्तर पर विकसित मैक्रो बेस्ड वैल्यूएशन चेक (एमवीसी) है, जो पोर्टफोलियो के भीतर चुने हुए शेयरों के आवंटन को समायोजित करते हुए, उभरते मैक्रो वैरिएबल के अनुरूप - इक्विटी जोखिम प्रीमियम, ब्याज दरों को ध्यान में रखते हुए और लाभ में वृद्धि करना। यह निवेश ढांचा मैक्रो वेरिएबल के आधार पर समायोजित बाजार मूल्यांकन का आकलन करेगा। इसमें लोअर-एंड और हाई-एंड पीई का आकलन और एक उपयुक्त (ऑप्टिमम) पोर्टफोलियो-स्तरीय पीईजी बैंड तक पहुंचना शामिल है। इस अवसर पर एलआईसी म्यूचुअल फंड के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी, टीएस रामाकृष्णन ने कहा, अनुशासित विविधीकरण और केंद्रित आवंटन, दो ऐसे पहलू हैं जिन्हें निवेशक पसंद करते हैं। एलआईसीएमएफ मल्टीकैप फंड अपने निवेशकों को बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में विवेकपूर्ण तथा अनुशासित विविधीकरण और उन कंपनियों में निवेश करने का अवसर प्रदान करेगा।

शेयर बाजार में उछाल, निफ्टी 276 अंक ऊपर और सेंसेक्स 1017 अंक चढ़कर हुआ बंद

नई दिल्ली। आरबीआई क्रेडिट पॉलिसी को बाजार ने सलामी दी. 2 महीने के निचले स्तर से बाजार में बाउंस बैक देखने को मिला. शानदार तेजी के साथ बाजार में चौतरफा खरीदारी देखने को मिली। मिडकैप, स्मॉलकैप शेयरों में उछाल नजर आया. बीएसई के सभी सेक्टर इंडेक्स में चौतरफा खरीदारी देखने को मिली। बैंकिंग, मेटल, रियल्टी शेयरों में जोरदार तेजी नजर आई. ऑटो, फार्मा, आईटी शेयर बढ़त पर बंद हुए। लगातार सात दिनों की गिरावट के बाद आज बाजार में बेंचमार्क इंडेक्स बढ़त पर बंद हुए. सेंसेक्स 1017 प्वाइंट चढ़कर 57,427 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 276 प्वाइंट चढ़कर 17,094 पर बंद हुआ। 12 शेयरों वाला निफ्टी बैंक 984 प्वाइंट चढ़कर 38,632 पर बंद हुआ।,जबकि मिडकैप 483 प्वाइंट चढ़कर 30,668 पर बंद होने में कामयाब रहा। आज रुपया 52 पैसे मजबूत होकर 81.34 रुपए/ डॉलर पर बंद होने में कामयाब रहा।

केंद्र सरकार ने दी राहतः लघु बचत योजनाओं की ब्याज दरों में की वृद्धि

दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने लघु बचत योजनाओं की ब्याज दरों में बदलाव करते हुए चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में ब्याज दरें बढ़ा दी हैं। रिपोर्ट के अनुसार दो साल की अवधि वाले जमा पर ब्याज दर को 5.5 प्रतिशत से बढ़ाकर 5.7 प्रतिशत किया गया है। इसी तरह 3 साल की अवधि वाले जमा की दर को 5.5 प्रतिशत से बढ़ाकर 5.8 प्रतिशत कर दिया गया है। गौरतलब है कि सरकार हर तीन महीने पर ब्याज दरों में बदलाव करती है। हालांकि पहले ये घोषणा रिजर्व बैंक की एमपीसी बैठक के बाद की जाती थी। लेकिन सरकार ने इसकी घोषणा एक दिन पहले ही कर दी है। अभी रिजर्व बैंक की एमपीसी की बैठक चल रही है और कल पॉलिसी रेट्स में बढ़ोतरी का ऐलान हो सकता है। इसके अलावा सरकार के निर्णय के अनुसार

सीनियर सिटीजन सेविंग्स स्कीम की ब्याज दर को बढ़ाकर 7.6 प्रतिशत कर दिया है। पहले यह दर 7.4 प्रतिशत होती थी। इसी तरह मंथली इनकम अकाउंट स्कीम की दर को 6.7 प्रतिशत किया गया है। पहले यह दर 6.6 प्रतिशत हुआ करती थी। सरकार ने अक्टूबर-दिसंबर तिमाही के लिए दरों में बढ़ोतरी की है। अभी तक सितंबर तिमाही की दरें चल रही थीं। लेकिन सरकार को बॉन्ड यील्ड से बंपर कमाई हुई है जिसे देखते हुए संभावना जताई जा रही थी कि दिसंबर तिमाही में छोटी बचत योजनाओं की दरें बढ़ेंगी। गुरुवार को सरकार ने 2 साल की स्कीम पर ब्याज दर 5.7 प्रतिशत की है, जबकि 3 साल की स्कीम के लिए ब्याज 5.8 प्रतिशत हो गई है। वहीं नेशनल सेविंग्स सर्टिफिकेट की दरों में कोई बदलाव नहीं किया गया है और यह पहले की तरह 6.8 प्रतिशत ही है। इसी तरह पब्लिक

> पहले यह दर 7.4 प्रतिशत होती थी। इसी तरह मंथली इनकम अकाउंट स्कीम की दर को 6.7 प्रतिशत किया गया है। पहले यह दर 6.6 प्रतिशत हुआ करती थी। सरकार ने अक्टूबर-दिसंबर तिमाही के लिए दरों में बढ़ोतरी की है।

प्रोविडेंट फंड की दर भी नहीं बदली गई है और यह 7.1 प्रतिशत है। सरकार ने किसान विकास पत्र में मामूली बदलाव किया है और इसकी दर को 6.9 प्रतिशत से बढ़ाकर 7 प्रतिशत कर दिया गया है। हालांकि एक बड़ा फायदा ये हो रहा है कि 7 परसेंट वाले किसान विकास पत्र की मैच्योरिटी 123 महीने कर दी गई है, जबकि 6.9 प्रतिशत वाले केवीपी की अवधि 124 महीने होती थी।

लोहिया कॉर्प ने सेबी के पास आईपीओ दस्तावेज जमा कराएं

नयी दिल्ली। तकनीकी वस्त्रों के उत्पादन में इस्तेमाल होने वाली मशीनरी बनाने वाली कंपनी लोहिया कॉर्प ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के जरिये पूंजी जुटाने के लिए भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास दस्तावेज का मसौदा जमा कराया है। विगत बृहस्पतिवार को जमा कराए गए दस्तावेजों के मुताबिक, आईपीओ पूरी तरह से प्रवर्तकों और अन्य शेयरधारकों द्वारा 3,16,95,000 शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) पर आधारित है। कानपुर स्थित लोहिया कॉर्प तकनीकी वस्त्रों के उत्पादन में उपयोग की जाने वाली मशीनरी और उपकरण बनाती है। कंपनी की परिचालन आय पिछले वित्त वर्ष 2021-22 में बढ़कर 2,237.48 करोड़ रुपये हो गई।

'अमेरिकी तूफान' में उड़ गई एलन मस्क की एक लाख करोड़ रुपये से अधिक की दौलत

जेफ बेजोस ने गंवाए 3.22 अरब डॉलर

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी शेयर बाजारों में एक बार फिर विगत गुरुवार को बिकवाली का तूफान आया, जिसमें टेस्ला, गूगल (अल्फाबेट इंक), फेसबुक (मेटा) और अमेजन जैसी दिग्गज कंपनियों के शेयर औंधेमुंह गिर गए। इस अमेरिकी तूफान में दुनिया के पहले नंबर के अमीर एलन मस्क की कुल दौलत में से 13.3 डॉलर ((करीब 1,08,587 करोड़ रुपये) उड़ गए। वहीं, जेफ बेजोस को 3.22 अरब डॉलर का झटका लगा। बता दें गुरुवार को अमेरिकी शेयर बाजार का प्रमुख संवेदी सूचकांक डाऊ जोंस 1.54 फीसद यानी 458 अंकों का गोता लगाकर 29225 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं, नैस्डैक में 2.84 फीसद की गिरावट रही और यह

10737 के स्तर पर बंद हुआ। जबकि, एस एंड पी 500 में 2.11 फीसद की गिरावट रही। इसका असर यह हुआ कि एलन मस्क की टेस्ला के शेयर 6.81 फीसद टूटे। इससे उन्हें एक ही दिन में 13.3 अरब डॉलर का नुकसान हुआ। वहीं, जेफ बेजोस के अमेजन के शेयर 2.72 फीसद टूटे। इस वजह से उनकी कुल दौलत में 3.22 अरब डॉलर की सेंध लग गई। फेसबुक यानी मेटा प्लैटफार्म के शेयर भी 3.67 फीसद टूटे। इस वजह से मार्क जुकरबर्ग की दौलत 1.82 अरब डॉलर घट गई। इस साल अब तक 30.3 अरब डॉलर की दौलत गंवा चुके एलन मस्क की कुल संपत्ति अब 240 अरब डॉलर रह गई है। इसके बावजूद मस्क ब्लूमबर्ग बिलेनियर इंडेक्स में दुनिया सबसे बड़े अमीर बने हुए हैं।

आधार से अगस्त महीने में हुए 23.45 करोड़ ई-केवाईसी लेनदेन

नयी दिल्ली (एजेंसी)। देश में नागरिकों द्वारा आधार कार्ड के उपयोग काफी बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। बीते अगस्त महीने में 219.71 करोड़ का लेनेदेन हुआ। यह जुलाई के मुकाबले 44 प्रतिशत अधिक है। इलेक्ट्रानिक्स एवं आईटी मंत्रालय ने गुरूवार को यहां एक बयान में बताया कि 128.56 करोड़ मासिक लेन-देन फिंगरप्रिंट बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण का उपयोग से किए गए थे जबकि इसके बाद जनसांख्यिकीय प्रमाणीकरण और ओटीपी का उपयोग किया गया। बयान के अनुसार अगस्त में कुल 8074.95 करोड़ आधार प्रमाणीकरण किए गए हैं, जबकि जुलाई के अंत तक कुल 7855.24 करोड़ आधार प्रमाणीकरण किए गए। अगस्त में आधार के जरिए किए गए ई-केवाईसी लेनदेन की संख्या 23.45 करोड़ थी। ई-केवाईसी लेनदेन की कुल संख्या

> बयान के अनुसार अगस्त में कुल 8074.95 करोड़ आधार प्रमाणीकरण किए गए हैं, जबकि जुलाई के अंत तक कुल 7855.24 करोड़ आधार प्रमाणीकरण किए गए।

जुलाई में 1249.23 करोड़ से बढ़कर अगस्त के अंत तक 1272.68 करोड़ हो गई है। आलोच्य माह में नागरिकों ने सफलतापूर्वक 1.46 करोड़ आधार अपडेट कराए हैं जिससे 65.01 करोड़ आधार नंबर सफलतापूर्वक अपडेट किए गए हैं। आधार संख्या पर आधारित ई-केवाईसी लेनदेन केवल आधार धारक की स्पष्ट सहमति से किया जाता है और इस प्रक्रिया के जरिए कागजी कार्रवाई तथा केवाईसी के लिए व्यक्तिगत सत्यापन की आवश्यकता भी समाप्त हो जाती है।

पेज एक के शेष

कांग्रेस अध्यक्ष के...

का आशीर्वाद प्राप्त है तो उसका यह दावा गलत है। हर उम्मीदवार ने अपना नामांकन पत्र खुद भरा है और उसे फॉर्म भरने के लिए कांग्रेस हाईकमान ने नहीं कहा है और ना ही किसी को कांग्रेस अध्यक्ष का आशीर्वाद है इसलिए यदि कोई व्यक्ति ऐसा दावा करता है तो उसका यह दावा गलत है। सभी उम्मीदवारों ने अपने बल पर और खुद नामांकन पत्र दाखिल किया है। उन्होंने कहा कि डेलीगेट्स को ही कांग्रेस अध्यक्ष का चुनाव करना है और उन्हें ही अपनी पसंद के उम्मीदवार को वोट देना है। यह सांगठनिक चुनाव है और कोई भी कांग्रेस डेलीगेट कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिए नामांकन कर सकता है। भारत जोड़ो यात्रा में शामिल डेलीगेट के लिए पोस्टल वोटिंग की व्यवस्था संबंधी सवाल पर उन्होंने कहा कि अभी इस बारे में कुछ निर्णय नहीं लिया गया है। अभी यही तय हुआ है कि यात्रा जिस जगह होगी वहां डेलिगेट के लिए मतदान की व्यवस्था की जायेगी।

11 को रांची...

के लोग अगर कहते हैं कि पूर्व की सरकार में मंत्री रहते हुए मैनें मलाई खायी और चुप रहा तो उन्हें जानना चाहिए कि मैनें पूर्व के मुख्यमंत्री और वर्तमान मुख्यमंत्री को कितने पत्र लिखे। सत्ता में रहने का मतलब मलाई खाना नहीं होता। दोनों ही सरकारों में जितनी चिट्ठियां लिखीं, उतने में 100 पन्नों की किताब आयेगी।

भ्रष्टाचार विरोधी प्रतिनिधि सम्मेलन में आने के लिए रजिस्ट्रेशन अनिवार्य

सरयू राय ने कहा कि लोकनायक जयप्रकाश नारायण के जन्मदिन 11 अक्टूबर 2022 को रांची में भ्रष्टाचार विरोधी प्रतिनिधि सम्मेलन का आयोजन किया गया है। राज्य के प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र से पांच प्रतिनिधि स्वयं की प्रेरणा से सम्मेलन में शामिल हों। प्रतिनिधियों की सहभागिता ऑनलाइन पंजीयन के माध्यम से सुनिश्चित की जा रही है। सम्मेलन में शामिल होने के इच्छुक प्रतिनिधि मोबाइल नम्बर- 88775-37777 पर मिसकॉल या व्हाट्स एप्प भेजकर शामिल होने की सूचना दे रहे हैं। सम्मेलन में शामिल होने के लिए रजिस्ट्रेशन कराना अनिवार्य होगा। अबतक 253 लोगों ने रजिस्ट्रेशन करा लिया है। सरयू राय ने कहा कि किसी भी सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक संगठन से संबंधित व्यक्ति सम्मेलन में शामिल होने के लिए पंजीयन करा सकते हैं। पंजीयन निःशुल्क है। पंजीयन की अंतिम तारीख 8 अक्टूबर 2022 रखी गयी है।

KASHYAP'S DENTAL CLINIC

Dr. Vaibhav Kashyap

Oral & Dental Surgeon, C.c. Endodontist & Implantologist Certified Orthodontist, MIDA

" Smiles & More"

छात्र-छात्राओं के लिए 50% की छूट

Facilities

- आरसीटी
- पायरिया का ईलाज
- टेढ़े-मेढ़े दाँतों का ईलाज
- स्माईल डिजाइन
- इनविजिवल क्लिप
- दंत रोपण
- फिक्स दाँत लगाना
- अत्याधुनिक मशीन और तकनीक के द्वारा ईलाज

CHAMBER
SKYLINE - 4006, 4th Floor, Kadru, Opp. Dr. Lal's Hospital, Ranchi
Contact No. : 9199533383, 7903835453
Time : 9 am to 2 pm & 4 pm to 8 pm
Sunday : 9 am to 2 pm
E-mail : vaibhav.kashyap2011@gmail.com

न्यूज गैलरी

67 पोर्न वेबसाइट को बैन करने का आदेश

नयी दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने इंटरनेट सेवा प्रदाता कंपनियों को 2021 में जारी नये सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) नियमों के उल्लंघन के आरोप में 67 पोर्न वेबसाइट को ब्लॉक करने का आदेश दिया है। इंटरनेट सेवा प्रदाताओं को भेजे गये एक ईमेल में दूरसंचार विभाग (डीओटी) ने कंपनियों से पुणे की एक अदालत के आदेश के आधार पर 63 वेबसाइट, जबकि उत्तराखंड उच्च न्यायालय के आदेश तथा इलेक्ट्रॉनिक एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा जारी निर्देशों के आधार पर चार वेबसाइट को ब्लॉक करने के लिए कहा है। डीओटी द्वारा 24 सितम्बर को जारी आदेश में कहा गया है कि सूचना प्रौद्योगिकी (मध्यवर्ती दिशा-निर्देश एवं डिजिटल मीडिया आचार संहिता) नियम-2021 के नियम-3(2)(बी) के साथ पढ़े गये (उत्तराखंड उच्च न्यायालय के) उक्त आदेश के अनुपालन में और नीचे उल्लिखित वेबसाइट पर उपलब्ध कुछ अश्लील सामग्री को देखते हुए, जो महिलाओं के शील को भंग करती हैं, इलेक्ट्रॉनिक एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने इन वेबसाइट/यूआरएल को तत्काल ब्लॉक करने का आदेश जारी किया है। इलेक्ट्रॉनिक एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा 2021 में लागू किये गये नये आईटी नियमों के तहत कंपनियों के लिए उनके द्वारा प्रसारित, संग्रहित या प्रकाशित ऐसी सामग्री तक पहुंच बाधित या अक्षम करना अनिवार्य है, जो किसी व्यक्ति को पूर्ण या आंशिक रूप से निर्वस्त्र दिखाती है या फिर उसे यौन कृत्य या आचरण में लिप्त दर्शाती है।

गृह मंत्रालय ने पीएफआई पर कसा शिकंजा

नयी दिल्ली (एजेंसी)। नयी दिल्ली में पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) की ओर से इस्तेमाल किये जा रहे तीन परिसरों को सील करने और उसके कोष के लेन देन पर रोक लगाने के आदेश दिये गये हैं। गृह मंत्रालय की अधिसूचना में यह जानकारी दी गयी है। केंद्र सरकार ने एक दिन पहले ही पीएफआई पर आईएसआईएस जैसे वैश्विक आतंकवादी संगठन से संबंध रखने और देश में सांप्रदायिक नफरत फैलाने के आरोप में पांच साल के लिए प्रतिबंध लगा दिया था। जिन परिसरों को सील करने का आदेश दिया गया है, उनमें शाहीनबाग में रॉयल होटल के पास, एफ-30/1बी,भूतल, जैद अपार्टमेंट, जामिया नगर के अबु फजल एन्क्लेव में 44/ए-1, भूतल, हिलाल हाउस और जामिया नगर के ठोकर संख्या सात में बी-27/2, तीसरी मंजिल शामिल है। अधिसूचना में कहा गया है कि दिल्ली पुलिस के आयुक्त संजय अरोड़ा ने इस बाबत आदेश जारी किये हैं। गृह मंत्रालय ने बुधवार को पीएफआई और उसके आठ सहयोगी संगठनों के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए गैर कानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम के दो विशेष प्रावधानों का इस्तेमाल करने की शक्ति सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को दे दी थी। इन संगठनों को प्रतिबंधित कर दिया गया है।

बैन के बाद पीएफआई को लगा एक और बड़ा झटका

केरल हाईकोर्ट ने 5.20 करोड़ रुपये जमा करने का दिया आदेश

तिरूवंतपुरम (एजेंसी)। आतंकी गतिविधियों के साथ संपर्क में रहने और देश विरोधी कामों में संलिप्तता पाये जाने पर केंद्र सरकार पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) पर पांच साल के लिए बैन लगा चुकी है। गुरुवार को केरल हाईकोर्ट ने पीएएफआई को दो सप्ताह में 5.20 करोड़ रुपये का भुगतान करने का निर्देश दिया। बता दें कि कोर्ट ने यह आदेश पिछले सप्ताह समूह के परिसरों और इससे जुड़े लोगों के छापे के खिलाफ बंद के दौरान हुए नुकसान की भरपाई के लिए सुनाया है। न्यायमूर्ति एके जयशंकरन नांबियार और सीपी मोहम्मद नियास की खंडपीठ ने निचली अदालतों को निर्देश दिया कि जब तक नुकसान का भुगतान नहीं किया जाता तब तक आरोपी को जमानत नहीं दी जाये।

अदालत ने सरकार को बंद का आह्वान करनेवाले पीएफआई के राज्य सचिव ए अब्दुल सत्तार को बंद के दौरान हिंसा के संबंध में दर्ज सभी मामलों में आरोपी बनाने का निर्देश दिया। पीठ ने कहा कि नागरिकों के जीवन को खतरे में नहीं डाला जा सकता है। संदेश जोर से और स्पष्ट है। अगर कोई ऐसा करता है, तो इसका परिणाम भुगतना होगा। आप किसी भी कारण से अपना संगठन और प्रदर्शन कर सकते हैं। संविधान इसकी इजाजत देता है, लेकिन अचानक हड़ताल नहीं की जा सकती है। कोर्ट ने कहा कि अगर नुकसान का भुगतान नहीं किया गया तो उनकी संपत्तियों की कुर्की सहित सख्त कार्रवाई शुरू की जा सकती है। केरल राज्य सड़क परिवहन निगम ने पहले अदालत को सूचित किया था कि बंद के दौरान हुई हिंसा में उसकी 58 बसें क्षतिग्रस्त और 20 कर्मचारी घायल हुए थे।

पीएफआई पर बैन के बाद वडोदरा के एक मदरसे में रची जा रही थी बड़ी साजिश, गुजरात एटीएस ने किया सील

वडोदरा। चरमपंथी मुस्लिम संगठन पापुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) सहित उससे जुड़े आठ संगठनों पर केंद्र सरकार द्वारा पांच साल का बैन लगाने के बाद गुजरात पुलिस और एटीएस ने एक बड़ी कार्रवाई की है। पीएफआई के साथ संबंध की आशंका पर वडोदरा पुलिस और गुजरात एटीएस ने एक मदरसे को सील किया है। एनआईए और ईडी सहित तमाम जांच एजेंसियों की (पहला-22 सितम्बर और दूसरा 27 सितम्बर) छापेमार कार्रवाई के बाद 28 सितम्बर को केंद्र सरकार ने पीएफआई पर बैन लगाने का नोटिफिकेशन जारी किया था। इस संगठन पर देश में आतंकवादी गतिविधियों को बढ़ावा देने और साम्प्रदायिक आधार पर लोगों में नफरत पैदा करने का आरोप है। एटीएस क्राइम एएच राठौड़ा ने कहा-स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप की टीम को जानकारी मिली थी कि एक मस्जिद में कुछ गतिविधि चल रही हैं। प्रतिबंधित संगठन ऑल इंडिया इमाम काउंसिल की बैठक भी हुई थी, जिसको लेकर हमने छानबीन की और उस जगह को सील किया है। हम मस्जिद के ट्रस्टी को बुलाकर पूछताछ कर रहे हैं।

नये संसद भवन पर लगे शेर आक्रामक नहीं : सुप्रीम कोर्ट

नयी दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने उस याचिका को खारिज कर दिया है, जिसमें संसद की नयी इमारत पर लगे शेरों के डिजाइन पर आपत्ति जतायी गयी थी। याचिका में कहा गया था कि सेंट्रल विस्टा प्रोजेक्ट के ऊपर लगे राष्ट्रीय चिह्न में शेरों का डिजाइन सारनाथ म्यूजियम में रखे गये चिह्न पर बने शेरों से अलग है और दोनों डिजाइनों में शेरों की जेस्चर भी एक-जैसी नहीं है। जस्टिस एमआर शाह और कृष्ण मुरारी की बेंच ने यह कहते हुए याचिका को खारिज कर दिया कि शेर कैसे दिखते हैं, यह देखनेवालों के नजरिये पर निर्भर करता है। दरअसल, पीएम मोदी ने 11 जुलाई को नये संसद भवन की छत पर स्थापित 21 फुट ऊंचे अशोक स्तंभ का अनावरण किया था। तब से इसे लेकर विवाद चल रहा था। मामले में दो एडवोकेट-ऑन-रिकॉर्ड अल्दानिश रीन और रमेश कुमार मिश्रा ने मामले में याचिका दायर की थी, जिसमें कहा गया था कि नए चिन्ह में राज्य प्रतीक अधिनियम के तहत डिजाइन में किसी तरह का बदलाव नहीं हो सकता है। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता ने संसद पर लगे अशोक स्तंभ में शेरों को आक्रामक बताया। याचिकाकर्ता के वकील ने तर्क दिया कि राष्ट्रीय प्रतीक की जो डिजाइन की गयी है, उसमें किसी तरह का बदलाव या नयापन नहीं लाया जा सकता है। वकील ने यह भी तर्क दिया कि शेरों की मूर्ति में सत्यमेव जयते का लोगो नहीं है। जिसपर कोर्ट ने कहा कि नये संसद भवन के ऊपर स्थापित किये गये अशोक स्तंभ भारत के राज्य प्रतीक अधिनियम, 2005 का उल्लंघन नहीं करता है। विपक्ष ने अशोक स्तंभ की संरचना पर सवाल उठाया था और कहा था कि राष्ट्रीय प्रतीक चिह्न के चार शेरों की संरचना में फेरबदल कर संविधान का उल्लंघन किया गया है। विपक्ष के मुताबिक अशोक स्तंभ के शेरों को क्रूर और आक्रामक बनाया गया है।

> कोर्ट ने आपत्ति वाली याचिका खारिज की, कहा- यह देखने वाले के नजरिये पर निर्भर

काबुल में शिया बहुल इलाके में भयानक विस्फोट, 32 की मौत

काबुल (एजेंसी)। अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में एक शिया बहुल इलाके में शुक्रवार तड़के विस्फोट होने से 32 लोगों की मौत हो गयी और 40 अन्य घायल हुए हैं। काबुल पुलिस प्रमुख के लिए तालिबान द्वारा नियुक्त एक प्रवक्ता ने यह जानकारी दी। प्रवक्ता खालिद जदरान ने बताया कि दशती बारची इलाके में एक केंद्र में शुक्रवार तड़के विस्फोट हुआ। इस क्षेत्र में अधिकतर अफगानिस्तान के अल्पसंख्यक शिया समुदाय के लोग रहते हैं। जदरान ने बताया कि हताहत हुए लोगों में हाईस्कूल के छात्र-छात्राएं भी शामिल हैं। इस केंद्र का नाम काज हायर एजुकेशनल सेंटर है, जहां छात्रों को कॉलेज प्रवेश परीक्षा की तैयारी करायी जाती है। जदरान ने बताया कि इस क्षेत्र के शैक्षणिक केंद्रों को बड़े कार्यक्रमों को आयोजन करते समय तालिबान से अतिरिक्त सुरक्षा की मांग करनी चाहिए। शुक्रवार को भी यहां बच्चों की तैयारी के लिए एक कार्यक्रम आयोजित किया गया था। विस्फोट की तत्काल किसी ने जिम्मेदारी नहीं ली है। तालिबान के अगस्त 2021 में देश की बागडोर अपने हाथ में लेने के बाद से उसके बड़े प्रतिद्वंद्वी इस्लामिक स्टेट ग्रुप ने दशती बारची इलाके में कई बार हजारा समुदाय को निशाना बनाया है। गृह मंत्रालय में तालिबान द्वारा नियुक्त प्रवक्ता अब्दुल नफी टकोर ने पहले कहा था कि हमारे दलों को घटनास्थल के लिए रवाना कर दिया गया है। अफगानिस्तान में तैनात अमेरिका की उप-राजदूत कैरेन डेकर ने हमले की निंदा की है। उन्होंने कहा कि परीक्षा की तैयारी कर रहे छात्रों से भरे एक कक्ष पर हमला करना शर्मनाक है। हर एक छात्र को बिना डर शांतिपूर्ण माहौल में शिक्षा हासिल करने का अधिकार होना चाहिए। हम मारे गये लोगों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हैं और घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना करते हैं।

पीएम मोदी ने पहली बार की वंदे भारत ट्रेन की सवारी

अहमदाबाद (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को आत्मनिर्भर भारत की नयी पहचान बनी वंदे भारत एक्स्प्रेस ट्रेन को गांधीनगर कैपिटल स्टेशन पर हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ किया और कालूपुर स्थित अहमदाबाद स्टेशन तक यात्रा भी की। प्रधानमंत्री सुबह गांधीनगर कैपिटल स्टेशन पहुंचे जहां रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव, केंद्रीय शहरी विकास मंत्री हरदीप पुरी, गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत और मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने उनका स्वागत किया। श्री मोदी ने स्टेशन पर वन स्टेशन वन प्रोडक्ट योजना के तहत लगे हथकरघा एवं हस्तशिल्प स्टाल पर महिला उद्यमी से बात की। इसके बाद रेल मंत्री प्रधानमंत्री को वंदे भारत एक्सप्रेस के ड्राइवर केबिन में लेकर गये और ट्रेन के संचालन संबंधी जानकारी दी। श्री मोदी ने गाड़ी के कोच में सीटिंग की व्यवस्था के बारे में पूछताछ की। रेल मंत्री ने वंदे भारत एक्सप्रेस में पहली बार इस्तेमाल हो रहे एयर सस्पेंशन को भी दिखाया। इसके बाद श्री मोदी, श्री वैष्णव एवं अन्य मेहमानों ने हरी झंडी दिखा कर ट्रेन को रवाना किया। यह ट्रेन कुछ दूर चल कर रुकी और फिर प्रधानमंत्री, रेल मंत्री, राज्यपाल, मुख्यमंत्री एवं अन्य महत्वपूर्ण अतिथि गाड़ी में सवार होकर अहमदाबाद स्टेशन तक गये। यह पहला मौका है जब श्री मोदी ने नये भारत की नयी पहचान के रूप में ख्याति प्राप्त करनेवाली इस ट्रेन में यात्रा का अनुभव हासिल किया। यात्रा के दौरान श्री मोदी बहुत उत्साहित एवं प्रसन्नचित्त नजर आये। इससे पहले उन्होंने पहली वंदे भारत ट्रेन का उद्घाटन 15 फरवरी 19 को किया था। लेकिन उसमें सवार होकर एक स्टेशन से दूसरे स्थान पर वह इससे पहले कभी नहीं गये हैं।

मद्रास हाईकोर्ट से आरएसएस को पथ संचलन की मिली इजाजत

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के मद्रास हाईकोर्ट ने आरएसएस को छह अक्टूबर को राज्य में पथ संचलन करने की इजाजत दे दी है। कोर्ट ने तमिलनाडु पुलिस को इस संबंध में निर्देश जारी किये हैं। इससे पहले आरएसएस राज्य में दो अक्टूबर को पथ संचलन का आयोजन करनेवाली थी, लेकिन राज्य सरकार ने इसकी अनुमति नहीं दी थी। इस पर संघ ने हाईकोर्ट में गृह सचिव सहित राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों के खिलाफ अवमानना याचिका दायर की थी। यह याचिका फरर के तिरुवल्लूर के संयुक्त सचिव आर कार्तिकेयन ने दाखिल की थी। मद्रास हाईकोर्ट के जस्टिस जीके इलांथिरैयन ने मामले की सुनवाई करते हुए यह फैसला दिया है। कोर्ट ने कहा कि पुलिस, आरएसएस को छह अक्टूबर को रैली करने की अनुमति दे। इसके साथ ही कोर्ट ने कहा कि आदेश का उल्लंघन करनेवाले अधिकारियों को अवमानना कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा। आरएसएस के पथ संचलन के दिन ही राज्य में विदुथलाई चिरुथाईगल कात्ची और वाम दल भी रैली करनेवाले थे। कोर्ट ने उन्हें भी मार्च निकालने की इजाजत देने से इनकार कर दिया था।

पटना की नगर रक्षिका मानी जाती है मां पटनेश्वरी

पटना (एजेंसी)। बिहार की राजधानी पटना के पटन देवी मंदिर में विद्यमान मां भगवती को पटना की नगर रक्षिका माना जाता है। बिहार की राजधानी पटना के गुलजार बाग इलाके में स्थित बड़ी पटन देवी मंदिर परिसर में काले पत्थर की बनी महाकाली, महालक्ष्मी और महासरस्वती की प्रतिमा स्थापित हैं। इसके अलावा यहां भैरव की प्रतिमा भी है। देवी भागवत के अनुसार, सती की दाहिनी जांघ यहां गिरी थी। पूरे देश में सती के 51 शक्तिपीठों में प्रमुख इस उपासना स्थल में माता की तीन स्वरूपों वाली प्रतिमाएं विराजित हैं। मंदिर में पटन देवी भी दो हैं, छोटी पटन देवी और बड़ी पटन देवी जिनके लिए अलग-अलग मंदिर हैं। पटना की नगर रक्षिका भगवती पटनेश्वरी हैं जो छोटी पटन देवी के नाम से भी जानी जाती हैं। यहां मंदिर परिसर में मां महाकाली, महालक्ष्मी और महासरस्वती की स्वर्णाणाभूषणों, छत्र एवं चंवर के साथ विद्यमान हैं। मंदिर के पीछे एक बहुत बड़ा गड्ढ़ा है, जिसे पटनदेवी खंदा कहा जाता है।

सतयुग की मानी जाती हैं इस शक्तिपीठ की मूर्तियां

मान्यता के अनुसार इस स्थान से मूर्तियां अवतरित हुई थीं। बिहार ही नहीं बल्कि पूरे देश में प्रसिद्ध इस शक्तिपीठ की मूर्तियां सतयुग की मानी जाती हैं। मंदिर परिसर में ही योनिकुंड है, जिसके संबंध में कहा जाता है कि इसमें डाली जानेवाली हवन सामग्री भूगर्भ में चली जाती है। देवी को प्रतिदिन दिन में कच्ची और रात में पक्की भोज्य सामग्री का भोग लगता है। मान्यता है कि जो भक्त सच्चे दिल से यहां आकर मां की अराधना करते हैं, उनकी मनोकामना जरूर पूरी होती है। मंदिर में वैदिक और तांत्रिक विधि से पूजा होती है। वैदिक पूजा सार्वजनिक होती है, जबकि तांत्रिक पूजा चंद मिनट की होती है। तांत्रिक पूजा के दौरान भगवती का पट बंद रहता है। स्थानीय मान्यताओं के अनुसार, यह मंदिर कालिक मंत्र की सिद्धि के लिए प्रसिद्ध है।